jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

खट्टर आज दूसरी बार लेंगे शपथ

राज्यपाल ने दिया सरकार बनाने का न्योता, दुष्यंत चौटाला बनेंगे उपमुख्यमंत्री

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने शनिवार को भाजपा को राज्य में नई सरकार के गठन

दो मुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलों को केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ट नेता रविशंकर प्रसाद ने

खारिज कर दिया।

का न्योता दिया। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए नामित मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि शपथ समारोह रविवार को होगा। उन्होंने बताया कि वह रविवार दोपहर सवा दो

बजे राजभवन में मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। मनोहर लाल खट्टर दूसरी बार प्रदेश के



राज्यपाल से मुलाकात से पहले केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और जजपा नेता दुष्यंत चौटाला। फोटो : कमलेश्वर सिंह

मुख्यमंत्री बनेंगे। जननायक जनता पार्टी के शपथ ग्रहण करेंगे। नेता दुष्यंत चौटाला उपमुख्यमंत्री के तौर पर

राज्यपाल से मुलाकात के बाद मनोहर व उपमुख्यमंत्री पद

लाल खट्टर ने कहा, 'रविवार को मुख्यमंत्री पद बाकी पेज 8 पर

सामना कर रहे हैं।

कांडा का समर्थन नहीं लेगी भाजपा: रविशंकर

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने की बैठक के बाद चंडीगढ़ में कहा, शनिवार को यहां बताया कि भाजपा हरियाणा में सरकार बनाने के लिए हरियाणा लोकहित पार्टी के विधायक गोपाल कांडा का समर्थन नहीं लेगी। विवादित नेता कांडा आत्महत्या के

'मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता

लिए उकसाने के दो मामलों का

प्रसाद ने भाजपा विधायक दल

हूं कि भाजपा बाकी पेज 8 पर कुल ५७ विधायकों के साथ सरकार बनाएंगे खट्टर -खबर पेज 8 पर

24 घंटे के भीतर ही अजय चौटाला को मिली फरलो

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

हरियाणा की जननायक जनता पार्टी (जजपा) के प्रमुख दुष्यंत चौटाला के पिता अजय चौटाला को दो हफ्ते के लिए जेल से छुट्टी मिली है। हरियाणा सरकार ने शनिवार को उनकी दो हफ्ते की फरलो (जेल से छुट्टी) मंजूर कर ली है। अजय चौटाला शिक्षक भर्ती घोटाले में दोषी करार दिए जाने के बाद से तिहाड़ जेल में बंद हैं। फरलो पर वह रविवार को जेल से बाहर आ सकते हैं। जब वह जेल से बाहर आएंगे, तबसे उनकी फरलो की अवधि गिनी जाएगी।

दो दिन पहले 24 अक्तूबर को आए हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों में दुष्यंत चौटाला की पार्टी के 10 विधायक जीते हैं। शनिवार को ही उनकी पार्टी जजपा के समर्थन से भाजपा ने हरियाणा में सरकार गठन का

जेल से दो हफ्ते की छुट्टी मंजूर हुई दुष्यंत के पिता की

हरियाणा सरकार ने मंजूर की अर्जी

दावा पेश किया है। समर्थन के मुद्दे पर शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष अमित शाह से मुलाकात के पहले दुष्यंत चौटाला जेल में अपने पिता से

अधिकारियों के मुताबिक, अजय चौटाला के रविवार को तिहाड़ जेल से बाहर आने की संभावना है। महानिदेशक (कारागार) संदीप गोयल के मुताबिक, अजय चौटाला को दो सप्ताह के लिए फरलो दी गई है और यह उसी दिन से शुरू हो जाएगी जिस दिन वह जेल परिसर से बाहर बाकी पेज 8 पर

50-50 फार्मूले पर लिखित आश्वासन मांगा शिवसेना ने

आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने की उठी मांग

मुंबई, 26 अक्तूबर (भाषा)।

महाराष्ट्र में नई सरकार बनाने के लिए भाजपा के दावा पेश करने पर बातचीत करने से पहले 'सत्ता में समान हिस्सेदारी के फार्मूले'

वरिष्ट भाजपा नेता रावसाहेब दानवे ने कहा कि उनकी पार्टी शिवसेना द्वारा प्रस्तावित सत्ता में बराबर की हिस्सेदारी के किसी सौदे से अवगत नहीं है।

लिए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने सहयोगी दल से शनिवार को लिखित आश्वासन देने कहा। शिवसेना के एक विधायक ने यह जानकारी दी।

(50:50) को

लागू करने के

शिवसेना के नवनिर्वाचित विधायकों ने मुंबई में ठाकरे के आवास पर उनसे मुलाकात की। उन्होंने नई सरकार में आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। विधायक ने कहा कि ठाकरे ने भी कहा है कि 'उनके पास अन्य विकल्प खुले हैं।' लेकिन उन्हें तलाशने में रुचि नहीं ले रहे हैं क्योंकि भाजपा और शिवसेना हिंदुत्व की विचारधारा रखती है।

राववारा

27 अक्तूबर, 2019

वास्तव में दीपोत्सव मानव मन के उल्लास का

त्योहार है। बाजार ने इसमें बहुत सारे बदलाव

कर दिए हैं। दिवाली पर पेश हैं रविवारी डेस्क

का विश्लेषण।

• कहानी/ राकेश भारतीय • विमर्श/ रेखा सेठी

• कविता/ राजेंद्र निशेष •कहानी/ पंकज चतुर्वेदी

• संस्कृति/ चेतना कुमावत • शख्सियत/

आरके लक्ष्मण • **दाना-पानी**/ मानस

मनोहर •सेहत/ रविवारी डेस्क

दूसरों के लिए दीये जलाएं

• आरती सक्सेना

दीप की दिव्यता

दिवाली से अलग-अलग

पौराणिक और ऐतिहासिक

घटनाएं जुड़ी हैं। पर

दरअसल

हरी साहजयां नहीं,

आज्ञ **ग्रीन** पराखे



शिवसेना के नवनिर्वाचित विधायकों ने मुंबई में उद्धव ठाकरे के आवास पर उनसे मुलाकात की। उन्होंने नई सरकार में आदित्य टाकरे को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की।

चुनाव में शिवसेना के 56 सीटों पर जीत दर्ज करने के दो दिनों बाद नवनिर्वाचित विधायकों

विधायक दल का नेता चुनने के लिए 30 को भाजपा की बैठक

मुंबई, 26 अक्तूबर (भाषा)।

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने शनिवार को कहा कि पार्टी ने विधायक दल का नेता चुनने के लिए 30 अक्टूबर अपने नव-निर्वाचित विधायकों की बैठक बुलाई है। पाटिल ने कहा कि विधान भवन में दोपहर बाद एक बजे यह बैठक होगी।

इस बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समर्थन के लिए निर्दलीय के साथ-साथ छोटे दलों के 15 विधायकों के संपर्क में हैं। हाल ही में संपन्न हुए राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा को 105 सीटों पर जीत हासिल हुई है।

राज्य में 21 अक्तूबर को हुए विधानसभा ने ठाकरे से मुलाकात की। उन्होंने शिवसेना प्रमुख को नई सरकार के गठन के बारे में फैसला लेने के बाकी पेज 8 पर दिव्यांगजनों और 80 साल से ज्यादा के बुजुर्गों को राहत

दीये जलाकर विश्व कीर्तिमान बनाया।

अब डाक मतपत्र के जिए कर सकेंगे मतदान

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

चुनाव में मत फीसद बढ़ाने के लिए सरकार ने 80 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं को डाक मतपत्र (पोस्टल बैलट) से मतदान करने की सुविधा प्रदान की है।

दीपोत्सव

चुनाव आयोग की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने 22 अक्तूबर को इस फैसले को लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। मंत्रालय ने दिव्यांगों और 80 साल से अधिक

चुनाव आयोग की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने दिव्यांगों और 80 साल से अधिक उम्र वाले मतदाताओं को डाक मतपत्र से मताधिकार देने के लिए निर्वाचन के संचालन नियम 1961 में संशोधन करते हुए इन्हें 'अनुपस्थित मतदाता' की श्रेणी में शामिल कर दिया है।

अयोध्या में तीसरे दीपोत्सव में शनिवार को दीये जलाते श्रद्धालु । इस मौके पर श्रद्धालुओं ने साढ़े पांच लाख

उम्र वाले मतदाताओं को डाक मतपत्र से बाकी पेज 8 पर मताधिकार देने

दिल्ली में प्रदूषण से हालात 'बहुत खराब'

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

राजधानी सहित आस-पास के इलाकों में हवा की हालत अभी से बिगड़ गई है। दिल्ली सहित 33 शहरों की हवा 'बहुत खराब' दर्जे की हो गई है। रविवार को इसके और गंभीर

रविवार और

सोमवार को

हालात और

बिगड़ने का

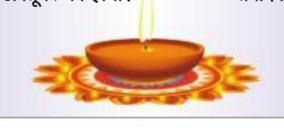
अनुमान

होने के आसार हैं। हालांकि इस बार पटाखों का शोर तो अभी तक सुनाई नहीं पड़ रहा है लेकिन दिल्ली के 37 मापक केंद्रों में से अधिकांश इलाकों में एक्यूआइ 300 के पार

पहुंच चुका है। सफर ने मंगलवार को कई जगहों पर एक्यूआइ 800 के पार जाने की आशंका जताई है।हवा में प्रदूषकों की मात्रा को देखते हुए 30 अक्तूबर तक प्रदूषण के लिहाज से राजधानी सहित एनसीआर में हाई अलर्ट जारी है। प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की बाकी पेज 8 पर

शुभ दीपावली

दीपावली पर हमारा कार्यालय आज बंद रहेगा। अब आपसे अगली मुलाकात 29 अक्तूबर को होगी। -संपादक



328 बार घुसपैठ की कोशिश हुई कश्मीर में पिछले साल सुरक्षाकर्मी शहीद हुए, जो बीते पांच साल में

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

328 बार घुसपैठ की कोशिश की, जो बीते पांच साल में सबसे अधिक है। इनमें से 143 प्रयासों में वे

2018 में जम्मू-कश्मीर में

सफल रहे। गृह मंत्रालय की 📗 वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मंत्रालय शुक्रवार को

उपलब्ध 2018-19 की



ज्यादा : गृह मंत्रालय

सर्वाधिक है। रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि के दौरान 39 आम लोगों की भी मौत हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों ने 2018

में 328 बार जम्मू-कश्मीर में घुसने की कोशिश की, जिनमें से 143 प्रयासों में वे सफल रहे। वर्ष 2017 में घसपैठ के 419 प्रयास किए गए, जिनमें से 136 सफल रहे। 2016 में ऐसी 371 कोशिशें की गईं, जिनमें से 119 सफल रहीं। वहीं

रिपोर्ट में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर में बीते 2015 में 121 बार घुसपैठ का प्रयास किया साल 257 आतंकवादी मारे गए और 91 गया, जिनमें से 33 में उन्हें सफलता मिली।

ग्रेनेड हमले में 6 जवान घायल

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के करन नगर इलाके में शनिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक दल पर आतंकवादियों के ग्रेनेड हमले में बाकी पेज 8 पर

2014 में 222 बार घुसपैठ की कोशिश हुई और 65 कोशिशें सफल रहीं। रिपोर्ट के

कश्मीर जाने की इजाजत मांगी अमेरिकी सांसदों ने

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

अमेरिका के छह सांसदों ने वाशिंगटन स्थित भारतीय राजदूत हर्षवर्धन शृंगला को पत्र लिखकर मांग की है कि उन्हें और विदेशी पत्रकारों को कश्मीर जाने की अनुमति दी जाए। अमेरिकी सांसदों ने अपने पत्र में दावा किया है कि कश्मीर घाटी बाकी पेज 8 पर

अनुसार, 2018 में जम्मू-कश्मीर में हुई 614 आतंकी घटनाओं बाकी पेज 8 पर

राजनीतिक मजबूरियों के कारण बनाए जाते रहे हैं उपमुख्यमंत्री

किस्सा कुर्सी का

पहले मुख्यमंत्री और फिर उपमुख्यमंत्री बनने की भी मिसाल

हरियाणा में अब तक पांच उपमुख्यमंत्री, दुष्यंत होंगे छठे

संजीव शर्मा चंडीगढ, २६ अक्तूबर।

हरियाणा में अब तक पांच उपमुख्यमंत्री (डिप्टी सीएम) रहे हैं। जननायक जनता पार्टी के संयोजक दुष्यंत चौटाला राज्य के छठे उपमुख्यमंत्री होंगे। राज्य में चांदराम पहले उपमुख्यमंत्री बने। डिप्टी सीएम कई बार राजनीतिक उलटफेर के कारण बनाए गए हैं। राज्य में अब तक चांदराम, डा. मंगलसेन, बनारसी दास गुप्ता, मा. हुकम सिंह और चंद्रमोहन बिश्नोई डिप्टी सीएम रह चुके हैं।

सरकार गिराई, फिर बने उपमुख्यमंत्री : हरियाणा गठन के पांच माह बाद ही राज्य में पहला डिप्टी सीएम बन गया था। वे चांदराम थे,जिन्होंने पहले सरकार गिराई और फिर दूसरी सरकार में डिप्टी सीएम की कुर्सी पाई। 1966 में संयुक्त पंजाब

राज्य में अब तक चांदराम, डा. मंगलसेन, बनारसी दास गुप्ता, मा. हुकम सिंह और चंद्रमोहन बिश्नोई डिप्टी सीएम रह चुके हैं।

हरियाणा गढन के पांच माह बाद ही पहला डिप्टी सीएम बना। वे चांदराम थे,जिन्होंने पहले सरकार गिराई और फिर दूसरी सरकार में डिप्टी सीएम की कुर्सी पाई।



दुष्यंत चौटाला

टूटी राम-लक्ष्मण की जोड़ी

कैबिनेट मंत्री बनने का ख्वाब देख रहे चांदराम का नाम जब मंत्रिमंडल की सूची में नहीं आया तो वे नाराज हो गए। उसी वक्त चांदराम मुख्यमंत्री भगवत दयाल शर्मा के पास गए और बोले, 'यूं तो राम-लक्ष्मण की जोड़ी टूट जाएगी।'

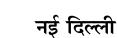
हो गए। उसी वक्त चांदराम मुख्यमंत्री शर्मा के पास गए और बोले, 'यूं तो राम-लक्ष्मण की जोड़ी टूट जाएगी।' 12 दिन बाद जब स्पीकर के चुनाव का वक्त आया तो 17 कांग्रेसियों ने बगावत कर दी और कांग्रेस अपना स्पीकर नहीं चुन पाई। इस पर शर्मा को इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद हरियाणा विशाल पार्टी के राव बीरेंद्र सिंह (केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत के पिता) ने कांग्रेस के 17 विधायकों के सहयोग से सरकार बनाई और चांदराम प्रदेश के पहले डिप्टी सीएम बने।

मंगल सेन बने उपमुख्यमंत्री : देश में आपातकाल लगने के बाद कई पार्टियां कांग्रेस के खिलाफ एकजुट हुई। भारतीय जनसंघ,भारतीय क्रांति दल,कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी और कांग्रेस-ओ को मिलाकर जनता पार्टी का गठन हुआ। चुनाव से पहले ही भारतीय बाकी पेज 8 पर



से अलग हुए हरियाणा के हिस्से के विधायक ज्यादा कांग्रेस के के भतीजे श्रीचंद और चांदराम भी कांग्रेस में थे। थे, इसलिए कांग्रेसी नेता पंडित भगवत दयाल शर्मा को प्रदेश

कैबिनेट मंत्री बनने का ख्वाब देख रहे चांदराम का का पहला मुख्यमंत्री बना दिया। उस समय देवीलाल, छोटूराम नाम जब मंत्रिमंडल की सूची में नहीं आया तो वे नाराज



जनसत्ता

I,No.15358156N,Hony Nb Sub Subhash was served in Army from,13-Feb-1987 to 28-Feb-2013.In my service documents my wife name wrongly recorded as SUDESH(DOB-10-Feb1973). Actually as per all civil documents viz school certificate, aadhar card and pan card her correct name is SUDESH KUMARI (DOB.10.July-1973).Request may please be amended her correct name and DOB in my service docu-0040517484-3

Balram S/o Sh.Kishan Prasad

| Jagsoran Kumar S/o Late Sh.Bhopal Singh R/o House No.144, Gali No.04, Durgapuri Extension, Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Udham Singh for all 0040517632-2 purposes.

Murari Lal R/o-H.No.14 Ashok Mohalla-Nangloi Delhi-110041. have changed my name to Pradeep Jindal 0040517658-9

R/O H.No.5b/83, Nit, Faridabad, Haryana-121001, Have Changed My Name To Rajkumar Talwar For All 0040517658-5 Purposes.

| Snigdha Tripathi D/o Shri Ram Niwas Tripathi W/o Shri Ajay Jindal R/o 43-B, FP-Block, Pitam Pura, Delhi-110034 have changed my name after marriage to Snigdha Jindal for all 0040517632-1

Deepak Kumar Bhatt R/o-H.no.D-4/14, Dayalpur Delhi-94,have changed my name, from Susheela to Susheela Devi Bhatt afterperson for all future

l hitherto known as BHAG-WANDEI D/o LATE SH. MAN SINGH, W/o SH. YOGAMBER Type-III, Tower No-16, Kidwai Nagar East, New Delhi-110023 have changed my name and shall hereafter be known as

Gauba and Asha Rani Guaba and Asha Rani Gaba is one

0040517639-1 Paschim-Vihar, New Delhi-110087, Changed my name to Bhavesh Rana. 0040517658-10

Mohammed Yahya Siddiqui, R/o-C-1,30/31, Krishna-appt., Block-C, Uttam-Nagar, Delhi-110059, changed my daughter name, from Maira Danish to Ayesha Danish, for all purposes.

purposes vide affidavit dated 25.10.2019. 0040517636-1

, Hena Fatma W/o Nazim Hussain R/o J-3/123 J-Nagar Delhi-110092 have changed my name to Hena

Rehman R/o 462, Matia Mahal Jama Masjid Delhi-110006 have changed my name from Honey Yasir to Honey for all

, VIRENDER SINGH MANN, Father of ARYAN MANN, R/o H.No.1433, Housing Board Colony, Sector-31, Gurgaon, Haryana, have changed my son's name from ARYAN MANN to ARYAN SINGH

MANN. 0040517635-1 , Shrif Ali S/O Sakir Ali R/O K-2-85-82/2, Harijan Basti, Sangam-Vihar, New Delhi-110062, Changed My Name To

Mohammad Sharif.

I, Manvi D/o Mukesh Kumar R/o B-6/52, Sector-18, Rohini, Delhi-110089, have changed

my name to Manvi Chaudhary. I**,** Manoj Kumar S/o Arjun Dev

R/o-244, sector-14, sonipat changed my minor son name Rehaan Arora to Siddharth Arora, for all purposes.

0040517655-4 I, Neeru W/o Manoj Kumar R/o-244, sector-14, sonipat have changed my name Neeru

Arora for all purposes.

व्यक्तिगत

I, Ravinder Aggarwal S/O Muket Lal Gupta R/O Bfh-2,I-Floor, ShalimarBagh West, Delhi-110088. Changed My Name to Ravinder Kumar 0040517658-4 Aggarwal.

विकलों **(1) किरण कुमार मेहता** सुपुत्र स्व. श्री

पुरेन्द्र कुमार मेहता, व (2) श्रीमती ज्योति मेहता

क्ली औ किरण कुमार मेहता, निवासीगण

एच−37, कुंबर सिंह नगर, गली न0.4, नागलोई.

दिल्ली—41. ने अपने पुत्र **मरत मेहता** व इसकी

पत्नी **श्रीमती तरनी** से इनके गलत कुरयाँ / दुख्यवहार के कारण अपने सभी सम्बंध

वेकोद कर लिये है तथा इनको अपनी शमस्त

चल-अवल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। मविष्य में ददि कोई व्यक्ति इनसे कोई भी सम्बंध

बनाता है या कोई लेन–देन करता है इन पर कोई

क्रिस केस / कोर्ट केस होता है तो मेरे मृव्यकिली

एस.डी.एम. ऑफिस, नांगलोई दिल्ली-110041

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुविक्कलान श्री ऋषिपाल सिंह पुत्र स्व. खचेडू

सिंह एवं श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री ऋषिपाल

सिंह, निवासीगण RZ-56A, प्रथम-तल, गली नं.

2A, दुर्गापार्क, नई दिल्ली-110045 ने अपने पुत्र

दीपक सिरोही व उसकी पत्नी राधा सिरोही को

इनकी बेटी महक सहित इनके दुर्व्यवहार/दुराचरण/

नियंत्रण से बाहर होने के कारण सभी संबंध विच्छेद

करते हुए अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से

बेदखल कर दिया है। भविष्य में यदि कोई इनसे

कोई लेन-देन/व्यवहार करेगा तो इसके लिये वह

स्वयं जिम्मेदार होना, इसमें मेरे मुवक्किलान व

PUBLIC NOTICE

My client Ms. Razia Khatoon W/o Sh

Mohd. Siraz, R/o H.No.382, Phase-IV,

Sector-26, Rohini, Delhi has disowned

debarred her son Mr. Sarfraj, S/o Md.

Siraz & her daughter in law namely

Nafisa Khatoon W/o Sarfraj from all he

moveable & immoveable properties &

has severed all her relations with them

due to their misconduct and hereafter. I

anybody deal with them in respect of he

noveable & immoveable properties, the

same would be at their own risk & my

dients have no concern with the same

Amrit Singh Thapa (Advocate) CH.No.

K-96, K.L.S. Blk, Tishazari Courts, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public at larg

that I Sankar Kanti, Age about 54 years, S/

Late Shri Bhuneshwar Kanti, R/o A-97,

Block, J.J. Colony, Shiv Vihar, D.K. Moha

Garden, Uttam Nagar, West Delhi-110059

That I am disowning my son whose name

Manoj Kumar and is D.O.B is 01.01.2002 and

whose UIDAI No. is 805072771083. The

from today onwards 24.10.2019. I am no having any moral relationship with him and h

will not have any kind of right and title on my

property (Movable/ Immovable) acquire I

PUBLIC NOTICE

public on behalf of my client Nakul Garg

SVN Group DP-1, Pitampura, New Delhi-

& Second Floor of M-72, Greater Kailash-I.

New Delhi-110048 and the salon operated

there from ("Said Property") is not

associated/linked with Mr. Aalim Hakim,

his brand or the company named HA

Franchise Hair Lounge Private Limited

having its registered office at Krishna

House, Ground Floor, 27, Gold Link Road,

Bandra (W), Mumbai ("Company") in any

manner whatsoever, with effect from

Sanjay Padam Jain (Advocate)

Ch. No. 463 A & B, Western Wings Tis Hazari, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

My clients Sh. Parshuram Sharma S/o S

Budh Singh and Smt. Madhulata Sharma W/o

Sh. Parshuram Sharma R/o 9-A, Pocket E

Mayur Vihar Phase-II, Delhi-110091, ha

severed all . their relations from their so

amely Gaurav Sharma and his wife Shikh

Sharma due to their inimical behaviou

nisconduct, illegal acts, and disrespect

behaviour and they shall not be entitled fo

manner and if anybody deals with them sha

esponsible for any act, deeds and thing

PUBLIC NOTICE

Be it known to general public that m clientess Smt. Sunita Sharma Age 51 Yrs

W/o Late Shri Sita Ram Sharma R/o. AG-433 Ground Floor Shalimar Bagh New Delhi-

110088, do hereby disown/ debar her so Shri. Pulkit Sharma and his Wife Mrs Ann

Mary Both R/o AG-504 Shalimar Bag, Ne

Delhi-110088 and Grand Son Master Key

properties and severe all relations with the

Any body dealing with them shall be going

at his own cost and risks and my clienter

they will be doing at their own cost and risks

PUBLIC NOTICE

General public is hereby

informed that We Sh. Harvinder

Kumar Bhasin, and Shrimat Nisha Bhasin R/o. D-149,

Mansarover Garden, New Delhi

-110015 do hereby disown and

severe all our ties from our son

Sh. Karthik Bhasin from all our

movable and immovable

properties. We shall not be held

TUSHAR THAREJA-ADVOCATE

PUBLIC NOTICE

It is to inform that my client

Sh. Nitin Thukral, S/o Late

Sh. Ramesh Thukral, R/o A-

4/412, Paschim vihar, New

Delhi-110063, do hereby

declare that a suit for

possession titled as

RAMESH THUKRAL VS

MUKESH SHARMA.

Bearing Civil Suit No.

94514/2016 was decided by

SH. Anshul Mehta, Civil

Judge, Tis Hazari Courts,

Delhi vide Final Judgement

dated 01/10/2019 in the

favour of plantiff and against

Sh. Mukesh Sharma. Sh.

LR's of the deceased plaintiff Sh. Ramesh Thukral

Therefore, Sh. Mukesh

Sharma is left with no right

title or interest in the property

bearing address Shop No.105, Deshbandhu

Gupta Market, Ajmal Khan

Road, Karol Bagh, New

Delhi-110005. If any person

enters into any agreement with Sh. Mukesh Sharma for

the said property than such

agreement shall be null and

void in itself and such person

shall be solely responsible for any kind of loss and

UJJWAL JAIN (Advocate)

Ch. No. 575, W. Wing, Tis Hazari Courts, Delhi

any manner whatsoever.

"IMPORTANT"

damage caused.

For and behalf of

NEW DELHI -110060

Harvinder Kumar Bhasin

nd Shrimati Nisha Bhasin

30/44, OLD RAJINDER NAGAR

responsible for his actions.

Jitendra Panchar

(Advocate

Tis Hazari Courts, Delhi-5

Prashant Rathor (Advocate

karkardooma Village, Delhi-92

Plot No. 22, Street No. 18

do so at their own risk, cost a onsequences and my .clients shall not b

any share whatsoever in any movable

October 22, 2019.

SUPRABH KUMAR ROSHAN

Patiala House Court, New Dell

Advocat

Chamber No. 351,

me in my life time or after my death.

कमल सिंह (अधिवक्ता

तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-54

चै. नं. के-79.

परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

औ0 पी0 शर्मा (अधिवक्ता)

ही कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

I, Rajesh Kumar Sah, S/o Sitaram Sah R/o F-8 B, First Floor, Gali no-3, Pandav Nagar, New Delhi-110091, have changed my name to Rehan Ansari. I have embraced Islam and renounced Hinduism with effect from 14-Oct-2019.

0070680693-1 I, Rajendra Singh S/O Raghubir Singh R/O B-7/108, JJ.Colony, Bhalswa Dairy, Libaspur, Delhi-110042. Changed My Name To Rajinder Kumar. 0040517658-8

I, Nitesh Kumar S/o Roop Kumar R/o-RZ-F-I/336-337, Sampark Apartment, Mahavir Enclave, N.Delhi-110045 have changed my name to Nitesh 0040517672-1

I, Niraj Kumar S/o Raj Kumar R/o 385, Mandir Wali Gali Baba Haridas Colony, Tikri Border, West Delhi-110041 have changed my name to Neeraj Kumar for all future 0040517637-1 purposes.

I, Navleen Kaur W/o Jivtesh Singh R/o-J-44(FF), Rajouri-Garden, New Delhi.have changed the name of my minor daughter Tranum to Tranum Kaur born on-01/09/2003. 0040517672-3

I, Naresh Kumar S/o, Shyam Sunder R/o-H.No.RZ-11-B, 1st-Floor, Block-A, Dabri-Extn., Palam Village, Dwarka, Delhi-110045, have changed my name to Naresh Kumar Sharma. 0040517672-2

I, Mohammed Nadeem S/O Abdul Naeem Alias Jumman Khan R/O-E-42/8, Galino.11, Subhash Vihar, North Ghonda, Delhi-110053. Changed my Name to 0040517658-2 Nadeem.

I, Madan Saini, S/o Gopichand R/o-B-52, Naharpur, Sector-7, Rohini, Delhi-110085.have changed my minor son's name, from Himank Saini to Priyansh Saini. 0040517655-2

I, Jyoti D/O Saket Bihari R/O 131-B,Aq 1-Block, Vikaspuri, Delhi-110018. Have Changed My Name To Jyoti Kumari 0040517658-3

I, Jyoti Batra R/o 115, Upper Ground Floor, Pratap Nagar, Hari Nagar, New Delhi- 110064 have changed my name to Jyoti Kapoor. 0070680696-1

I, Neeru W/o Manoj Kumar R/o-244, sector-14, sonipat have changed my name Neeru Arora for all purposes.

0040517655-3

खोया+पाया

Lost 2 Sale Deed in favour of Gopal Bansal & Pushpa Gupta against our Property No.89-90, Block-A, Pocket-3, Sector-28, Rohini, Delhi-85. Finder may Contact-Gopal Bansal at above noted address.

0040517640-1

LOST & FOUND

Late Sh. Gurdial Singh R/oD-5/110, Aloha Apartments, Sector-57, Sushant lok extn-3, Gurgaon 122003 is joint holder with Mr. Harjot singh, was having shares of RELIANCE INDUSTRIES LIMITED

Name: Mrs. GULSHAN RAJ KAUR

Foliono. 50172121, Certificate nos. 10629591, 53276898-899 Distinctive Nos: 190004226-4265 (40 shares), 12472800435 0474 (40 shares). Above mentioned physical shares have been lost in transit. FIR No.0061/2019 Dated 10/06/2019

LOST & FOUND

Gurdial R/o D-5/1101, Aloha Apartments, Sector-57, sushant lok extn-3, Gurgaon - 122003 was having shares of RELIANCE INDUSTRIES LIMITED in joint name with my father but he has expired late back on Folio no. 50172104, Certificate nos 10629589 53276894-895 Distinctive Nos: 190004146 - 4185

(40 Shares), 1247280355 0394 (40 Shares) Folio No. 50172112, certificate nos 10629590, 53276896-897 58326413, Distinctive nos 190004186-4225 (40shares) 1247280395-0434 (40shares) 1619313162-179 (18 shares)

Above mentioned physical shares have been lost in transit. FIR No.

PUBLIC NOTICE e it known to the general public that m lients Shri Sushil Kumar, S/o Sh Jagdish Prasad AND Mrs. Vimla Devi, W/o Shri Sushil Kumar both residents of -95, West Vinod Nagar, Delhi - 110092 have severed all their relations with their daughter Ms. Anjali Goyal, D/o Shri Vinod Nagar, Delhi- 110092, for al intents and purposes from the date of publication. My aforesaid clients also debar their above named daughter from all movable and immovable properties as she is out of control of my clients and her oehaviour and attitude towards my clients is very much rude, indifferent an curel. As such, my clients are not nteresed to have any relations with their above daughter. Whoever deals with he shall be doing so at his/her/ their own

risk, costs and consequences and my aforesaid clients shall not be responsible Sd/- RAJESH MISHRA (Advocate) F-7, LGF, Jangpura Extension, New Delhi-14

PUBLIC NOTICE

Whilst care is taken prior to "It is to inform to the public at large that Mrs. Shakuntla Rani along with Mrs. Shakuntla Rani kartar Singh after that Mrs. Shakuntla Rani transferred her share vide regd. Will dated 24.5.1984 further Mrs. Shakuntla Rani had solid 100 sq. yds. by virtue of GPA dated 23.10.1988 to Mr. Vinay Kumar and Mrs. Shakuntla Rani is the undisputed owner of above said property till date. OR Any person / firm / institution / company having any daim or right in respect of the said Property by way of inhesritance, share, sale, acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals way of inhesritance, share, sale agreement, lease, license, gift advertising in its newspapers session, legal heirs, partners or or Publications. We therefore possession, legal ners, peritiers or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to infimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/hentheir share or daim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not hinding on recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise also treated as waived and not binding on acting on an advertisement in Ajay Kumar Giri - Advocate H.No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi 110024

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद कश्मीर विकास की राह पर: शाह

अमदाबाद, २६ अक्तूबर (भाषा)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को फिर कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से 'कश्मीर में एक भी गोली नहीं चलाई गई और न ही किसी की मौत

होने की कोई सूचना है।' जम्मू कश्मीर पुनर्गठन कानून, 2019 के प्रभावी होने में अब एक सप्ताह से भी कम समय रह गया है। शाह ने यहां एक सभा को संबोधित करते

हए कहा कि इस कदम के कारण आतंकवादियों को अपने अंतिम दिनों की गिनती शुरू करनी पड़ी। उन्होंने कहा, 'मैं

आपको आश्वासन देना चाहुंगा कि (अनुच्छेद) 370 और 35 (ए) के हटाने से कश्मीर के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। और इसके साथ ही कश्मीर में आतंकवादियों ने अपने अंतिम दिन गिनने शुरू कर दिए हैं।' शाह ने कहा, 'कांग्रेस नेताओं ने संसद में कहा था कि खून-खराबा होगा। मैं उन्हें बताना चाहूंगा, ऐसा कुछ नहीं हुआ है। न तो कोई गोली चलाई गयी और न ही किसी मौत की सूचना है।

कश्मीर शांति से विकास के रास्ते पर है।' उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 और 35 (ए) हटाने से कश्मीर का हमेशा के लिए भारत के साथ विलय में मदद मिली और यह कदम भारत के पहले गृह मंत्री दिवंगत सरदार पटेल के सपने को

कि सरदार पटेल ने देसी रियासतों को भारत में विलय किया, लेकिन कश्मीर छूट गया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल में उस सपने को पूरा करने के लिए इन अनुच्छेदों को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा, 'पांच और छह अगस्त को, नरेंद्र भाई ने अनुच्छेद 370 और 35 ए को हटा दिया और कश्मीर को

पूरा करने का एक तरीका है। शाह ने कहा

हमेशा के लिए भारत में विलय कर दिया।' शाह ने दावा किया कि गुजरात के केवडिया में 182 मीटर ऊंची 'स्टैच्य ऑफ युनिटी' प्रतिमा भारत के 'लौह पुरुष के 70 वर्षों के अपमान' को दुरुस्त करने का एक तरीका है। उन्होंने कहा, 'जब कोई व्यक्ति केवडिया में सरदार की प्रतिमा को देखता है तो उसे पता चलता है कि 70 साल से पटेल साहब को मिले अपमान को किस तरह ब्याज के साथ वापस किया गया।

अरुणाचल के नामसाई जिले में आगजनी के बाद हिंसा, निषेधाज्ञा लागू

ईटानगर, 26 अक्तूबर (भाषा) ।

अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले में शरारती तत्वों द्वारा मबीरा क्षेत्र में नए बसे आदिवासी समुदाय के 14 घरों को आग के हवाले किए जाने के बाद निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 12-15 अक्तूबर के बीच तेंगपानी वन रिजर्व के अंतर्गत खाई-हे नल्ला के पास आगजनी की यह घटना हुई जिसके बाद प्रशासन ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को जेंगथू पुल के पास रैली का आयोजन कर विरोध कर रहे अदि छात्र संघ (अदिस्) के प्रदर्शनकारियों की अर्धसैनिक बलों के साथ हुई झड़प के कारण स्थिति बेकाब हो गई। उन्होंने बताया कि इस हिंसक झड़प में पुलिस अधीक्षक अंकित कुमार सिंह और उपाधीक्षक सेप्राज परमे और थूतान जाम्बा को छोटी-मोटी चोटें आईं। अदिसु ने नामसाई के उपायुक्त के सामने अखिल ताई खाम्पती सिंघपो छात्र संघ (एटीकेएसएसयू) पर आगजनी करने का आरोप लगाया और तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। एटीकेएसएसयू ने घटना में संलिप्तता से इंकार किया है। राज्य के उप मुख्यमंत्री चौना मैन और गृहमंत्री बामांग फिलिक्स ने शुक्रवार रात को अधिकारियों के साथ आपातकालीन बैठक में नामसाई में प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय लिया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

प्रधानमंत्री मोदी ने फारुक अब्दुल्ला को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

श्रीनगर, 26 अक्तूबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला को उनके 82वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। नेकां सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अब्दुल्ला अभी जन सुरक्षा

कानुन के तहत नजरबंद हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि अब्दुल्ला 21 अक्तूबर को 82 साल के हो गए और इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने उन्हें पत्र लिखकर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने अब्दुल्ला को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। अब्दुल्ला श्रीनगर से सांसद हैं। अब्दुल्ला को यह पत्र यहां गुपकर स्थित उनके निवास पर भेजा गया।



त्योहार

पश्चिम बंगाल के रायगंज जिले में शनिवार की दिवाली की पूर्व संध्या पर आतिशबाजी करते लोग।

हल्के रेल डिब्बे बना कर ट्रेनों की गति बढ़ाने की तकनीक विकसित करने का दावा

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

निजी क्षेत्र की कंपनी एक्मे इंडिया ने रेलगाड़ियों को तेज गति से चलाने और उनकी कार्यकुशलता बढ़ाने में सहायक हल्के और आधुनिक रेल डिब्बे बनाने की तकनीक विकसित करने का दावा किया है।

एक्मे इंडिया के निदेशक सूरज पांडे ने एक बातचीत में कहा कि हमने रेलगाड़ियों में उपयोग के लिए ऐसा 'वॉल पैनल' बनाया है। जिससे डिब्बों का वजन करीब 600 किलो तक कम हो जाएगा। डिब्बा हल्का होने से रेलवे लक्ष्य के अनुसार रेलगाडियों को 160 से 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चला सकेगी। साथ ही कम ईंधन खपत के साथ कार्यकुशलता भी बढ़ेगी। कंपनी ने रेलगाड़ियों को आग की समस्या से छुटकारा दिलाने के

लिए अग्नि प्रतिरोधक तकनीक के साथ बेहतर की 500 से अधिक कंपनियां शामिल हुईं। साफ-सफाई के लिए 'मोड्यूलर' शौचालय भी बनाया है। ये शौचालय पानी रुकने और गंदगी की समस्या से निजात दिलाएंगे।

पांडे के अनुसार एक रेल डिब्बे का वजन करीब 4 टन (4000 किलो) होता है। कंपनी के 'वाल पैनल' के उपयोग से इसमें 600 किलो तक की कमी आ सकती है। कंपनी डिब्बों के फ्लोर और छतों को भी हल्का बनाकर वजन में 2,000 किलो तक की कमी लाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। एक्मे इंडिया के हरियाणा के सोनीपत में तीन कारखाने हैं। कंपनी ने हाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय रेल उपकरण प्रदर्शनी (22-24 अक्तूबर) में अपनी नई तकनीक से तैयार उत्पादों को पेश किया। उद्योग मंडल सीआइआइ द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में एक्मे इंडिया समेत देश-विदेश

अन्य उत्पादों के बारे में पांडे ने बताया कि

हमने रेलगाड़ियों के लिए 'मोड्यूलर' शौचालय भी बनाया है जो पानी रुकने और गंदगी की समस्या से निजात दिलाएगा। इसके अलावा हमने हमने रेलवे में आग लगने की समस्या से छटकारे के लिए 'फायर रेजिस्टेंस कोटिंग' बनाई है जो 1700 डिग्री तापमान में भी किसी प्रकार का नुकसान नहीं होने देगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के दौरान रेल राज्यमंत्री सुरेश अंगड़ी ने हमारे उत्पादों की सराहना की और अधिकारियों से इन तकनीकों को रेलवे में उपयोग करने को कहा।

उन्होंने कहा कि एक्मे इंडिया द्वारा निर्मित मॉड्यूलर टॉयलेट की लागत करीब 4.5 लाख रुपए है जबिक अभी उपयोग में लाए जा रहे शौचालय की लागत 6 लाख रुपए बैठती है।

नर्मदा बचाओ आंदोलन के नेता बेमियादी जल सत्याग्रह पर बैठे

खंडवा (मप्र), 26 अक्तूबर (भाषा)।

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित ओंकारेश्वर बांध के लगभग 2000 डूब प्रभावितों के पुनर्वास की मांग को लेकर नर्मदा बचाओ आंदोलन के नेता आलोक अग्रवाल सिहत नौ लोगों ने शुक्रवार से जल सत्याग्रह शुरु कर दिया है।

जिला मुख्यालय खंडवा से लगभग 60 किलोमीटर दूर ओंकारेश्वर बांध के डूब क्षेत्र के गांव कामनखेड़ा में नर्मदा जल में जल सत्याग्रह करते हुए आलोक अग्रवाल ने शनिवार को फोन पर बातचीत में कहा कि बांध में बढ़ाया गया जल स्तर वापस 193 मीटर पर लाया जाए और बचे हुए लगभग 2000 परिवारीं का पूर्ण पुनर्वास होने के बाद ही बांध

में पानी भरने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने बांध प्रभावितों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा पुनर्वास का काम पूरा किए बिना बांध में पानी भरा जा रहा है, जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंन है। बांध में पानी भरने से लोगों के घर और खेत डूब रहे हैं। अग्रवाल ने कहा कि ओंकारेश्वर बांध प्रभावित इस अन्याय हो सहने के लिए लोग तैयार नहीं है इसलिए शुक्रवार से बेमियादी जल सत्याग्रह शुरू किया गया। उन्होंने कहा- प्रभावितों की मांग है कि बांध का जल स्तर वापस 193 मीटर पर लाया जाए और जब तक डूब प्रभावितों को सभी अधिकार प्राप्त नहीं हो जाते, तब तक बांध में आगे पानी नहीं भरा जाए।

C lassifieds

LAW AMBITION **LAW INSTITUTE** RAJASTHAN JUDICIARY

MOCK INTERVIEW 2019...

SCARED OF FACING THE REAL INTERVIEW???? COME HAVE THE MOCK INTERVIEW REGISTER AS SOON AS POSSIBLE

Call/Msg- 8800660301 Email- ambitionlaw1@gmail.com

New batch for IAS law optional Hurry up limited seats 8800662140 10th NOV.



Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

देश में 2017 में रोजाना बच्चों के साथ हुए 350 अपराध: क्राई

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

चाइल्ड राइट्स एंड यू (क्राई) का कहना है कि 2017 में देश में रोजाना बच्चों के खिलाफ 350 अपराध हो रहे थे। बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा अपराध उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में हए हैं।

क्राई ने बताया कि हाल में प्रकाशित राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्युरो के आंकडों के अनुसार 2016-2017 में बच्चों के खिलाफ अपराध में 20 फीसद की वृद्धि हुई, जबिक देश भर में अपराध में 3.6 फीसद की वृद्धि हुई है। इसमें कहा गया

है- अगर अपराध में पिछले एक दशक में हुई वृद्धि के हिसाब से देखें तो बच्चों के खिलाफ अपराध 1.8 फीसद से बढ़कर 28.9 फीसद हो गया है।

भारत में होने वाले अपराध के संबंध में ब्यूरो के आंकड़े हर दो साल में प्रकाशित होते हैं। उसके अनुसार 2016 में बच्चों के खिलाफ देश भर में 1,06,958 अपराध हुए थे जो 2017 में बढ़कर 1,29,032 हो गए। बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा अपराध उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में हुए हैं। यहां बच्चों के साथ 19,000 से भी ज्यादा अपराध हुए हैं।

तमिलनाडु में बोरवेल में गिरा बच्चा

तिरुचिरापल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित नादुकट्रूपट्टी स्थित बोरवेल में गिरे साढे तीन साल के बच्चे को बचाने का अभियान शनिवार को भी जारी रहा। हालांकि, प्रशासन के अभियान को उस समय झटका लगा जब बच्चा और गहराई में फिसल गया। अधिकारियों ने बताया कि घर के पास खेलते हुए बच्चा

शुक्रवार शाम को बोरवेल में गिर गया था। शुरुआत में वह 35 फुट की गहराई था लेकिन बचाव अभियान शुरू होने के बाद बच्चा फिसल कर 70 फुट की गहराई में चला गया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम साढे पांच बजे से लगातार बच्चे को ऑक्सीजन की सप्लाई की जा रही है। बचाव अभियान में छह टीमों को लगाया गया है।

उन्होंने कहा, 'हमने लंबे समय तक बच्चे के रोने की आवाज सुनी लेकिन अब वह सुनाई नहीं दे रही है। हमारा मानना है कि बच्चा सुरक्षित है और सांस ले रहा है।' प्रशासन ने कहा कि वे बच्चे की हालत का आकलन नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि उसके चारों ओर गिली मिट्टी की परत जमी हुई है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की विशेषज्ञ टीम बचाव कार्य में लगी हुई है।

घटनास्थल पर शुक्रवार रात से जमे राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री सी विजयशंकर ने बताया कि बच्चों को बचाने के लिए सभी कोशिशें की जा रही हैं और अभियान में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

epaper.jansatta.com

क्लासीफाइड व्यक्तिगत

, Zafar Aqueel S/O S.A.Khan, R/O H.No.D-258/1, Fifth-Floor, Abulfazal-Enclave-I, Okhla, Jamia-Nagar, N.Delhi-110025, Have Changed The Name Of My Minor Daughter Anam Zafar Aged 16-Years To Fatima Anam Zafar, For All Purposes. 0040517658-6

R/o 19A, Aggarwal Colony, Najafgarh, Delhi-110043 have changed my name to Balram Singh for all purposes. 0040517632-3

Pradeep Kumar Aggarwal S/o

l Rajkumar S/O Ishwar Dass

purposes. | Susheela Devi Bhatt w/o

marriage, both are the same purposes. SINGH NAYAL residing at B-6,

BHAGWATI NAYAL. l, Asha Rani Gauba W∕o Sh. Anil Kumar R/o Flat No.3163, Sector-A, Pocket B & C, Vasant Kunj, New Delhi-110070, have changed my name to Asha Rani Gaba for all purposes. Asha Rani

and same person. Bhavesh S/o Khushal Singh R/o-53 Venus-Apartment, Inder-Enclave Rohtak Road

, Danish Bin Yahya S/o

, Devendra Arya S/o. Sh. Kheem Ram Arya, R/o. SF-2/75A, Sector-2, Vaishali, Ghaziabad, U.P.-201010 have changed my name from Devendra Ram Arya to Devendra Arya for all future

Extension Kishan Kunj Laxmi 0040517631-1 , Honey Yasir S/o Syed Hifzur

purposes. 0040516942-1

0040517658-7 0040517658-1

0040517655-3

जनसत्ता, नई दिल्ली, 27 अक्तूबर, 2019 3

इस दीपावली सजावटी सामान बनाए गए पर्यावरण अनुकूल

कागज और गत्ते के सामान से सजे घर

निर्भय कुमार पाडेय नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

दिल्ली के सभी बड़े और स्थानीय बाजारों में दीपावली को लेकर रौनक दिखी। जगह-जगह खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ देखने को मिली। दुकानदारों का कहना है कि पिछले कुछ सालों से चाइना से आने वाले सजावट के सामान के खिलाफ समाजिक संगठन बहिष्कार करने की अपील कर रहे थे। इसका सीधा असर अब बाजार में देखने को मिल रहा है। जो सजावट के सामान प्लास्टिक के बने होते हैं, उनकी जगह कपड़े के बने सजावटी सामान और घरेलू उत्पाद ने ले ली है।

न्यू कोंडली मार्केट के दुकानदार विकास कुमार ने बताया कि इस साल सजावट के



सामान में सबसे बड़ा फर्क यह देखने को मिला कि अधिकतर सामान में कपडा या फिर मोटे कागज या गत्ते का इस्तेमाल किया गया है। बाजार में फूल, झालर, रिबन, के अलावा अन्य कई प्रकार के सजावट के

सामान उपलब्ध हैं। यह सामान काफी आकर्षक भी हैं इसलिए ग्राहकों को भी खास पंसद आ रहे हैं। कपड़े से बने होने के कारण यह पर्यावरण के अनुकूल हैं। इसके अलावा इनके निस्तारण में दिक्कत भी नहीं होगी और पर्यावरण प्रदूषण रहित रहेगा।

घरेलू उत्पाद पसंद कर रहे ग्राहक

सत्य निकेतन मार्केट के एक दुकानदार ने बताया कि सामाजिक संगठनों की अपील का खासा असर देखा जा रहा है। ग्राहक चाइनीज उत्पाद पसंद नहीं कर रहे हैं। घरेलू उत्पाद की तरफ ग्राहकों का झुकाव अधिक देखने को मिल रहा है। बाजार में कई डिजाइन और आकार में घरेलू उत्पाद उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि बाजार में 50 से 500 रुपए तक के झालर उपलब्ध हैं।

सेंटर फॉर साइट के निदेशक डॉ महिपाल सचदेव ने पटाखे जलाते समय निम्न सावधानियां बरतने की बात कही।

- पटाखे लाइसेंस धारक दुकानदार से खरीदें • बच्चों को अकेले पटाखे न जलाने दें
- हमेशा खुली जगह में पटाखे जलाएं
- पटाखे जलाते समय आंखों की विशेष सावधानी बरतें
- किसी भी प्रकार से आंख के चोटिल होने पर डॉक्टर को दिखाएं, स्वयं इलाज न करें
- आंख के चोटिल भाग को मसलें नहीं, पानी की हल्की छींटे मारने से राहत मिलेगी
- लापरवाही बरतने से नेत्र ज्योति जा सकती है

कनॉट प्लेस में विशेष दीपावली कार्यक्रम का आयोजन

न्यूनतम- 17.8 डि.से.

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

दीपावली के त्योहार पर आम जनता को पटाखों से दर रखा जा सके। इसके लिए दिल्ली सरकार ने कनॉट प्लेस में विशेष दीपावली कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लेजर शो के माध्यम से आम जनता को जोड़ने की कोशिश की गई। शनिवार देर शाम बड़ी संख्या में लोगों ने इस शो में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली को प्रदूषण मुफ्त और शोर शराबे से बचाने के लिए किया है। इस मौके पर कनॉट प्लेस को लड़ियों की झालर से सजाया था। जिनके बीच तरह-तरह के ले शो कर आम जनता को इस मुहिम से जोड़ने की

पहल की। कार्यक्रम में उपराज्यपाल अनिल

बैजल, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल,

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मुख्य सचिव

विजय देव, प्रधान सचिव मनीष सक्सेना समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए।

कर्नेट प्लेस के गुस्साए व्यापारी

कनॉट प्लेस के व्यापारियों का कहना है कि दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित लेजर शो के लिए कुछ सड़कों और और पार्किंग स्थालों को बंद कर दिया गया था। इस वजह से उनके कारोबार में 70-80 फीसद गिरावट आई है। नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) के अध्यक्ष अतुल भार्गव ने कहा कि दिल्ली सरकार दावा कर रही है कि लेजर शो के कारण व्यापार अधिक होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। गुस्साए व्यापारियों ने कनॉट प्लेस एक वाणिज्यिक केंद्र है, कोई मेला मैदान नहीं, कहकर नारे लगाए और पोस्टर के साथ विरोध भी किया। एनडीटीए ने दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल को भी पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की।

दीपावली पर प्रदूषण कम करने को जुटेंगे आरडब्लूए संगठन

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

दीपावली पर पटाखों के शोर व धुएं से पहले ही प्रदुषण का स्तर 350 के पार दर्ज किया जा रहा है। इस हालात में आम जनता को प्रदूषण से बचाने के लिए इस दीपावली आरडब्लूए संगठन आगे आएं हैं। दीपावली पर गंभीर प्रदूषण से बचाने के लिए आरडब्लूए संगठन ने दिल्ली भर के 2000 आरडब्लूए को एडवाइजरी जारी की है और लोगों से हरित दीपावली मनाने की अपील की है। इसके माध्यम से ऐसे सामूहिक दीपावली कार्यक्रमों से परहेज रखने की सलाह दी है जिसमें आतिशबाजी का प्रयोग होता है।

ऊर्जा के प्रतिनिधि अतुल गोयल ने बताया कि इस पहल के माध्यम से ऊर्जा ने लोगों को प्रदूषण की इस विकट स्थिति में एक साथ मिलकर काम करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि सामूहिक आयोजन न किए जाने के माध्यम से भी गई है। इस साल छठ पूजा के लिए 1108 घाट प्रदूषण के स्तर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस स्थिति से बचाने के लिए केंद्र व का जिम्मा दिल्ली सरकार व स्थानीय निकाय राज्य सरकार पहले ही दिशा निर्देश जारी कर चुकी है। इनके तहत इलाकों में निर्माण गतिविधियों को रोका गया है और पानी का छिड़काव कर कृत्रिम तरीके से प्रदूषण कम करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने बताया कि दीपावली के आयोजन से पहले ही दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदुषण का स्तर काफी अधिक है। सबसे अधिक प्रदृषित क्षेत्रों में नेहरू नगर, अशोक विहार, जहांगीर पुरी, रोहिणी, वजीरपुर, वाबना, मुंडका व आनंद विहार जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अगर दीपावली में पटाखों का प्रदूषण इसमें शामिल होगा तो दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 650 से भी पार पहुंच जाएगा। बीते वर्ष दीपावली पर भी ऐसा ही प्रदुषण स्तर दर्ज किया गया था।

छठ घाटों के लिए तैयारियां शुरू

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

दिल्ली में छठ घाटों के लिए तैयारियां शुरू हो और कृत्रिम घाट तैयार किए जाएंगे। इन तैयारियों संभाल रहे हैं। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने सभी निकायों को पत्र लिखकर घाटों की तैयारियां तेज करने के आदेश दिए हैं।

मनोज तिवारी ने बताया कि दिल्ली के घाटों पर पर्याप्त बंदोबस्त कराने के लिए कहा है ताकि दीपावली के तुरंत बाद शुरू होने वाले छठ पर्व में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में करीब 40 लाख लोग इस पर्व में हिस्सा लेते हैं। इस दौरान यमुना नदी के साथ-साथ खाली जमीन पर ये घाट तैयार किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि दीपावली के बाद वे स्वयं इन घाटों की तैयारियों का जायजा लेंगे। उन्होंने बताया कि जल्द से जल्द इन घाटों को तैयार किया जा जाएगा। इसके लिए सांकेतिक श्रमदान कर और



लोगों को इस अभियान से जोड़ा जाएगा।

उधर दिल्ली सरकार की तीर्थयात्रा समिति के अध्यक्ष कमल बंसल ने बताया कि दिल्ली के सभी प्रमुख घाटों के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। दिल्ली सरकार की तैयारी है कि 30 अक्तूबर तक इन घाटों को तैयार कर दिया जाए। सरकार ने भीड़ प्रबंधन करने के लिए इस क्षेत्र में हर दो किलोमीटर पर ऐसे घाट तैयार करने पर काम शुरू किया है। इससे आम जनता अपने घर के नजदीक ही पूजा अर्चना कर सकेगी। साथ ही इन जगहों पर टैंट, लाइट, पीने का पानी व शौचालय आदि उपलब्ध कराए जाएंगे।

त्योहारों को लेकर पुलिस ने किए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

अमलेश राजू नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

त्योहारी मौसम को लेकर दिल्ली पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। दीपावाली से छठ तक बाजारों में सुरक्षा के लिए कई एहतियाती कदम उठाए गए हैं। भीड़-भाड़ वाले इलाकों में मचान बनाकर निगरानी करने से लेकर सादी वर्दी में जवान तैनात किए गए हैं। पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक ने सारे जिले से लेकर अन्य यूनिटों के आला अधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं कि कहीं भी संदिग्धों की तूरंत धड़पकड़ के साथ पड़ोसी राज्यों की पुलिस बल से समन्वय बनाकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

वीवीआइपी इलाके के साथ हवाई अड्डा की, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और बॉर्डर इलाकों की सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली पुलिस के 25 हजार जवानों के साथ

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के पांच हजार और अन्य अर्ध सैनिक बल के जवानों की तैनाती की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था में गेस्ट हाउसों, होटलों की जांच के साथ किराएदारों का सत्यापन प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने सुरक्षा मीटिंग में प्रहरी गार्ड, आरडब्लुए सहित 350 लोगों को शामिल किया और संदिग्धों की सूचना तुरंत पुलिस को देने का अनुरोध किया। जिला उपायुक्त देवेंद्र आर्य ने एसएचओ, एसीपी को बैठक में बुलाकर त्योहारी मौसम की सरक्षा के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त प्रवक्ता अनिल कुमार मित्तल ने कहा कि दिल्ली पुलिस लोगों की सुरक्षा में किसी भी रूप में कोताही नहीं बरतती है और यही कारण है कि शातिर बदमाशों सहित छोटे-छोटे अपराध करने वाले भी उसकी गिरफ्त में आने से बच नहीं पाते।





तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 नंबर पर कॉल करें

पुलिस को सूचना देने के लिए 1090 पर कॉल करें

जनसत्ता, नई दिल्ली, 27 अक्तूबर, 2019 4

अलग-अलग स्थानों पर चार की हत्या

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

राजधानी में अलग-अलग स्थानों पर चार लोगों की हत्या कर दी गई। स्वरूप नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात दो लोगों की चाकू घोंप कर की गई हत्या। दोहरे हत्याकांड को एक निर्माणाधीन मकान में अंजाम दिया गया। वारदात की जानकारी देर रात 11 बजे पुलिस को मिली थी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने पाया कि सुनील कुमार (25) की मौके पर मौत हो गई है, जबिक घायल रवि (29) को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे हैं। पुलिस की एक टीम बाबू जगजीवन राम अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल पहुंचने पर रवि की भी मौत हो गई है। वहीं, सोनिया विहार थाना क्षेत्र में सोनू (24) की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई, जबिक खजूरी थाना क्षेत्र में अमित (26) की धारदार हथियार से वार कर हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस ने सभी के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है। स्वरूप नगर थाना पुलिस ने दोहरे हत्याकांड में एक आरोपी



जय कुमार (27) को गिरफ्तार कर लिया है, जो निर्माणाधीन मकान में चौकीदारी करता था।

उत्तरी-बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त गौरव शर्मा ने बताया कि स्वरूप नगर थाने में हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और मौके से एक आरोपी जय कुमार (27) को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, दूसरे आरोपी धमेंद्र की तलाश में छापामारी की जा रही है। दोनों आरोपी इस मकान में चौकीदारी करते थे। उपायुक्त ने बताया कि शुक्रवार रात को पुलिस को सूचना मिली थी कि इलाके में एक निजी स्कूल के पास एक

• स्वरूप नगर थाने में निर्माणाधीन मकान में दोहरा हत्याकांड

• खजूरी थाना क्षेत्र में युवक की पीट-पीटकर की गई हत्या

• सोनिया विहार में धारदार हथियार से युवक की हत्या

निर्माणाधीन मकान में दो लोगों को चाकू मार दिया गया है। आगे की छानबीन में पुलिस टीम को पता चला कि रवि के पिता राम सिंह ने मकान बनाने का ठेका लिया हुआ था। रवि उनके साथ ही काम में मदद किया करता था। बीती रात रवि अपने दोस्त सुनील के साथ मकान में गया था। इस दौरान जय कुमार और धमेंद्र खाना बना रहे थे। इसी दौरान सामान की सुची मिलाने को लेकर धमेंद्र से कहासुनी हो गई। मामला बढ़ने पर दोनों ने सुनील और रवि पर चाकू से हमला करना शुरू कर दिया।

सोनिया विहार में प्रेमिका के घर गए एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। उत्तरी-

पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त वेद प्रकाश सूर्या ने बताया कि शुरुआती जांच के बाद प्रेम प्रसंग में हत्या की बात सामने आ रही है। युवती के दोनों आरोपी भाई अभी फरार हैं। सोनू मिश्रा, सोनिया विहार में किराए के मकान में परिवार के साथ रहता था। परिजनों ने बताया कि सोनू की पड़ोस में ही रहने वाली एक तलाकशुदा युवती से दोस्ती थी। शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे सोनू युवती के घर उसकी मां से रिश्ता मांगने गया था। इस दौरान युवती के दोनों भाईयों ने सोनू के सिर पर किसी भारी चीज से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

हमला कर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक का नाम अमित (26) है। वह तुकमीरपुर में अकेला किराए के कमरे में रहता था। उसका इंटरनेट नेटवर्किंग का काम था। सूचना मिलने पर पुलिस दरवाजा तोड़कर कमरे में दाखिल हुई। अमित के सिर पर किसी भारी वस्तु से कई वार किए गए थे, जिससे उसकी मौत हुई थी। पड़ोसियों ने बताया कि अमित के पास रात में रुकने के लिए अक्सर कई लोग आते थे।

मादक पदार्थ के साथ विदेशी तस्कर गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

द्वारका जिला नारकोटिक्स स्क्वायड की टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक अफ्रीकी नागरिक को गिरफ्तार किया है। तस्कर जिबुजोर पीटर ओफोनेडु, नाइजीरिया का नागरिक है और मेडिकल वीजा पर भारत आया था। हालांकि उसका वीजा अवधि नवंबर 2018 में ही समाप्त हो गई थी। वीजा की अवधि खत्म वहीं, खजूरी खास में एक युवक के सिर पर होने के बाद वह मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त हो गया। पुलिस ने बताया कि उसके निशानदेही पर मादक पदार्थ जब्त किया गया है, जिसकी कीमत करीब पांच लाख रुपए आंकी जा रही है।

जिला पुलिस उपायुक्त अंटो अल्फोंस ने बताया कि 23 अक्तूबर की दोपहर एसआइ धर्मेंद्र अन्य पुलिसकर्मियों के साथ नजफगढ़ और उत्तम नगर रोड पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने मेट्रो पिलर नंबर–706 के

तस्कर जिबुजोर पीटर ओफोनेडु, नाइजीरियां का नागरिक है और मेडिकल वीजा पर भारत आया था

पास नाइजीरियन युवक को दो लोगों से विवाद करते हुए देखा। पुलिस को देखते ही नाइजीरियन युवक स्कूटी पर सवार होकर भागने लगा, जबिक अन्य दो भी पैदल ही भागने लगे। संदेह होने पर पुलिसकर्मियों ने नाइजीरियन का पीछा किया। भागने के दौरान उसकी स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने वहां पहुंच उसे दबोच लिया। स्कूटी की तलाशी लेने पर उसमें 30 ग्राम हेरोइन मिली। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सितंबर 2018 में तीन माह के मेडिकल वीजा पर भारत आया था। नवंबर 2018 में वीजा की अवधि समाप्त हो गई है।

'डिजिटल क्रांति ने हिंदी में भी दी सामग्री'

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि सूचना क्रांति के मौजुदा दौर में हिंदी भाषा को लेकर चिंतित होने की जरूरत नही हैं। सूचना तकनीकी में हिंदी में काम करना बहुत समय तक मुश्किल था लेकिन अब स्थिति ने करवट ली है। अब फेसबुक हो या गुगल वह हिंदी में सामग्री उपलब्ध कराने लगे हैं। डिजिटल क्रांति और हिंदी के अंतःसंबंधों की पहचान के लिए खालसा में जटे विशेषज्ञों ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति से हर सेवा एक क्लिक या टच पर उपलब्ध है। इस तकनीकीकरण से हिंदी भी अछ्ती नहीं रही है।

इस पर हुई चर्चा में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान (लखनऊ) श्री गुरू तेग बहादुर खालसा कॉलेज, (दिल्ली विश्वविद्यालय) ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की। इसमें माइक्रोसॉफ्ट के लोकलाइजेशन एंड एक्सेसबिलिटी के निदेशक बालेंद्र दाधीच, तेगबहादुर खालसा कॉलेज के प्राचार्य डा जसविंदर सिंह, प्रोफेसर कुमुद शर्मा, प्रशांत उमराव, प्रो.

हिंदी के अंत:संबंधों की पहचान' संगोर्छी

अरुण भगत, डॉ स्मिता मिश्र, इंग्नु के प्रोफेसर सत्यकाम, थावे विद्यापीठ बिहार के कुलाधिपति प्रोफेसर केएन तिवारी आदि ने विचार रखे।

संगोष्ठी में 'कारपोरेट एवं भाषा के स्तर पर आए बदलावों ' के अलावा इंटरनेट और सोशल मीडिया में हिंदी की स्थिति पर भी चर्चा हई। प्रियदर्शन और सईद अंसारी ने भी अपनी बात रखी। वक्ताओं नें हिंदी एवं भारतीय भाषाओं पर डिजिटल क्रांति के प्रभावों की चर्चा करते हए चुनौतियों पर कहा कि अब भारतीय भाषाओं को केवल पश्चिमी देशों की प्रोद्यौगिकी के उपभोक्ता बनकर ही नहीं रहना है बल्कि अब तकनीक प्रदाता के रूप में भी कार्य करना होगा। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के डीन एवं अध्यक्ष प्रोफेसर अरुण भगत ने सोशल मीडिया की भाषा की ओर ध्यानाकर्षण करते हुए कहा की सोशल मीडिया हमारी ताकत हो सकती है। जिसके लिए हमें इंटरनेट पर हिंदी में शुद्ध जानकारी पहुंचना आवश्यक है।



उत्सव

कच्ची कॉलोनी निवासियों के साथ भाजपा ने धूमधाम से मनाया दीपावली का पर्व।

आरोपियों को पकड़ने आई पुलिस टीम पर हमला

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

उत्तर प्रदेश, बुलंदशहर के शिकारपुर थाने में दर्ज दहेज उत्पीड़न के मामले में आरोपियों को पकड़ने आई पुलिस टीम पर आरोपी और उसके परिवार वालों ने हमला कर दिया। हमले के दौरान जाफराबाद थाने की पुलिस भी मौके पर मौजूद थी। आरोपियों ने छत पर चढ़कर उत्तर प्रदेश के पुलिसकर्मियों पर पथराव किया था। बाद में स्थानीय पुलिस पर भी हमला कर दिया।

इस हमले में जाफराबाद थाने के एएसआइ रविंदर का सिर फूट गया, जबकि उत्तर-प्रदेश पुलिस के एसआइ सुखपाल को भी चोटें पहुंची हैं। दोनों पुलिसकर्मियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथिमक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। जाफराबाद पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर आरोपी हरिदत्त शर्मा और उसके दो बेटों धनेश और भूपेश को गिरफ्तार किया।

जाफराबाद थाना पुलिस ने एएसआइ रविंदर की शिकायत पर सरकारी काम में बाधा और ड्युटी के दौरान जानलेवा करना करने का मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के मृताबिक आरोपी हरिदत्त शर्मा और उसके परिवार के खिलाफ बुलंदशहर के शिकारपुर थाने में दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज है। शुक्रवार को उत्तर-प्रदेश की पुलिस जाफराबाद इलाके में आरोपियों को पकड़ने पहुंची।

इस दौरान उन्होंने जाफराबाद पुलिस को भी मौके पर बुला लिया। जाफराबाद पुलिस के आने के बाद संयुक्त टीम आरोपियों के घर पहुंच गई। जैसे ही आरोपियों ने पुलिस को आते हए देखा उन्होंने छत पर पहंचकर पुलिस कर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। जैसे-तैसे पुलिसकर्मियों ने अपनी जान बचाई। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

पद संभालने के बाद पूर्वांचिलयों को साधने में जुटे पदाधिकारी

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष का पदभार सभांलने के बाद सुभाष चोपड़ा और चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष कीर्ति आजाद पूर्वांचलियों को साधने में जुट गए हैं। दोनों पदाधिकारियों ने शनिवार को कांग्रेस पर्वांचल प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ आंध्रा सदन में एक बैठक भी की। इस दौरान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शिवजी सिंह के साथ चुनाव के मुद्दे पर बातचीत भी की। सुभाष चोपड़ा और कीर्ति आजाद ने दिल्ली के पूर्वांचलवासियों का आह्वान किया कि वह उठ खड़े हों और अपने अधिकार की लड़ाई के लिए तैयार हो जाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा पर्वांचल के भाई-बहनों की हिमयती रही है और उनकी आन–बान और शान के लिए हमेशा तत्पर रहेगी। दोनों ने कहा कि दिवाली के पश्चात छठ पूजा का आयोजन बड़े पैमाने पर किया जाता है। बड़ी संख्या में घाटों पर पर्वांचल के लोग छठ मनाने आते हैं।

मध्यवर्ग की ओर लौटने से होगी भाजपा की नैया पार

पंकज रोहिला नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

20 साल से दिल्ली की सत्ता से दूर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस बार के चुनाव में अपनी नैया पार लगाने के लिए पुराने कैडर यानि मध्यवर्गीय परिवारों के पास वापस लौटना होगा। अब तक के चुनावी समीकरण इस दूरी की कहानी को बयां कर रहे हैं। इस वोट बैंक ने दिल्ली में नगर निगम में सत्ता लौटाने और लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से वापसी का रास्ता भाजपा के लिए खोला था। हालांकि नगर निगम चुनाव में पार्टी ने सभी पुराने चेहरों को बदला था और इस रणनीति से कैडर व सत्ता के बीच की नाराजगी पाटने की कोशिश की थी। इस वजह से पार्टी विकट परिस्थितयों में भी एक बार फिर से निगम में लौट कर आई है।

पार्टी सत्र मानते हैं कि दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पूर्व आम जनता भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर भाजपा से नाराज थी। यह नाराजगी पूर्व विधानसभा चुनाव में देखने को मिली थी। इस स्थिति में भी पार्टी का मूल कैडर पार्टी के साथ रहा और करीब 32 फीसद तक ही वोट मिले थे। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि आम आदमी पार्टी फीसद तक रह गया।

अनुसूचित जाति सीटों व पूर्वांचल वोट बैंक बंटने का खतरा

मूल कैडर के बाद अनुसूचित जाति की सीटें और पूर्वांचल सीट पर वोट बंटने का खतरा आज की स्थिति

में सबसे अधिक है। दिल्ली में अनुसूचित जाति की सीटों पर भाजपा का कब्जा लगातार छूट रहा है। ऐसी 12 सीटें हैं जो एक बडा वोट बैंक है। कैडर के आंकलन को देखें तो भाजपा नेता कालकादास के बाद इस वर्ग का बडा

चेहरा तैयार नहीं हो पाया है। पूर्व विधायक एसपी रातावाल ने यह जगह बनाई थी लेकिन इसके बाद लगातार इन सीटों पर पार्टी के बीच का अंतर बढता जा रहा है। वहीं, पार्टी सूत्र पूर्वांचल वोट बैंक के बंटने का

(आप) अन्ना आंदोलन के साथ उभरी थी

खतरा भी अभी से महसूस कर रहे हैं। हाल ही में कांग्रेस से कीर्ति आजाद ने दिल्ली में कमान संभाली है

और दूसरी तरफ पांच साल में 'आप' के पूर्वांचल नेताओं ने भी अपना एक विशेष कैडर तैयार किया है। भाजपा का भी जोर इस वर्ग की ही तरफ है। जो इस वोट बैंक के तीन हिस्सों में बंटने की तरफ इशारा कर रहा है। इसलिए मूल कैडर पर लौटना ही

पार्टी की बड़ी रणनीति होगी। पार्टी सूत्र मानते हैं कि हरियाणा में जाट बहुल सीट और महाराष्ट्र में मराठा सीटें हाथ से जाना एक बहुत बड़ा संकेत है कि स्थानीय कैडर को अनदेखा करना कितना नुकसान दे सकता है।

और लोगों को 'आप' से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन इसके बाद जो भी चुनाव हुए उनमें 'आप' को नुकसान उठाना पड़ा है। यह आंकड़े निगम व लोकसभा चुनाव में सामने आए हैं। इन आंकड़ों में 2015 में 'आप' का वोट बैंक करीब 54.3 फीसद था। यह वोट बैंक 2017 व 2019 में हुए चुनाव में 22

जातिगत समीकरणों से बढ़

सकेंगे सीटों पर आगे दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्र जातिगत समीकरणों के आधार देखना भी इस चुनाव में बेहद जरूरी होगा। इस समीकरणों को छोड़ने का नुकसान भी पार्टी अब तक उठाती रही है। पंजाबी, जाट और गुर्जर बहुल इलाकों की आबादी का असर जैसी विधानसभाएं आती हैं।

- बार-बार रणनीति में बदलाव का नुकसान उटा रही है भाजपा
- पुराने चेहरे व पूर्वांचल के साथ बैटाने होंगे और भी समीकरण

दिल्ली की दो दर्जन से अधिक सीटों पर साफ नजर आता है। सीटों पर आबादी जरूर मिलीजुली है लेकिन इन समीकरण को नजरअंदाज करने पर नुकसान बढ़ सकता है। जैसे बाहरी रिंग की तरफ आने वाले क्षेत्र में पंजाबी बहल इलाके हैं।

इन इलाकों में शकूरपुर, रोहिणी, रिठाला, कालकाजी, राजौरी, हरी नगर, तिलक नगर, जनकपुरी, मादीपुर, मटियाला, वजीरपुर, राजेंद्र नगर और पटेल नगर जैसी विधानसभाएं शामिल हैं। इसी प्रकार जाट इलाकों में नरेला, बवाना, मुंडका, नजफगढ़, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, नांगलोई जाट हैं। इसके अतिरिक्त पूर्व व दक्षिण में गुर्जर आबादी का दबदबा है। इन क्षेत्रों में पटपड़गंज, छत्तरपुर, आंबेडकर नगर, देवली, बदरपुर, ओखला, मयूर विहार और मुस्तफाबाद

व्यक्ति ने की आत्महत्या

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

दिल्ली के पॉश इलाके बंगाली मार्केट में बाबर रोड पर 50 साल के एक व्यक्ति ने शनिवार सुबह पेड से लटक कर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इनकी पहचान बसंत लाल के रूप में हुई है। वह प्रगति मैदान में निर्माण स्थल पर मजदुरी का काम करता था। पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे पुलिस को इस घटना की सूचना मिली।

पुलिस के मुताबिक मंडी रोड से सटे बाबर रोड पर सुबह स्थानीय लोगों ने एक व्यक्ति को पेड़ से लटका पाया। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई और शुरुआती जांच में पाया गया कि उसने कथित रूप से आत्महत्या की है। हालांकि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, लेकिन पुलिस अधिकारी को शुरुआती जांच में उनके जानकारों से पता चला है कि वसंत लाल कुछ समय से अवसाद में था। पुलिस अवसाद के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखा गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया जाएगा।

दिल्ली की राजनीति में बढ़ी पूरबियों की अहमियत

मनोज मिश्र नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

लोकप्रिय भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी को दिल्ली भाजपा की कमान देने के बाद कांग्रेस के भी बिहार मूल निवासी क्रिकेट खिलाडी कीर्ति आजाद को दिल्ली कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति का प्रमुख बनाने से यह संदेश गया कि दिल्ली में सक्रिय सभी दल पूर्वांचल (बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड आदि के मूल निवासी) के प्रवासियों की अहमियत समझ चुके हैं।

यह माना जाता है कि दिल्ली का हर चौथा या पांचवा मतदाता पूर्वांचल का प्रवासी है। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों में से 50 में पूर्वांचल के प्रवासी 20 से 60 फीसद तक हो गए हैं। पहले इन्हीं मतदाताओं के बूते कांग्रेस ने 15 साल दिल्ली पर राज किया और इन मतदाताओं के ही भारी समर्थन से 2015 के विधानसभा चुनाव में 'आप' को 70 सदस्यों वाली विधानसभा में 67 सीटें मिली थीं। इनका समर्थन 'आप' को मिलता रहे इसलिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दनादन घोषणाएं

दिल्ली का हर चौथा या पांचवा मतदाता पूर्वांचल का प्रवासी 70 विधानसभा सीटों में से 50 में पूर्वांचल

के प्रवासी 20 से 60 फीसद तक हैं

करते जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने दिल्ली की अनिधकृत कालोनियों को नियमित करने की घोषणा भी इसी की बड़ी कड़ी माना जा रहा है। इसी के चलते 'आप' ने तुरंत उस मुद्दे को लपक लिया और दावा किया कि उनके दबाव में 1700 से ज्यादा कालोनियों के करीब 40 लाख लोगों को मालिकाना हक देने की घोषणा केंद्र सरकार ने की।

वैसे तो पूर्वांचल के माने जाने वाले नेता अलग-अलग भृमिका में दिल्ली की राजनीति में रहे, लेकिन 1997 में निगम पार्षद और 1998 में विधायक बने महाबल मिश्र का लाभ कांग्रेस को मिला। वे 2009 में पश्चिमी दिल्ली से सांसद बने, लेकिन कांग्रेस के कमजोर होने का लाभ 2012 में बनी 'आप' ने उठाया। 2013 के विधानसभा चुनाव में उसे पूर्वांचल का साथ

दलों ने भी जाना पूर्वांचल का महत्त्व

राजनीतिक दलों को पिछले तीन दशक से पूरिबयों की अहमियत समझ में आई। पूर्वांचल के लोगों को खुश करने के लिए 2000 में दिल्ली की कांग्रेस सरकार ने छठ के दिन एच्छिक अवकाश घोषित किया। शीला दीक्षित सरकार ने बिहार से बाहर पहली बार दिल्ली में मैथिली भोजपुरी अकादमी बना दी। भाजपा को यह राजनीति देर से समझ में आई और लगातार राजनीतिक दबाव के कारण 2014 में राष्ट्रपति शासन में बिहार और झारखंड के बाद दिल्ली तीसरा राज्य बना, जहां छठ के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। इसी दबाव में पहले 2014 में लोकसभा टिकट और 2016 में बिहार मूल के भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी को दिल्ली भाजपा का अध्यक्ष बनाया गया। भाजपा को उसका लाभ मिला। भाजपा 2017 में लगातार तीसरी बार नगर निगमों के चुनाव जीत गई। भाजपा 1998 में दिल्ली सरकार से बाहर हुई, तब से वह कभी विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाई। इसका बड़ा कारण भाजपा का वोट समीकरण है। भाजपा खास वर्ग की पार्टी मानी जाती है। गैर भाजपा मतों का ठीक से विभाजन होने पर ही भाजपा विधानसभा या नगर निगम चुनाव जीत पाती है। 1993 में दिल्ली विधानसभा के चुनाव में उसे करीब 43 फीसद वोट मिले तब वह सत्ता में आई। उसके बाद उसका वोट औसत लोकसभा चुनावों के अलावा कभी भी 36-37 फीसद से बढ़ा ही नहीं।

मिला और 2015 में तो पूर्वांचल के लोगों ने एकतरफा 'आप' को वोट किया। 'आप' ने अपने वोट पक्के करने के लिए दिल्ली के सरकारी स्कूलों में मैथिली की पढ़ाई शुरू करने की घोषणा की और भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूचि में शामिल कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा। और छठ घाटों की

संख्या बढाई। इस बार छठ पर्व पर नेताओं की सिक्रयता और बढ़ने वाली है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्वांचल विरोधी दो बयानों को भाजपा ने मुद्दा बनाने की कोशिश की। 'आप' ने पूर्वांचल के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय को आगे करने के साथ बेहतर मीडिया प्रबंधन से इसे बड़ा मुद्दा बनने नहीं दिया।

बावजूद इसके मनोज तिवारी के तीन साल से प्रदेश अध्यक्ष रहने से 'आप' को आने वाले विधानसभा चुनाव में बड़ी चुनौती तो माना ही जा रहा है। अब कांग्रेस ने भी पूर्वांचल के नेता पर भरोसा किया है। कीर्ति आजाद की भले ही दिल्ली की राजनीति में बड़ी दखल नहीं रही है। वे गोल मार्केट से 1993 में भाजपा के टिकट पर विधायक बनने के बाद से बिहार से और इस बार कांग्रेस के टिकट पर झारखंड से चुनाव लड़ते रहे हैं। अनुभवी नेता सुभाष चोपड़ा के साथ कुछ महीनों में कांग्रेस को विधानसभा चुनाव के मुकाबले में लाने की उनकी चुनौती है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता हसन अहमद का कहना है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सही फैसला लिया है।

सुभाष चोपड़ा में सभी को साथ लेकर काम करने का लंबा अनुभव है। सत्ता के दावेदार तीनों दलों ने प्रवासियों की अहमियत समझकर उन पर दांव लगाया है। इससे लगता है कि आने वाले दिनों में पूरिबयों की सत्ता में हिस्सेदारी भी बढ़ने वाली है।

आज मेट्रो की आखिरी ट्रेन रात 10 बजे तक मिलेगी

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

दीपावाली के दिन दिल्ली मेट्रो रेल की आखिरी ट्रेन टर्मिनल स्टेशन से रात 10 बजे तक ही मिलेगी। यानी आम दिनों में जो आखिरी सेवा रात 11 बजे मिलती है वह एक घंटे पहले यानी 10 बजे ही मिलेगी। जिन स्टेशनों से यह सेवाएं दस बजे आखिरी होंगी उनमें नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी, हुडा सिटी सेंटर, समयपुर बादली, रिठाला, कीर्ति नगर, द्वारका सेक्टर 21, वैशाली, दिलशाद गार्डन मजलिस पार्क, मयूर विहार पाकेट वन, शिव विहार जनकपुरी, बोटेनिकल गार्डन, मुंडका, कश्मीरी गेट, इंद्रलोक व एअरपोर्ट लाइन के शुरुआती स्टेशन शामिल हैं। सुबह सेवाएं अपने निर्धारित समय पर ही चर्लेगी।

आज के कार्यक्रम

सभा संगोष्ठी/विविध

प्रदेश कांग्रेस : नव निर्वाचित अध्यक्ष का विशेष व गरीब बच्चों के बीच पुस्तक वितरण समारोह, हरिनगर आश्रम, गुरुद्वारा बाला साहिब, दोपहर बाद तीन बजे।

नई दिल्ली



गुवाहाटी के गढ़ोली पुखरी में दिवाली उत्सव के दौरान विशालकाय दीये के पास खड़े लोग। मिट्टी का यह दीया आठ फीट चौड़ा और दो फीट ऊंचा है। इसमें दो सौ लीटर तेल भरा जा सकता है। दावा किया गया है कि यह दुनिया में सबसे बड़ा मिट्टी का दीया है।

नगा शांति वार्ता के लिए नगालैंड और मणिपूर में हाई अलर्ट

कोहिमा/इंफल, २६ अक्तूबर (भाषा)।

लंबे समय से चली आ रही नगा राजनीतिक समस्या को खत्म करने के लिए 31 अक्तूबर को प्रस्तावित शांति वार्ता के अगले दौर के महेनजर नगालैंड और मणिपुर सरकारों ने अपने-अपने पुलिस बलों को हाई अलर्ट पर रखा है।

कोहिमा में अधिकारियों ने कहा कि नगालैंड सरकार ने सभी जिला उपायुक्तों और प्रशासनिक अधिकारियों को अगले आदेश तक अपनी तैनाती की जगह और क्षेत्राधिकार में रहने के लिए कहा है। नगालैंड पुलिस मुख्यालय ने सभी तरह की छुट्टियां रद्द करते हुए सभी इकाई कमांडरों को चिकित्सा अवकाश को छोडकर छुट्टी पर गए सभी अधिकारियों और किंमयों को तुरंत वापस बुलाने के लिए कहा है।

राज्य सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि नगाओं की कम संख्या वाले पडोसी राज्य मणिपुर में सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और महिला कर्मियों समेत बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को इंफल में राजभवन सहित महत्त्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है ताकि एनएससीएन (आइएम) के शीर्ष नेता 16 अन्य के साथ एनएनपीजी में शामिल

कोहिमा, २६ अक्तूबर (भाषा)।

नगा शांति वार्ता के एक और दौर से कुछ दिन पहले एनएससीएन (आइएम) के एक शीर्ष नेता 16 अन्य सदस्यों के साथ समूह छोड़कर प्रतिद्वंद्वी नगा नेशनल पॉलिटिकल ग्रुप्स (एनएनपीजी) में शामिल हो गए। उक्त नेता ने एनएससीएन (आइएम) पर जटिल मुद्दे के एक सम्मानीय हल की जनता की मांग के प्रति 'असंवेदनशील' होने का आरोप लगाया है।

किसी भी अवांछित गतिविधि को नाकाम किया

इससे पहले, सात-दशक पुरानी नगा उग्रवाद समस्या का स्थायी समाधान खोजने के लिए 24 अक्टूबर को हुई वार्ता बेनतीजा रही थी।

ममता के आवास पर काली पूजा में शामिल होने का बेसब्री से इंतजार : धनखड़

बारासात, २६ अक्तूबर (भाषा)।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें और उनकी पत्नी को अपने कोलकाता स्थित आवास पर काली पूजा में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया है और सामारोह में शामिल होने का उन्हें बेसब्री से इंतजार है।

धनखड़ ने उत्तर 24 परगना जिले में बारासात में काली पूजा के एक पंडाल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 1978 से मुख्यमंत्री के कालीघाट स्थित आवास पर हर साल पूजा का आयोजन होता आया है और इसके लिए आमंत्रण मिलने से वे बहुत अभिभूत हैं।

उन्होंने कहा, 'मैंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर बताया है कि मैं और मेरी पत्नी भाई दूज के अवसर पर उनके घर आना चाहते हैं। उत्तर बंगाल की अपनी यात्रा से लौटकर मुख्यमंत्री ने वापस पत्र लिखा और मुझे और मेरी पत्नी को उनके घर पर होने वाली काली पूजा में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया।' धनखड़ ने यहां पत्रकारों को बताया, 'उनका आमंत्रण मिलने से हम लोग बहुत खुश हैं और उत्सुकता से पूजा में शामिल होने का इंतजार कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के 176 नवनिर्वाचित विधायक कर रहे आपराधिक आरोपों का सामना

मुंबई, 26 अक्तूबर (भाषा)।

महाराष्ट्र विधानसभा के लिए नवनिर्वाचित 176 विधायक आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। चुनाव निगरानी संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों में यह दावा किया गया है।

राज्य विधानसभा के कुल 288 विधायकों में 285 विधायकों के हलफनामों का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 62 फीसद (176 विधायक) के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं, जबिक 40 फीसद (113 विधायक) के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले हैं। एडीआर ने कहा है कि बाकी तीन विधायकों के हलफनामे का अध्ययन नहीं किया जा सका क्योंकि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उनके संपूर्ण कागजात उपलब्ध नहीं थे।

निवर्तमान विधायकों और नवनिर्वाचित विधायकों के हलफनामों की तुलना करते हुए एडीआर ने कहा है कि 2014 के चुनाव में राज्य विधानसभा में 165 विधायक

एडीआर रिपोर्ट

के खिलाफ आपराधिक सामना कर रहे थे। एडीआर के मुताबिक मामले लंबित

●113 विधायकों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले

नई विधानसभा में कुल 264 (93 फीसद) करोड़पति विधायक हैं जबकि निवर्तमान विधानसभा में 253 (88 फीसद) विधायक करोडपति थे। विज्ञप्ति में कहा गया. 'नई विधानसभा में विधायकों की औसत संपत्ति 22.42 करोड़ रुपए है, जो 2014 में 10.87 करोड़ रुपए थी। इस बार के चुनाव में

आपराधिक मामलों का

निवर्तमान विधानसभा की

करोड़पति विधायकों की

संख्या ज्यादा है।

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

पश्चिमी दिल्ली में उत्तम नगर स्थित अधिकतर मूल रूप सामना कर रहे थे और कुम्हार ग्राम में रहने वाले कुम्हार परिवार से **62 फीसद विधायकों** इनमें से 115 गंभीर दिवाली से पहले पूरी तैयारी में थे और वे इस राजस्थान और उत्तर आपराधिक आरोपों का त्योहारी मौसम में होने वाली बिक्री का लाभ प्रदेश के गांवों के उठाना चाहते थे लेकिन इस बार कारोबार रहने वाले हैं। वर्ष के कमजोर है।

> कॉलोनी में तीसरी पीढ़ी के कुम्हार तुलना में नई विधानसभा में हरिओम इसके लिए महंगाई को जिम्मेदार ठहराते हैं। 52 वर्षीय हरिओम कहते हैं कि दीयों की कीमत बढ़ने से ग्राहक सस्ती चीनी आंकड़ों के मृताबिक लाइट अधिक पसंद कर रहे हैं। उन्होंने 2,000 दीयों के ऑर्डर की पृष्टि करने के बाद कहा, 'हमें होली और दिवाली के दौरान अच्छा कारोबार मिलता था लेकिन पिछले साल से बिक्री में 40 फीसद की गिरावट आई है और ग्राहक चीनी लाइट जैसे सस्ते विकल्प पसंद करते हैं।' हरिओम का परिवार कुम्हार ग्राम में रहने वाले 700

महंगाई की मार से बुझे दिल्ली के कुम्हारों के दीये परिवारों में से एक है। इन परिवारों में से हरियाणा,

बाकी समय में ये

लोग मिट्टी के घड़े, बर्तन, फव्वारे और अन्य सजावटी सामान बेचते हैं लेकिन मिट्टी के बरतन खरीदते हैं, लेकिन मुख्य रूप इनकी आय बहुत कम है।

कुम्हार ग्राम के एक अन्य कुम्हार दीपक कुमार भी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्षरत हैं और परिवार में कई सदस्य हैं जिनका भरण पोषण करना है लेकिन आमदनी बहुत कम है। 18 वर्षीय दीपक कुमार दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र भी हैं। उन्होंने कहा, 'किसी सजावटी सामान के निर्माण में करीब 70 रुपए की लागत आती

फीका पड़ता दीपोत्सव

• दीयों की बढ़ी कीमत से ग्राहकों का रुझान चीनी लाइट की तरफ

• दीयों की खुदरा के साथ थोक खरीददारी में भी गिरावट

> से लोग फुटकर में से रेहड़ी वाले इनसे मिट्टी के बने सामान बड़े पैमाने पर खरीदते हैं जो आवासीय इलाकों में जा कर बेचते हैं। थोक खरीददारी में भी

सभी आठ सदस्य

इसलिए लाभ के

नाम पर बहुत

बचता।' इन कुम्हारों

अधिक

कुम्हार और विक्रेता दोनों के दावे हैं कि नगर निगमों द्वारा शहर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए जाने से फेरीवालों के लिए इन उत्पादों को बेचना मृश्किल हो गया है। इससे दोनों को नुकसान हुआ है। जनकपुरी

गिरावट दर्ज की गई है।

है और हम उसे 100 के एक फेरीवाले ने, 21 वर्षीय नजीम ने रुपए में बेचते हैं। बताया कि उसने पिछले साल दिवाली से चूंकि परिवार के पहले दस दिनों में 4,000 रुपए की आमदनी की थी लेकिन इस बार मुश्किल से 300 यह काम करते हैं रुपए मिल पाए हैं।

उन्होंने कहा, 'किसी एक स्थान पर बहुत अधिक समय तक खड़ा रहना मृश्किल हो गया है, कोई भी आकर वहां से जाने के लिए कह देता है। यदि किसी ग्राहक को यह पता नहीं होगा कि हम कहां खड़े होते हैं तो हम अपना व्यवसाय कैसे कर पाएंगे।' त्योहार के मौसम में मिट्टी के उत्पादों के अन्य बाजार जो रौनक होते हैं उनमें मालवीय नगर में हौज रानी बाजार और सरोजनी नगर में मटका बाजार शामिल है। हालांकि इन बाजारों में ग्राहकों की संख्या कम है। एक ग्राहक ने कहा, 'प्रत्येक छोटे दीये की कीमत 10 रुपए है। एक बार इस्तेमाल होने वाले किसी वस्तु पर इतना अधिक खर्च करना अधिक है।'



ध्यान दें!

कम से कम 118 विधायक फिर से चुने गए।



DP/9166/19

पटाखों की बिक्री तथा उपयोग के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देश

- परिसरों में पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) द्वारा निर्धारित एवं अनुमोदित सेफ वाटर एंड एयर स्प्रिंकलर्स (एसडब्ल्यूएएस) के अनुसार कम प्रदूषण वाले पटाखों (उन्नत पटाखे) और कम धुआँ छोड़ने वाले हरित पटाखों के अतिरिक्त किसी भी अन्य प्रकार के पटाखे नहीं बेचे जायेंगे।
- प्रतिबंधित/अस्वीकृत पटाखों की श्रेणियां
 - जुड़े हुए पटाखे (सीरीज पटाखे या लड़ियां)
 - बेरियम साल्ट्स/लिथियम/आर्सेनिक/एंटीमॉनी/सीसा/पारा से युक्त पटाखे
 - माननीय उच्चतम न्यायालय के उपरोक्त आदेश के अनुसार प्रतिबंधित पूर्व में निर्मित पटाखे
- ▶ केवल वैसे पटाखों को बेचने की अनुमित है जिसकी डेसीबल (ध्विन) स्वीकृत सीमा (फटने के रथान से 4 मीटर पर 125 डेसीबल (एआई) या 145 डेसीबल (सी) पीके) के अंदर हो।
- साइलेंस जोन में पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं: अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, न्यायालयों, धार्मिक स्थलों से न्यूनतम 100 मीटर का दायरा साइलेंस जोन में शामिल है या कोई अन्य क्षेत्र जिसे सक्षम प्राधिकरण ने साइलेंस जोन घोषित किया है।
- माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार पटाखे चलाने का समयः

रात 08:00 बजे से 10:00 बजे तक प्रात: 04:00 बजे से 05:00 बजे तक रात 09:00 बजे से 10:00 बजे तक

दिवाली के दिन

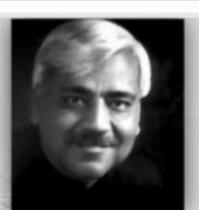
गुरपुरब के दिन

रात 11:55 बजे से 12:30 बजे तक क्रिसमस एवं नव वर्ष की पूर्व संध्या

सभी संबंधित व्यक्ति इसका ध्यान रखें और पालन करें

सामूहिक रूप से पटाखे यथासम्भव पूर्व-चिन्हित क्षेत्रों/स्थानों पर चलाये जा सकते हैं।

दिल्ली पुलिस की ओर से आप सभी को दिवाली की शुभकामनायें दिल्ली पुलिस की जगह शांति सेवा न्याय अब करें डायल इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम (ई.आर.एस.एस.) फायर AMBULANCE सभी मूलभूत आपातकालीन स्थितियों के लिए एकमात्र टॉल फ्री-नम्बर सुविधा के लिए 112 इंडिया मोबाईल ऐप लिखें : पुलिस आयुक्त दिल्ली को पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें: cp.amulyapatnaik@delhipolice.gov.in



तीरंदाज

अश्विनी भटनागर

क तो अति विस्तृत, अगम्य अंधकारमय जंगल, उस पर रात्रि का समय। पतंग उस जंगल में रहते हैं, लेकिन कोई चूं तक नहीं बोलता है। शब्दमय पृथ्वी की निस्तब्धता का अनुमान किया नहीं जा सकता है; लेकिन उस अनंत शून्य जंगल के सूचीभेध अंधकार का अनुभव किया जा सकता है। सहसा इस रात के समय की भयानक निस्तब्धता को भेद कर ध्वनि आई, 'मेरा मनोरथ क्या सिद्ध न होगा ?' इस तरह तीन बार वह निस्तब्ध अंधकार आलोड़ित हुआ, 'तुम्हारा क्या प्रण है?' उतर मिला,

'मेरा प्रण ही मेरा जीवन सर्वस्व है।' प्रतिशब्द हुआ, 'जीवन तो तुच्छ है, सब इसका त्याग कर सकते हैं।'

'तब और क्या है... और क्या होना चाहिए?'

उत्तर मिला, 'भक्ति।'

संन्यासी आंदोलन और बंगाल अकाल की पृष्ठभूमि पर लिखी बाकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की कालजयी कृति 'आनंदमठ' की शुरुआत इस प्रकरण से होती है। आनंदमठ 1882 में छपी थी। राष्ट्रभिक्त और हिंदुत्व की प्रधानता के भाव की वजह से इस कृति का विशिष्ट स्थान है। इसके एक गीत 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा भी प्राप्त है।

बाकिमचंद्र की कहानी सूखा ग्रस्त बंगाल के एक गांव पदचिहना से शुरू होती है, जहां के जमींदार महेंद्र सिंह अपनी बदहाली से त्रस्त होकर अपनी पत्नी कल्याणी और बेटी सुकुमारी के साथ भोजन की व्यवस्था करने के लिए घर से निकलते हैं, पर अप्रत्याशित उनसे बिछड़ जाते हैं। कल्याणी कुछ डकैतों के चुंगल में फंस जाती है, पर जल्द ही वहां से बच निकलती है। उसकी मुलाकात सत्यानंद से होती है, जो आनंदमठ के प्रधान हैं। वे कल्याणी को अपने मठ में शरण देते हैं और अपने संन्यासी साथी भवानंद को महेंद्र सिंह को ढूंढ़ने भेज देते हैं।

इस बीच ईस्ट इंडिया कंपनी का राजस्व कलकत्ता भेजा जा रहा था और अंग्रेज फौजें जंगल में चौकसी कर रही थीं। महेंद्र और भवानंद को जंगल में घूमता देख कर वे दोनों को पकड़ लेती हैं। उनकी बंदी अवस्था के चलते, संन्यासियों का एक जत्था कंपनी के राजस्व को लूटने के लिए हमला करता है और उन्हें छुड़ा लेता है। मठ की तरफ जाते हुए महेंद्र भवानंद को लूट और हत्या के लिए धिक्कारता है, पर उसकी बातों का जवाब देने के बजाय भवानंद वंदे मातरम गा उठता है।

अपनी धरती को मां की तरह पहचानने का पाठ महेंद्र आनंदमठ में रह कर पढ़ता है और जल्दी ही वह संन्यासियों से एक हो जाता है। वह भी अपनी धरती मां का गौरव और प्रतिष्ठा और उसकी

ज्ञानमार्ग, भक्तिमार्ग!

संपन्नता को पुनर्स्थापित करने का व्रत लेता है। अंत में, सत्यानंद के नेतृत्व में संयासी समुदाय अंग्रेजी फौज को बुरी तरह परास्त करता है और खजाना अपने आधीन कर लेता है। यह परम वीरता और उल्लास का क्षण था, जिसमें हिंदू राष्ट्र की पहली स्वर्णिम किरण क्षितिज पर साफ दिख रही थी, पर आनंदमठ की कहानी एक आखिरी मोड़ लेती है।

अंतिम अंश इस प्रकार है :

'चिकित्सक बोले- 'सत्यानंद! आज माघी पूर्णिमा है।'

सत्यानंद- 'चलिए मैं तैयार हूं। किंतु महात्मन्! मेरे एक संदेह को दूर कीजिए। मैंने क्या इसीलिए युद्ध-जय कर सनातन-धर्म की पताका फहराई थी?'

जो आए थे, उन्होंने कहा- 'तुम्हारा कार्य सिद्ध हो गया, मुसलिम राज्य ध्वंस हो चुका।

सत्यानंद की दोनों आंखों से जलधारा बहने लगी। उन्होंने सामने जननी-जन्मभूमि की प्रतिमा की तरफ देख, हाथ जोड़ कर कहा- 'हाय माता! तुम्हारा उद्धार न कर सका। तू फिर म्लेछों के हाथ में पड़ेगी। संतानों के अपराध को क्षमा कर दो मां। रणक्षेत्र में मेरी मृत्यु क्यों न हो गई?'

अब तुम्हारी यहां कोई जरूरत नहीं, अनर्थक प्राणहत्या की आवश्यकता नहीं!' सत्यानंद- 'मुसलिम राज्य ध्वंस अवश्य हुआ है, किंतु अभी हिंदू राज्य स्थापित हुआ नहीं है।

अब भी कलकत्ते में अंगरेज प्रबल है।'

वे बोले- 'अभी हिंदू-राज्य स्थापित न होगा। तुम्हारे रहने से अनर्थक प्राणी-हत्या होगी, अतएव चलो!' यह सुन कर सत्यानंद तीव्र मर्म-पीड़ा से कातर हुए, बोले- 'प्रभो! यदि हिंदू-राज्य स्थापित न होगा, तो कौन राज्य होगा, क्या फिर मुसलिम-राज्य होगा?'

उन्होंने कहा- 'नहीं, अब अंगरेज-राज्य होगा।'

सत्यानंद की दोनों आंखों से जलधारा बहने लगी। उन्होंने सामने जननी-जन्मभूमि की प्रतिमा की तरफ देख हाथ जोड़ कर कहा- 'हाय माता! तुम्हारा उद्धार न कर सका। तू फिर म्लेछों के हाथ में पड़ेगी। संतानों के अपराध को क्षमा कर दो मां। रणक्षेत्र में मेरी मृत्यु क्यों न हो गई?'

महात्मा ने कहा– 'सत्यानंद कातर न हो। तुमने बुद्धि विभ्रम से दस्यु वृत्ति द्वारा धन संचय कर रण में विजय ली है। पाप का कभी पवित्र फल नहीं होता। अतएव तुम लोग देश-उद्धार नहीं कर सकोगे। और अब जो कुछ होगा, अच्छा होगा। अंगरेजों के बिना राजा हुए सनातन धर्म का उद्धार नहीं हो सकेगा। महापुरुषों ने जिस प्रकार समझाया है, मैं उसी प्रकार समझाता हूं– ध्यान देकर सुनो। तैंतीस कोटि देवताओं का पूजन सनातन धर्म नहीं है। वह एक तरह का लौकिक निकृष्ट-धर्म है, हिंदू धर्म लुप्त हो गया है। प्रकृति हिंदू धर्म

ज्ञानात्मक-कार्यात्मक नहीं। जो अंतर्विषक ज्ञान हैं, वही सनातन धर्म का प्रधान अंग हैं। लेकिन बिना पहले वहिर्विषयक ज्ञान हुए अंतर्विषयक ज्ञान असंभव है। स्थूल देखे बिना सूक्ष्म की पहचान ही नहीं हो सकती। बहुत दिनों से इस देश में वहिर्विषयक ज्ञान लुप्त हो चुका है- इसीलिए वास्तविक सनातन धर्म का भी लोप हो गया है। सनातन धर्म के उद्धार के लिए पहले वहिर्विषयक ज्ञान-प्रचार की आवश्यकता है। इस देश में इस समय वह वहिर्विषयक ज्ञान नहीं है- सिखाने वाला भी कोई नहीं, अतएव बाहरी देशों से वहिर्विषयक ज्ञान भारत में फिर लाना पड़ेगा। अंग्रेज उस ज्ञान के प्रकांड पंडित हैं- लोकशिक्षा में बड़े पटु हैं। अतः अंग्रेज के ही राजा होने से, अंग्रेजी की शिक्षा से स्वतः वह ज्ञान उत्पन्न होगा! जब तक उस ज्ञान से हिंदू ज्ञानवान, गुणवान और बलवान न होंगे अंगरेज राज्य रहेगा। उस राज्य में प्रजा सुखी होगी, निष्कंटक धर्माचरण होंगे। अंगरेजों से बिना युद्ध किए ही, निरस्त्र होकर मेरे साथ चलो।'

सत्यानंद ने कहा- 'महात्मन्! यदि ऐसा ही था, अगर अंग्रेजों को ही राजा बनाना था, तो हम लोगों को इस कार्य में प्रवृत्त करने की क्या आवश्यकता थी?'

महापुरुष ने कहा- 'अंग्रेज उस समय बनिया थे- अर्थ संग्रह पर ही उनका ध्यान था। अब संतानों (संन्यासियों) के कारण ही वे राज्य-शासन हाथ में लेंगे, क्योंकि बिना राजत्व किए अर्थ-संग्रह नहीं हो सकता। अंगरेज राजदंड लें, इसलिए संतानों का विद्रोह हुआ है। अब आओ, स्वयं ज्ञानलाभ कर दिव्य चक्षुओं से सब देखो, समझो!'

सत्यानंद- 'हे महात्मा। मैं ज्ञान लाभ की आकांक्षा नहीं रखता- ज्ञान की मुझे आवश्यकता नहीं। मैंने जो व्रत लिया है, उसी का पालन करूंगा। आशीर्वाद दीजिए कि मेरी मातृभिक्त अचल हो!'

महापुरुष- 'व्रत सफल हो गया- तुमने माता का मंगल साधन मवाल-स्थान किया- अंग्रेज राज्य तुम्हीं लोगों द्वारा स्थापित समझो। युद्ध विग्रह का त्याग करो- कृषि में नियुक्त हो, जिससे पृथ्वी शस्य शालिनी हो, लोगों की श्रीवृद्धि हो।

सत्यानंद को आंखों से आंसू निकलने लगे, बोले- 'माता को शत्रू-रक्त से शस्यशालिनी करूं?' महापुरुष- 'शत्रु कौन है ? शत्रु अब कोई नहीं, अंगरेज हमारे मित्र हैं। फिर अंगरेजों से युद्ध कर अंत में विजयी हो- ऐसी अभी किसी की शक्ति नहीं है।'

सत्यानंद- 'न हो, यहीं माता के सामने मैं अपना बलिदान चढ़ा दुंगा।'

महापुरुष- 'अज्ञानवश! चलो, पहले ज्ञानलाभ करो। हिमालय-शिखर पर मातृ-मंदिर है, वहीं तुम्हें माता की मूर्ति प्रत्यक्ष होगी।

यह कह कर महापुरुष ने सत्यानंद का हाथ पकड़ लिया। कैसी अपूर्व शोभा थी। उस गंभीर निस्तब्ध रात्रि में विराट चतुर्भुज विशु प्रतिमा के सामने दोनों महापुरुष हाथ पकड़े खड़े थे। किसको किसने पकड़ा है? ज्ञान ने भिक्त का हाथ पकड़ा है, धर्म के हाथ में कर्म का हाथ है, विजर्सन ने प्रतिष्ठा का हाथ पकड़ा है। सत्यानंद ही शांति है- महापुरुष ही कल्याण है- सत्यानंद प्रतिष्ठा है-महापुरुष विसर्जन है। विसर्जन ने आकर प्रतिष्ठा को साथ ले लिया।

विज्ञान शिक्षा की बुनियाद

शिक्षा

भी बदलेंगे और सही मायनों

विज्ञान शिक्षा की तार्किकता और

दर्शन से हमारे सामाजिक विज्ञान

प्रेमपाल शर्मा

माज का विकास विज्ञान के विकास के समांतर हुआ है। इस बात को और विस्तार दें तो सुख, समृद्धि, शांति दनिया भर में विज्ञान से ही

आई है। दुनिया के सभी विकसित, उन्नत राष्ट्र इसीलिए विज्ञान का महत्त्व समझते हैं और इसीलिए अग्रणी बने हुए हैं। गौरतलब है कि पचास के दशक में रूस ने अंतरिक्ष विज्ञान और दूसरे क्षेत्रों में जैसे ही लंबी छलांग लगाई, अमेरिका में हलचल मच गई। वहां तुरंत विज्ञान पढने-पढाने और शोध को राष्टीय प्राथमिकता में रखा गया और दूसरे विश्वयुद्ध के बाद उस शीत

युद्ध में धीरे-धीरे अमेरिका विज्ञान के बृते ही बाजी मारता चला गया। न केवल दूसरे विश्वयुद्ध के दौर से जर्मनी के वैज्ञानिक आइंस्टाइन आदि अमेरिका पहुंचते चले गए, बल्कि उसके बाद से आज तक अमेरिका दुनिया के वैज्ञानिकों की पहली प्राथमिकता बना हुआ है। भारत के

हरगोविंद खुराना, चंद्रशेखर, वेंकटराम कृष्णा आदि अमेरिकी शिक्षा के बूते ही दुनिया में नाम कमा पाए हैं। हम लगभग तीस वर्ष से लगातार यह देखते-सुनते आ रहे हैं कि चीन के विश्वविद्यालय विज्ञान के क्षेत्र में बहत तेजी

में हमारे विश्वविद्यालय भी। फिर हमारे बच्चे अमेरिका, इंग्लैंड नहीं भागेंगे। से आगे बढ़ रहे हैं। पेटेंट और नई खोजों के पैमानों से नापा जाए तो आज चीन की स्थिति

अमेरिका से भी आगे है। विज्ञान और तकनीक के बृते ही छोटा-सा इजराइल कैसे अपनी धाक जमाए हुए है। जापान तो है ही पिछले लगभग सौ सालों से सबसे मजबत। पडोसी चीन की ही बात करें, तो उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय तक को बदला है और इसीलिए दुनिया भर के शीर्ष सौ विश्वविद्यालयों में पांच से ज्यादा चीन के होते हैं और हम पहले पांच सौ में भी मुश्किल से आ पाते हैं।

आजादी के बाद नारों और दीवारों पर तो वैज्ञानिक चेतना की बातें कही गईं, लेकिन न शिक्षा में कोई बुनियादी परिवर्तन आया और न इसी वजह से समाज में। माना हम बड़ा देश हैं, यहां कई जटिलताएं हैं, लेकिन अगर अंधेरा बढ़ता ही जाए, तो हमें परी नीति की समीक्षा की जरूरत है।

पिछली सरकार ज्ञान आयोग और उसकी अंग्रेजी पढाने, लादने की जिद से इतनी व्यस्त थी कि सरकारी शिक्षा निजी स्कूलों की तरफ तो चली गई, उपलब्धि के नाम पर कुछ नहीं मिला। यानी अंग्रेजी ठीक करने के चक्कर में दुनिया के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में हम और पीछे होते गए। इसलिए पहले तो यह भ्रम हटाना होगा कि अंग्रेजी के बूते आप विश्वविद्यालयों को ठीक कर सकते हैं। कम से कम वर्तमान सरकार अंग्रेजी की वैसी दीवानी नहीं है और अगर विज्ञान को सही समझ पाए, तो मजबूत इच्छाशक्ति भी रखती है।

मौजदा सरकार के पांच वर्ष परे हो चके हैं। निश्चित रूप से समझने में समय लगता है, लेकिन बड़े परिवर्तन उस प्रक्रिया से ही संभव हैं जैसे दुनिया के राष्ट्रों ने संभव किए हैं। पांच सौ वर्ष पहले का यूरोप इसी विज्ञान के बूते भारत, चीन जैसी पुरानी सभ्यताओं को पीछे छोड़ता हुआ आगे निकल गया और आज भी उसी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। सभ्यता तो चीन की भी पुरानी है, लेकिन उसे मौजूदा विज्ञान से कोई परहेज नहीं है। उसने मौजूदा विज्ञान के बूते अपनी स्थिति बहुत मजबूत की है। हमारा अतीत निश्चित रूप से गौरवशाली रहा है। शून्य की खोज, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, सृश्रुत के कामों पर हमें गर्व है, लेकिन विज्ञान निरंतर बदलने वाली सोच है। दो हजार साल पहले दुनिया भर की सभ्यताएं बहत अविकसित दौर में थी। उसके बरक्स हम आगे थे और अगर हमें फिर से आगे होना है, तो कछ अपनी पुरानी सभ्यताओं से उठाएं, उन्हें जांचें-परखें, दुनिया के सामने प्रमाणित करें और साथ ही

दुनिया के अनुभवों को साथ लेकर आगे बढ़ें। हम महान थे, विज्ञान ऐसी किसी स्थापना को नहीं मानता। वह बार-बार उसका प्रमाण मांगता है। और इसके लिए हमारे स्कूली पाठ्यक्रमों में पूरा बदलाव चाहिए। विज्ञान श्रद्धा, भिक्त का नाम नहीं है। विज्ञान की शुरुआत ही शंका, संदेह से होती है। यह उसकी बुनियाद है। डाल्टन ने कहा- एटम सबसे छोटी इकाई है। दूसरे विज्ञानकों ने उसे तोड़ दिया कि नहीं, छोटी इकाई प्रोटॉन, इलेक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन हैं। दुसरे वैज्ञानिकों ने उसे और विखंडित कर दिया। विज्ञान की लाखों बातें ऐसे ही प्रश्नों, शंकाओं, बहसों से आगे बढी हैं।

हर धर्म और उसकी बातें निर्जीवता की हद तक वहीं खड़ी रहती हैं, जबिक विज्ञान निरंतर बदलने वाली प्रक्रिया है। इस पक्ष पर तुरंत काम करने की जरूरत है। स्कूली बच्चे तर्कशील बनेंगे, अपने आसपास की समस्याओं पर प्रश्न करना, उनसे जूझना सीखेंगे, उनके हल निकालेंगे और इस प्रक्रिया को जारी रखते हुए हमारे विश्वविद्यालय दुनिया की खोजों से

सीखते हुए आगे बढ़ेंगे। अगर जरूरत हो तो पांच वर्ष तक सिर्फ विज्ञान की शिक्षा ही दी जाए, तो देश का कायापलट हो सकता है। यह इतिहास, राजनीति विज्ञान के शोध केवल शिक्षा का मामला नहीं है, पूरे समाज को बदलने के लिए ऐसे ही कदमों की जरूरत

> बुनियादी सामाजिक प्रश्न की तरफ लौटते हैं। जाति और धर्म के भेद-विवेद और उनसे उत्पन्न समस्याओं से पूरा देश जूझ रहा है। विज्ञान की समझ कहती है कि न केवल मनुष्य, बल्कि सभी जीवधारियों के सत्तानबे फीसद जीन समान होते हैं, यानी तीन फीसद की भिन्नता ही करोड़ों जीवों को अलग करती है। तो फिर मनुष्य की जाति, धर्म के भेद क्या नकली, बनावटी नहीं हैं? जब ऐसी तार्किक स्थापना हमारे बचपन में बैठा दी जाए, तो उसे कोई भी राजनीति, कोई भी धर्मगुरु अपने स्वार्थों के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकता।

इन्हीं सब कारणों से संयुक्त राष्ट्र ने 2001 से दुनिया भर में विश्व विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष दस नवंबर को मनाने का फैसला किया, जिससे कि सभी देश विज्ञान के तार्किक रास्ते से सुख, समृद्धि और विकास की तरफ अग्रसर हो सकें। क्या तीन सौ वर्ष पहले हम इतने सुखी थे? चेचक से लाखों मर जाते थे। इंग्लैंड के डॉक्टर जीनर ने रास्ता खोजा और पूरी दुनिया आज चेचक से मुक्त हो गई है। क्या यह किसी माता, देवी या पीर-पैगंबर की पूजा से संभव हो सकता है? पोलियो का कीटाणु दुनिया भर में लाखों लोगों को पंगृ बना देता था, आज हम उससे मुक्त हैं। पेंसिलीन, हैजा के टीके, बड़ी से बड़ी सर्जरी, कैंसर से पार पाना, यानी विज्ञान के बृते दुनिया आराम की जिंदगी जी रही है और इसीलिए मनुष्य की औसत आयु निरंतर बढ़ रही है। भारत का ही उदाहरण लें, तो आजादी के वक्त औसत आयु सिर्फ बत्तीस वर्ष थी, आज सत्तर वर्ष के करीब है। यह सिर्फ विज्ञान ने संभव करके दिखाया है। इसलिए सभी सरकारों का दायित्व है कुछ दिनों के लिए दूसरी बहसों को एक तरफ रख कर सिर्फ विज्ञान में दुनिया के देशों की बराबरी करने की तरकीब निकालें। इससे हमारे समाज में तो बुनियादी परिवर्तन आएगा ही, हमें अरबों रुपए के हथियार भी आयात नहीं करने पड़ेंगे, और न जीवन रक्षक दवाएं आयात करनी होंगी, जो हमारी अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रही हैं।

विज्ञान शिक्षा की तार्किकता और दर्शन से हमारे सामाजिक विज्ञान, इतिहास, राजनीति विज्ञान के शोध भी बदलेंगे और सही मायनों में हमारे विश्वविद्यालय भी। फिर हमारे बच्चे अमेरिका, इंग्लैंड नहीं भागेंगे। हमारे अतीत में जो भी विज्ञान की कसौटी पर अच्छा है उसे भी सहर्ष अपनाएं और दुनिया के मौजूदा ज्ञान को भी।

असलियत से आंख न चुराइए



थे पिछले सप्ताह, मीर तकी मीर का एक शेर बहुत याद आया मुझे। यह शेर है: 'जिस सर को गरूर आज है या ताजवरी का/ कल उस पे

यही शोर है फिर नौहागरी का।' यानी सत्ता इतनी नाजुक चीज है कि कभी भी चली जा सकती है। यह शेर और भी याद आया

जब प्रधानमंत्री ने उस शाम को भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते समय कहा कि उनको गर्व होना चाहिए कि इन दोनों राज्यों में पांच साल काम करने के बाद उनकी सरकारें फिर से लौट कर आई हैं। यथार्थ कुछ और है और ऐसा लगा जैसे मोदी इस यथार्थ का सामना करने के बजाय उससे दुर भागना चाहते हैं। क्या इसलिए कि उनको भी अहसास होने लगा है कि सत्ता नाजुक चीज है?

कहने को तो भारतीय जनता पार्टी की जीत हुई है दोनों राज्यों में, लेकिन इस जीत का विश्लेषण अगर किया जाए, तो साफ दिखने लगते हैं इस जीत में हार के कुछ छिपे हुए आसार। इसलिए कि जबसे नरेंद्र मोदी का दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ है तबसे भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं में एक

अजीब-सा घमंड नजर आने लगा है जैसे कि अब उनको हराने वाला कोई नहीं रहा है। यह घमंड चुनाव अभियान में अहंकार बन गया था, जिसके कारण ऐसा लगा जैसे जमीन से इन आला नेताओं का रिश्ता टूट गया हो। सो, जहां सबसे बड़े मुद्दे थे आर्थिक मंदी से जुड़े हुए, वहां चुनाव अभियान का सबसे बड़ा मुद्दा बनाया उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाने को। प्रधानमंत्री ने अपने हर भाषण में अपने प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती दी कि अगर इस धारा को हटाना उनको पसंद नहीं है तो खुल कर क्यों नहीं कहते हैं कि इसको वापस लाएंगे। जवाब उनको मिला शरद पावर से, जिन्होंने कहा कि इसके हटने न हटने से महाराष्ट्र को कोई मतलब नहीं है, क्योंकि इस राज्य के किसानों में क्षमता ही नहीं है कश्मीर में जाकर जमीन खरीदने की।

महाराष्ट्र में रहती हूं, सो यकीन मानिए जब मैं कहती हूं कि प्रधानमंत्री और अमित शाह ने बहुत कोशिश की अनुच्छेद 370

स दिन महाराष्ट्र और हरियाणा के नतीजे आए को सबसे महत्त्वपूर्ण मुद्दा बनाने की, लेकिन उनकी कोशिशें इसका अंतरराष्ट्रीयकरण हो चुका है। जब तक कश्मीर के बड़े नाकाम रहीं। आम लोगों से मैंने जब इसे समाप्त किए जाने के बारे में पूछा तो अक्सर जवाब मिला कि उनको ज्यादा चिंता थी ऑटो उद्योग में हजारों नौकरियों के जाने की। जब पंजाब और महाराष्ट्र कोआपरेटिव बैंक (पीएमसी) में घोटाला सामने आया



महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावों में अनुच्छेद तीन सौ सत्तर को हथियार बना कर इस्तेमाल करना गलत था। ऐसा करने से सवाल पूछने वालों की तादाद बढ़ी है।

आर्थिक मंदी और भी बड़ा मुद्दा बन गई थी, लेकिन इसको अनदेखा करके भारतीय जनता पार्टी के राजनेताओं ने अनुच्छेद 370 की ही रट लगाए रखी। ऐसे पेश आए जैसे अनुच्छेद 370 हटाए जाने का विरोध करना देशद्रोह के समान हो।

देशभिक्त एक ऐसी भावना है, जो दिल से निकलती है, उसे जबर्दस्ती नहीं थोपा जा सकता। मगर मोदी के इस दूसरे शासनकाल में देशभिक्त को जबर्दस्ती थोपने की लगातार कोशिश होती आई है। कश्मीर का विशेष दर्जा हटाए जाना जैसे परीक्षा बन गई है देशभिक्त की, बिना यह देखे कि जो लोग इस विशेष दर्जे को हटाए जाने के पक्ष में हैं उनको भी अब चिंता होने लगी है कि कश्मीर घाटी में शांति बहाल करने के लिए मोदी सरकार की कोई रणनीति है भी या नहीं, और अगर नहीं है तो क्यों नहीं है।

कश्मीर को अब हम अपना घरेलू मुद्दा नहीं कह सकते हैं।

राजनेता नजरबंद रहते हैं, जब तक घाटी में कर्फ्यू हर दूसरे दिन लगता रहता है, तब तक दुनिया सवाल उठाती रहेगी और भारत की बदनामी होती रहेगी, जैसे वॉशिंगटन में पिछले सप्ताह तब हुई जब अमेरिका की एक कोंग्रेस समिति ने दक्षिण एशिया में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर चर्चा की। चर्चा सिर्फ कश्मीर

> घाटी पर हुई। न किसी ने बलूचिस्तान का जिक्र किया और न ही किसी ने ध्यान दिलाया पाकिस्तान में शिया मुसलमानों के साथ हो रहे जुल्म की तरफ। सिर्फ कश्मीर की बातें हुईं, जिनको सुन कर ऐसा लगा कि भारत एक ऐसा देश है, जिसमें लोकतंत्र नहीं तानाशाही है। ऐसी चर्चाएं होती रहेंगी, जब तक कश्मीर घाटी में शांति बहाल नहीं होती और वह तभी होगी जब आम कश्मीरी को महसुस होने लगेगा कि वास्तव में अनुच्छेद 370 के हटने से उसकी भलाई है। तब तक मोदी सरकार की कश्मीर नीति पर सवाल पूछे जाएंगे। महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावों में

अनुच्छेद तीन सौ सत्तर को हथियार बना कर इस्तेमाल करना गलत था। ऐसा करने से सवाल पूछने वालों की तादाद बढ़ी है। मेरी राय है कि इस अनुच्छेद को कभी न कभी तो हटाया ही जाना था, लेकिन

मुझे भी चिंता होने लगी है कि अगले कदम के बारे में मोदी सरकार ने अभी तक सोचा ही नहीं है। कभी न कभी तो कर्प्यू हटाना पड़ेगा घाटी से, कभी न कभी तो कश्मीर के बड़े राजनेताओं को रिहा करना पड़ेगा, तब क्या होगा? क्या कोई रणनीति बनी है शांति वापस लाने की ? इन सवालों का वास्ता कश्मीर से है, किसी अन्य राज्य के चुनावों से नहीं। हर राज्य के अपने स्थानीय मुद्दे होते हैं, जिनको उठाए बगैर

चुनाव बेमतलब से हो जाते हैं आम मतदाता की नजरों में। सो, ऐसा हुआ है इन विधानसभा चुनावों में और पहली बार ऐसा लगने लगा है कि मोदी-शाह के आलीशान चुनावी रथ में थोड़ी-सी कमजोरी आ गई है। नहीं आई होती, तो लोकसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करने के कुछ ही महीनों बाद महाराष्ट्र और हरियाणा में कमजोरियां न दिखने लगी होतीं।

आधी थाली की उदासी

क एंकर ने एक्जिट पोल को एक तरफ अतिरिक्त झुका दिखाने वाले विश्लेषक को परिणाम आने से पहले ही विदा कर दिया, क्योंकि चुनाव

परिणाम उसके सर्वे को बुरी तरह से झूठा साबित करने वाले रहे। उधर दूसरे चैनल के एंकर द्वय ने अपने एक्जिट पोल वाले 'एक्सपर्ट' को उसकी 'जोखिम भरी सटीकता' पर मिठाई खिलाई!

परिणाम आने के पहले वाली शाम को सभी एक्जिट पोल भाजपा को महाराष्ट्र और हरियाणा दोनों राज्यों में 'स्वीप' करा

रहे थे। सिर्फ इंडिया टुडे पर प्रदीप गुप्ता ने एक दिन बाद अपना एक्जिट पोल देकर बताया कि किसी का स्वीप कहीं नहीं है और हरियाणा में तो लटकंत विधानसभा होगी।

और जब परिणाम आए तो यही होता दिखा! वृहस्पतिवार को दोपहर तक हरियाणा में भाजपा चालीस पर अटक चुकी थी और कांग्रेस इकतीस तक आ चुकी थी।

चर्चा के ऐन बीच चुनाव के पुराने विश्लेषक योगेंद्र यादव तक ने औरों के 'अतिरंजित एक्जिट पोल' दिखाने वालों के बीच 'कड़वा सच' बताने का साहस दिखाने वाले प्रदीप गुप्ता को खुल कर बधाई दी!

चर्चाकार पहली बार खुले कि राष्ट्रवाद, तीन सौ सत्तर नहीं चले, स्थानीय मुद्दे ही चले।

फिर भी भाजपा प्रवक्ता अपनी पर अंडे रहे कि दोनों राज्यों में सरकारें हमीं बनाएंगे!एक एंकर एक भाजपा वाले से बोला कि सर जी ये आपके लिए 'चेतावनी' है, 'वेकअप काल' है, यानी कि समय रहते जाग जाइए, वरना आगे बड़ा झटका भी लग सकता है।

बहुत दिन बाद कई भक्त चैनलों की बहसों तक में जान आई। कुछ एंकरों ने दो टूक बातें कहने का साहस दिखाया। एक एंकर ने कहा कि हरियाणा के जाटों ने शायद इस बार

तय कर लिया कि भाजपा को सबक सिखाना है। एक चर्चक बोला : भाजपा अजेय है, यह मिथ टूट चुका है! एक ने चूटकी ली कि 'अबकी बार सत्तर पार' कहने वाले

चालीस भी पार न कर सके! हरियाणा के परिणामों ने कांग्रेस को भाजपा को ठोकने का मौका दे दिया। कांग्रेस के आनंद शर्मा ने कहा कि बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और आर्थिक संकट आदि जनता के मुद्दे

थे. जबिक भाजपा अहंकार और प्रचार में बह गई थी। जनता चतुर है। उसने सबको संतुलन में ला दिया! यह एक बड़े परिवर्तन की शुरुआत है।

इसके बाद के सीन कुछ अजीब दिखे। जिस वक्त फडणवीस बोल रहे थे. ठीक उसी वक्त पीएम वाराणसी के लोगों को संबोधित करते दिखे। हम समझे कि अब चैनल पीएम के संबोधन को वरीयता देंगे, लेकिन ऐसा न हुआ। कई चैनलों े ने 'स्प्लिट स्क्रीन' करके दिखाना शुरू किया। लेकिन कई चैनलों में फडणवीस बोलते दिखते रहे और पीएम को साइलेंट

बारवदर सधीश पन्नौरी

सबसे स्पर्धात्मक दृश्य महाराष्ट्र के चुनावों के बाद दिखे। पहले उद्धव टाकरे ने प्रेस को बताया कि पिछले चुनाव के पहले भाजपा अध्यक्ष घर आए थे, तब उनके साथ महाराष्ट्र में

'फिफ्टी-फिफ्टी सीएम' वाले फार्मूले पर सहमति हुई थी। हम उस पर कायम हैं।

दिखाते रहे! हमें तो यह शुद्ध बदतमीजी लगी!

इन परिणामों ने बेचारे लड्डुओं को एकदम भूमिका विहीन

सुबह सुबह एक हिंदी चैनल एक जगह बड़े उत्साह से बहुत से लड्डू बनते दिखा रहा था, लेकिन शाम तक उसने भी लड्डुओं की थालियां तक गायब कर दीं!

लेकिन हरियाणा में न लड्डू दिखे, न बहुत ढोल-नगाड़े! शायद इसी वजह से भाजपा कार्यकर्ताओं को हौसला बढाने के लिए भाजपा के मुख्यालय में एक धन्यवाद सभा की गई,

जिसमें भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने कार्यकर्ताओं को प्रबोधा।

पहली बार कार्यकर्ताओं में पुराने वाला वह जोश-खरोश नहीं

सिर्फ मुंबई में कुछ पटाखे फटते और ढोल बजते सुनाई दिए,

दिखा. जो अक्सर ऐसे अवसरों पर अक्सर दिखता रहा है।

यों चिंदबरम इडी की गिरफ्त में हैं. मगर ज्यों ही चैनलों के कैमरे चिदंबरम की ओर लपके, त्यों ही उन्होंने एक लाइन वाला तीर चला कर खबर बना दी कि 'खामोश देश भक्ति ने पहलवान छाप राष्ट्रवाद को पटखनी दी है!'

इस सप्ताह साथियों को सबसे अधिक निराश किया तो नोबेल प्राप्त भाई अभिजीत बनर्जी ने। एक चैनल ने एक बातचीत का प्रसारण कर उनके लच्छन पहले ही जता दिए थे कि भाई जी लेफ्ट-राइट करने की जगह एकदम

'प्रैक्टीकल' बंदे हैं और 'यादुच्छिक नियंत्रित परीक्षण' नामक 'विकासमूलक तकनीक' के जरिए केंद्र और राज्य सरकारों की सेवा के लिए तैयार हैं। कथित जेएनयू ब्रांड 'क्रांतिकारिता' पीएम से भेंट करने के बाद पीएम की मुक्तकंठ से प्रशंसा करती दिखी।

आश्चर्य कि किसी चैनल ने पलट कर जेएनयू के क्रांतिकारी साथियों से न पूछा कि आदरणीय के प्रति अब आपके क्या विचार हैं?

सबसे स्पर्धात्मक दृश्य महाराष्ट्र के चुनावों के बाद दिखे। पहले उद्धव ठाकरे ने प्रेस को बताया कि पिछले चुनाव के पहले भाजपा अध्यक्ष घर आए थे, तब उनके साथ महाराष्ट्र में 'फिफ्टी-फिफ्टी सीएम' वाले फार्मूले पर सहमित हुई थी। हम उस पर कायम हैं। इसका मतलब था कि पहले ढाई साल शिवसेना का सीएम रहेगा, बाकी ढाई बरस भाजपा का सीएम

रहेगा। इसी के तहत शिवसेना ने तो चुनाव के पहले ही आदित्य ठाकरे को सीएम बनाने की बात कह दी थी!

हाय! कहां पूरी थाली और कहां आधी थाली! यह है : आधी थाली की उदासी।

इस बीच एक दिन केंद्रीय कैबिनेट ने दिल्ली की लगभग सत्रह सौ अनिधकृत कॉलोनियों को अधिकृत करने का एलान कर दिया। इसका चुनावी हेतु तब और साफ हुआ, जब केंद्रीय शहरी विकास मंत्री ने इस फैसले की वजाहत करते हुए कहा कि इस फैसले से दिल्ली के चालीस से पचास लाख लोग लाभान्वित होंगे! यानी इस हाथ ले उस हाथ दे!

लेकिन, ध्यान रहे कि दिल्ली के 'दादा' केजरीवाल हैं और वे कोई 'हुडा' या 'पवार' नहीं हैं!

किताबें मिलीं

धूप में नंगे पांव

ह विधाओं के अपना आकार खोने, नए आयाम सृजित करने, विधाओं के एक-दूसरे से गलबहियां करते आगे बढ़ने का समय है। यही वजह



स्वयं प्रकाश का यह कथेतर, धप में नंगे पांव पारंपरिक विधाओं के सांचों को तोड़ता है। कहीं तो यह यात्रावृत्त है, तो कहीं डायरी, कहीं संस्मरण और फिर पढ़ते हुए इसमें कहीं आत्मकथा की झलक भी मिलती है, जिसमें पाठकों को

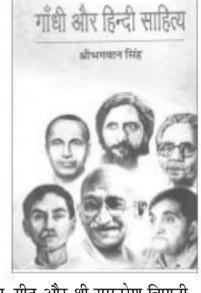
विविधता का एक जीवंत संसार मिलता है। 'धूप में नंगे पांव' को कहानीकार की कार्यशाला की एक झांकी भी कहा जा सकता है, जहां स्वयं प्रकाश का वह संसार है, जो अब तक उनके लेखन में नहीं आया। किताब शुरू होती है जब वे नौकरी करने घर से निकले और खत्म वहां होती है जब वे सेवानिवृत्त होकर घर लौटते हैं। इस अवधि की गहमागहमी और कशमकश का पूरा लेखा-जोखा है इसमें कि कैसे जीवन की जदोजहद ने स्वयं प्रकाश का लेखक रूप गढ़ने में अहम भूमिका निभाई।

धूप में नंगे पांव : स्वयं प्रकाश; राजपाल एंड सन्ज, 1590, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट. दिल्ली: 395 रुपए।

गांधी और हिंदी साहित्य

ब गांधी को लेकर विदेशी लेखक इतने मनोयोग से लेख और किताबें लिख रहे थे, तब भला यह कैसे संभव था कि जिस भारत की राजनीतिक स्वाधीनता और सामाजिक पुनरुत्थान-

परिष्कार के लिए गांधीजी जी-जान से लगे हुए थे, वहां के लेखकों-साहित्यकारों का ध्यान ऐसे व्यक्ति की ओर न जाता। विभिन्न भारतीय भाषाओं में भी गांधी को लेकर कविता, कहानी, उपन्यास आदि विधाओं में लिखा जाने लगा- जीते-जी गांधी एक साहित्यिक मिथक के रूप में कायांतरित हो गए। इस कार्य में हिंदी साहित्य भी पीछे नहीं रहा। गांधी का समकालीन हिंदी रचनाशीलता पर कितना जबर्दस्त प्रभाव पडा. उसे लक्ष्य करते हए हमारे एक प्रसिद्ध समीक्षक पंडित नंददुलारे वाजपेयी अपने एक निबंध में लिखते हैं- 'गांधी जी द्वारा प्रवर्तित राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन की पहली ही



हलचल में सियारामशरण जी के भावुकतापूर्ण आख्यान-गीत और श्री रामनरेश त्रिपाठी की 'सुमन', 'पथिक' और 'मिलन' जैसी रचनाएं प्रकाशित हुईं। ठाकुर गोपालशरण सिंह की रचनाओं में एक नया प्रभाव देखा गया और श्री गया प्रसाद 'स्नेही' जी तो अत्यंत सीधी और प्रभावपूर्ण राजनीतिक कविता करने लगे। राष्ट्रीय आंदोलन की इस पहली बहार में ही हिंदी साहित्य को नए कवियों और लेखकों का उपहार मिला।' प्रस्तुत पुस्तक में संकलित निबंधों में श्रीभगवान सिंह ने हिंदी साहित्य के संदर्भ में गांधी के ऐसे ही प्रभाव को विवेचित करने का प्रयास किया है।

हिंदी साहित्य के संदर्भ में गांधी के प्रभाव को दो रूपों में देखा जा सकता है। पहला रूप वह है जिसमें गांधी एक व्यक्ति के रूप में, एक राष्ट्रनायक के रूप में, एक सत्याग्रही योद्धा के रूप में साहित्यिक रचनाओं में वर्ण्य-विषय बनते हैं। ऐसी रचनाओं में सीधे-सीधे गांधी को संबोधित करते, उनके विचारों तथा कार्यों को प्रशंसात्मक अंदाज में उतारने के उपक्रम दिखाई पडते हैं। यह सब गांधी के जीवनकाल में हुआ ही, उनके जाने के बाद भी साहित्यकारों ने गांधी को अपने लेखन का विषय बनाने से परहेज नहीं किया।

गांधी और हिंदी साहित्य : श्रीभगवान सिंह; यश पब्लिकेशंस, 1/10753, सुभाष पार्क, नवीन शाहदरा, दिल्ली; 395 रुपए।

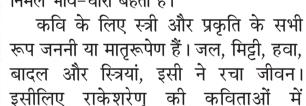
इसी से बचा जीवन

शाहदरा, दिल्ली; 125 रुपए।

इसी से बचा जीवन

केशरेणु की कविताओं को पढ़ते हुए एक समर्थ काव्य-यात्री का परिचय मिलता है। उनका सधा हुआ शब्द-संयोजन आत्मीयता का बोध कराता है। राकेशरेणु अपनी तरह के अकेले कवि हैं। शुरू

से ही वे सादगी, स्वच्छता और लापरवाही के साथ कदम बढ़ाते रहे हैं। उनका लिखना भी मंद गति से होता रहा है। पहले कविता संग्रह 'रोजनामचा' के पचीस वर्षों के बाद दूसरे संग्रह 'इसी से बचा जीवन' का प्रकाशित होना यह प्रमाणित करता है कि वे कम और सार्थक लिखने में विश्वास करते हैं। जीवन और प्रकृति से नैसर्गिक लगाव के कारण इन कविताओं में प्रेम, अपनत्व और ममत्व की निर्मल भाव–धारा बहती है।



कृतज्ञताबोध है। सहजता, प्रसन्नता और कृतज्ञता से अनुप्राणित इन कविताओं का फलक विस्तृत है और व्यक्तित्व बहुआयामी। समकालीन कविता में जब एकरसता और जड़ता का शिल्प और वस्तु दोनों रूपों में प्रसार हो चुका हो ऐसे समय में ये कविताएं स्वच्छ हवा के झोकों की तरह तरोताजा करती हैं।

धरती हवा और जल की तरह राकेशरेणु की कविताएं जीवन के आधार और आवश्यकताओं की उन तमाम शिराओं को अवलंब देती हैं, जिनकी चेतना से समकालीन जीवन का वैभव वंचित है। वे मातृ चेतना से समृद्ध भाव सत्ता को अपनी कविताओं में जगह देते हैं और उसकी महत्ता को स्थापित करते हैं। उनकी कविताएं सहजता के छंद में प्रवाहित उदात्त चेतना की सरल अभिव्यक्ति हैं।

इसी से बचा जीवन : राकेशरेणु; लोकमित्र, 1/6588, पूर्वी रोहतास नगर,

निराला की काव्यभाषा

राला के प्रगीत और भाषाविज्ञान का प्रजनक प्रतिमान काव्यभाषा के सिद्धांतों को निरूपित करने वाला विषय है, वहीं आनुप्रयोगिक सफलता और सार्थकता का निशला की उदघाटन करने वाला भी है।

काव्यभाषिक अध्ययन में अनेक प्रतिमान समर्थ हो सकते हैं, लेकिन प्रजनक प्रतिमान को पादर्श के रूप में आधार बनाना एक नई पहल है। इसमें सिद्धांत और प्रयोग दोनों ही दिशाओं के आधार पर लागु करने का प्रयास किया गया है। दोनों ही प्रकार के वर्णन को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया गया है। काव्यभाषा को सामान्य भाषा माना जाए या विशेष भाषा, इसमें विभिन्न विद्वानों के अलग-अलग मत प्राप्य हैं। प्रस्तृत पुस्तक में दांते, अरस्तु, वर्ड्सवर्थ, वारफील्ड के विचारों के परिप्रेक्ष्य में काव्यभाषा के

epaper.jansatta.com



सामान्य भाषा या विशेष भाषा के बीच के अंतर्संबंध पर प्रकाश डाला गया है। विभिन्न विद्वानों द्वारा काव्यभाषा के विभिन्न प्रकायों का विवेचन भी काव्यभाषा की सामान्यता और विशिष्टता दर्शाने के लिए विवेचित हैं।

इस किताब में काव्यभाषा अध्ययन के भारतीय और पाश्चात्य निकायों जैसे रसवादी, शब्दशक्तिवादी, वाक्यवादी, अलंकारवादी, रीतिवादी, वक्रोक्तिवादी, ध्वनिवादी और रीतिवादी निकायों के अलावा प्लेटो, अरस्तु, देमेत्रिअस, हौरेस, लौंजाइनस आदि के काव्यभाषा संबंधित विचारों का विवेचन किया गया है।

निराला की काव्यभाषा : वीणा शर्मा; संजय प्रकाशन, 4378/4 डी, 209 जेएमडी हाउस, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली; 995 रुपए।

लोक परिदृश्य

लोक और शास्त्र में द्वंद्व कभी नहीं रहा। दोनों के बीच सहकारिता का संबंध ही रहा है। शास्त्र हमेशा लोक से रस खींचता, उसे परिष्कृत और खुद को समृद्ध करता रहा है। पर आधुनिकता के प्रभाव ने इन दोनों के बीच द्वंद्व–सा रच दिया। इस तरह लोक और शास्त्र, गांव और शहर में बंट गए। इससे बहुत कुछ बदल गया। शहर का अर्थ-प्रधान वैभव गांव यानी लोक को आकर्षित करने लगा और वह धीरे-धीरे शहर की तरफ खिसकता चला गया। इसकी वजह से लोक का मूल स्वरूप काफी कुछ खत्म होता गया। इस बार की चर्चा बदलते लोक परिदृश्य पर। - संपादक

छीजती सामुदायिकता

राजेश मल्ल

रतीय संस्कृति का सारा ताना-बाना गांवों से बना है। प्रेम, नफरत, तीज, त्योहार, सुख-दुख, बोलना-चलना, सम्मान, प्रणाम-व्यवहार सब कुछ भीतर मौजूद व्यापक ग्रामीण क्षेत्रों के फसल चक्र तथा जोत

के स्वरूप से एक सामृहिक लय की तरह बंधा हुआ है। लेकिन आज नगरीय बाजारवादी संस्कृति उसे निगल रही है। बढ़ते कंक्रीट के जंगल ने जीवन रस के सोते को ढक दिया है। रोजी-रोजगार के लिए भारी संख्या में हुए पलायन तथा किसानी के लगातार अलाभकारी होते जाने से एक तरफ गांव उजड़ रहे हैं, तो दूसरी तरफ गांव की व्यापक सामूहिक संस्कृति। आज सामूहिक संस्कृति का सहकार विकृत हो चला है। भारी निराशा के बीच अपसंस्कृति के व्यापक फैलाव ने जीवन के बारे में पुरानी रिवायतों को पीछे ढकेल दिया है। सच्चे अर्थों में ग्रामीण संस्कृति के उस आधार को छिन्न-भिन्न कर दिया है, जो मनुष्यता तथा भाई-चारे की मूल भावना से संचालित होती थी। सामूहिकता, साझापन, हार्दिकता और सहकार गंवई जीवन की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता रही है, जो दुर्लभ होती जा रही है।

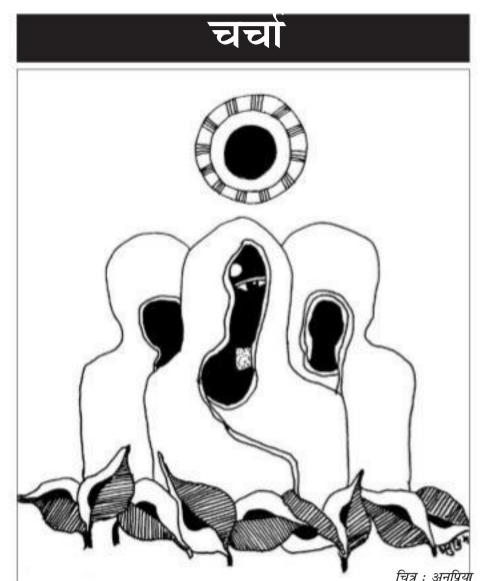
भारतीय संस्कृति के अध्येताओं ने ग्रामीण संस्कृति पर जोर देते हुए 'एग्रीकल्चर' में मौजूद 'कल्चर' को ही सच्ची संस्कृति तक कहा है। सच भी यह है कि जिस देश की लगभग सत्तर प्रतिशत आबादी कृषि पर आधारित है, उसकी संस्कृति उससे विलग कैसे निर्मित हो सकती है। लेकिन बढ़ते उपभोक्तावाद तथा बाजारवादी व्यवस्था से उपजी संस्कृति ने सहकार, साझापन और हार्दिकता को समाप्त कर दिया है।

भारतीय संस्कृति की आधारभूत संरचना ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था पर टिकी हुई है। हजारों वर्षों की इस सुदीर्घ परंपरा का निर्वहन इसी सामूहिकता, साझापन, हार्दिकता के भीतर संचरित मनुष्यता का भाव हमारी महान विरासत है। जिन आचार्यों ने जातिगत तथा धार्मिक कारकों को आधार बना कर इसे समझने की कोशिश की है, उनके अध्ययन के अधूरेपन को हर मेले-ठेले, तीज-त्योहार, जुताई-बुआई और शादी-ब्याह में होने वाली हर जुटान प्रमाणित करती रही है। यह भी आश्चर्य का विषय है कि ग्रामीण सामदायिक व्यवस्था पर हुए अध्ययनों को चुप्पी साध कर या गैरजरूरी मान कर क्यों दरिकनार कर दिया जाता रहा है।

भारतीय ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था के बारे में महत्त्वपूर्ण विमर्श कार्ल मार्क्स ने अपने एशिया संबंधी अध्ययन में भारत की सबसे बडी विशेषता के रूप में रेखांकित करते हुए किया है। उनका स्पष्ट मत है कि भारतीय इतिहास में जो भी परिवर्तन घटित हुए, वे ऊपरी तौर पर हुए। भारतीय ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था की मूलभूत संरचना पर उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। सदियों से यह ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था अपरिवर्तनीय रही है। उत्पादन तथा वितरण का एक स्वतंत्र इकाई के रूप में इसकी मौजूदगी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। सहकार और साझापन के साथ। कंपनी राज ने उसे तोड़ दिया है। सन 1857 का यह विद्रोह भारतीय समाज की भीतरी हलचल का परिणाम है। सन 1853 से लेकर 1859 तक लिखे अपने बहुत सारे विश्लेषणों में मार्क्स ने कई निष्कर्ष दिए हैं, लेकिन सबके भीतर उन्होंने भारतीय ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था के स्वरूप को रेखांकित किया है।

इस क्रम में भारतीय ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था पर बेहद महत्त्वपूर्ण कार्य प्रोफेसर योगेंद्र सिंह ने किया है। उन्होंने भारतीय ग्रामीण सामदायिक व्यवस्था को स्वायत्त इकाई के रूप में देखा है। उन्होंने अपने विस्तृत अध्ययन में पाया है कि ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था हमें दुनिया के तमाम

समाजों से कैसे अलग और विशिष्ट बनाती है। प्रसिद्ध समाजशास्त्री श्यामा चरण दुबे ने भारतीय ग्राम नाम से महत्त्वपूर्ण अध्ययन किया है। उनकी स्थापना है कि बदली हुई परिस्थितियों में भी गांव में अभी तक बहुत सारी सामृहिकता तथा साझापन मौजूद है। हालांकि यह अध्ययन थोड़ा पहले का है। इस क्रम में सबसे महत्त्वपूर्ण चिंतन गांधीजी का है। 'हिंद स्वराज' लिख कर जैसे उन्होंने भारतीय ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था को जीवित करने की प्रस्तावना ही कर दिया। बाद के दिनों में उन्होंने ग्राम स्वराज जैसी ठोस अवधारणा देकर आजादी का एक मुक्कमल रूप दिया, जो कई अर्थों में आज भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। कुल मिलाकर यह है कि



ग्रामीण समाज एक तरह से औद्योगिक नगरीय समाज का उपनिवेश बन गया है। इसी रूप में हम आज एक गहरे सांस्कृतिक संकट से जूझ रहे हैं। विमर्श की दिशाएं बदल गई हैं। जो लोग गांव से शहर आकर पढ-लिख रहे हैं उनके जीवन से भी गांव की हार्दिकता गायब हो गई है।

ंग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था भारतीय सामाज की विशिष्टता रही है और संस्कृति विमर्श भी इसके भीतर ही बनता है।

ग्रामीण संस्कृति के विघटन की कहानी ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था के विघटन की कहानी से गुंथी हुई है। यहीं से आजादी तथा गुलामी के संदर्भ भी स्पष्ट होते हैं और हिंदु मुसलिम विमर्श की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भी अयां हो जाती है। ध्यान देने की बात है कि विक्रमादित्य से लेकर अंग्रेजों के आने के पहले तक भारतीय ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था अविरल गति से प्रवाहित होती रही है। जोत तथा कर का सामूहिक दायित्व में कोई बड़ा परिवर्तन घटित होता

नहीं दिखाई देता है। कर वसूली के लिए भी कोई विचौलिया नहीं था। सन 1793 में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा स्थायी बंदोबस्त लागू किए जाने के बाद से ही ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था में हस्तक्षेप हुआ। जमींदारी प्रथा का यहीं से आरंभ हुआ। गांव और किसानी की बर्बादी का यह नया रूप भारतीय जनता ने पहली बार देखा सन 1857 के विद्रोह में पहली बार व्यापक जन-भागीदारी का यही महत्त्वपूर्ण कारण था। इसी नुक्ते से हमें गांधीजी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को समझने का प्रयास करना चाहिए।

प्राचीन ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था और गांधीजी के ग्राम स्वराज को मिला कर देखा जाए जो संभव नहीं हुआ तो दूसरी तरफ पहले कंपनी तथा बाद में अंग्रेजी राज और अब नगरीय औद्योगिक समाज के उपनिवेश के रूप में ग्रामीण समाज को देखा-समझा जाए, जो आज है, तो कृषि आधारित भारतीय संस्कृति के संकट को व्याख्यायित किया जा सकता है। उपनिवेश-दर-उपनिवेश तथा नए कारपोरेट के प्रभाव ने संपूर्ण ग्रामीण जीवन को कुचल दिया है। सामृहिकता, साझापन और हार्दिकता नष्ट-भ्रष्ट हो गई है। चुंकि इस दिशा में हमारा चिंतन अवरुद्ध है, इसलिए ग्रामीण संस्कृति में मौजूद स्वाधीनता और स्वायत्तता का मूल्य ही हम भूला बैठे हैं।

सच्चाई तो यह है कि ग्रामीण समाज एक तरह से औद्योगिक नगरीय समाज का उपनिवेश बन गया है। इसी रूप में हम आज एक गहरे सांस्कृतिक संकट से जूझ रहे हैं। विमर्श की दिशाएं बदल गई हैं। जो लोग गांव से शहर आकर पढ़-लिख रहे हैं उनके जीवन से भी गांव की हार्दिकता गायब हो गई है।

इस संदर्भ में ध्यान देने की बात यह है कि ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था में किसी भी तरह का उत्पीड़न नहीं था, ऐसी कोई मान्यता किसी की न है, न होनी चाहिए, लेकिन उसके भीतर आधुनिक समाज की बीमारियों से बचाव के उपाय मौजूद थे। इसी वजह से एक तरह से अति तक जाकर गांधी जाति-व्यवस्था को जायज ठहराने लगते हैं। हालांकि आज किसी भी तरह से इसे सही नहीं ठहराया जा सकता है। पर आज यदि सामूहिकता, साझापन और हार्दिकता को समाज तथा संस्कृति में जीवित करना है, तो बार-बार भारतीय ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था तथा ग्राम स्वराज की अवधारणा की ओर बढ़ना होगा।

गांव, ग्रामीण जीवन और संस्कृति को अगर जीवित रखना है तो संपूर्ण उपनिवेशवादी विचार चिंतन से मुक्त होकर अपने विमर्श के केंद्र में मनुष्य और गांव को रखना होगा। क्रांतिकारी भूमि सुधार लागु करना होगा। सच्चे अर्थों में मजबूत और स्वायत्त ग्रामीण इकाइयों की स्थापना करनी होगी। गांव, शहरों के बीच उपनिवेश के नहीं, सहकार के संबंध बहाल करने होंगे। कारपोरेट और बाजार के आक्रमण को रोकना होगा। क्या यह संभव होगा! ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था और ग्राम स्वराज का स्वप्न। सहकार, साझापन और हार्दिकता का भाव, जो हमारी सबसे बडी ताकत है, वह बहाल हो पाएगी। शायद अब देर हो गई है। हां एक बात जरूर हो सकती है कि हम अपने विमर्श के केंद्र में ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था और ग्राम स्वराज को रख कर अध्ययन को आगे बढ़ाएं। ग्रामीण संस्कृति में मौजूद सहकार और हार्दिकता को जीवित रखने का प्रयास करें।

कुछ नहीं तो ग्रामीण सामुदायिक व्यवस्था का अध्ययन जो छूट-सा गया है, उसे नए सिरे से शुरू तो किया ही जा सकता है, जिसे हमने उपनिवेशवाद के दौरान कैसे खो दिया या आज नगरीय औद्योगिक बाजारवाद ने कैसे निगल रहा है उसे समझ तो सकें। कैसे हमने अपने जीवन से हार्दिकता को विदाई दी है उसका शोकगीत तो गा सकें।

लोक की जगह

आनंद शुक्ल

दियों से आम भारतीय के जीवन और संवेदना के केंद्र

में लोक रहा है, जिसका प्रतिनिधित्व गांव और वहां रहने वाले लोग करते हैं। अरसे तक गांव सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक मामलों में स्वायत्त और आत्मनिर्भर रहे। ब्रिटिश शासन काल में लागू की गई उपनिवेशवादी आर्थिक नीतियों ने गांवों के परंपरागत ढांचे को तोड़ते हुए एक नई व्यवस्था का सूत्रपात किया, जिसमें आवागमन के साधनों और बाजार

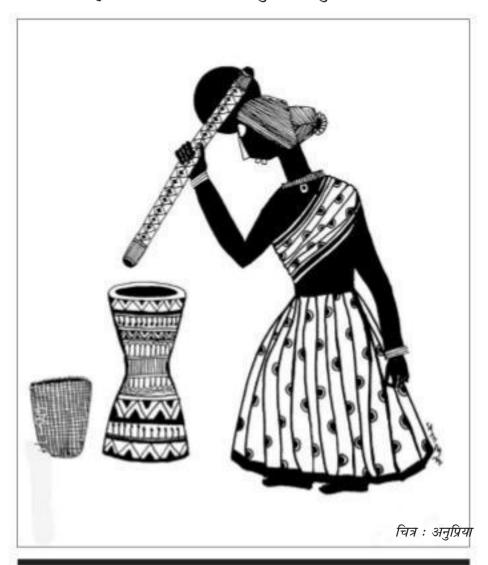
के विस्तार से शहरों का विकास हुआ। शहर केंद्रित व्यवस्था साम्राज्यवादी हितों के पोषण और संरक्षण की दृष्टि से अधिक अनुकूल और लाभकारी थी। इसका परिणाम गांवों के विकास को उपेक्षित किए जाने और अंततः शहरों की तुलना में निरंतर पिछड़ते जाने के रूप में सामने आया। शहरों में भी विकास और उससे उपजी संपन्नता एक खास वर्ग के पास केंद्रित हो गई और बहुसंख्यक आबादी की स्थिति पिछडते गांवों के लोगों जैसी या उससे भी बदतर होती गई।

आजादी के आंदोलन के दौर में महात्मा गांधी ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा था कि 'आज संसार में दो प्रकार की विचारधाराएं प्रचलित हैं। एक विचारधारा जगत को शहरों में बांटना चाहती है और दूसरी उसे गांवों में बांटना चाहती है। गांवों की सभ्यता और शहरों की सभ्यता दोनों एक-दूसरे से बिलकुल भिन्न हैं। शहरों की सभ्यता यंत्रों पर और उद्योगीकरण पर निर्भर करती है और गांवों की सभ्यता हाथ-उद्योगों पर निर्भर करती है। हमने दूसरी सभ्यता को पसंद किया है।' पर आजादी मिलने के बाद औपनिवेशिक शासनकाल के आर्थिक शोषण और दमन से जर्जर हो चुके देश का नवनिर्माण करने के लिए विकास के जिस मॉडल को अपनाया गया, वह पूंजीवाद और समाजवाद का मिलाजुला रूप था। यह नई व्यवस्था अपने कंधों पर आए भार, अंतर्निहित असंगतियों और अंतर्विरोधों के कारण निर्धारित लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सकी और अंततः वैश्विक और स्थानीय दबावों के आगे ढह गई। बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक से विकास का एक मुक्त, उदारवादी, नवपूंजीवादी माडॅल आया, जिसके परिणाम हम सबके सामने हैं।

गांवों में रहने वाली बहुसंख्यक आबादी जीने की मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। उसे जीने के अधिकार के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। दूसरी ओर शहर का 'अमूर्त-सा तिलस्मी आभालोक शोषण की सभ्यता का राक्षसी दुर्ग' प्रतीत होता है। समाज का उच्च वर्ग भौतिक सुविधाओं से संपन्न है और विलासिता में डूबा हुआ है। पुंजीवादी समाज व्यवस्था के इसी शोषक वर्ग ने शहरों का विकास किया है। यद्यपि शहर में दोनों वर्गों के लोग रहते हैं पर उनकी जीवन स्थितियों में जमीन-आसमान का अंतर है। शहरीकरण की प्रवृत्ति से मुठ्ठी भर अमीरों को ही लाभ हो रहा है, जबकि बहुसंख्यक गरीब शहरों में और अधिक उपेक्षित होकर गंदी-तंग बस्तियों में जीने को मजबूर हैं। उद्योगीकरण और मशीनीकरण का लाभ केवल पूंजीपितयों को हुआ है, गरीब जनता इनसे और भी शोषित हो रही है।

दरअसल, आजादी के सात दशक गुजर जाने के बाद भी गांव हो या शहर, निम्न और निम्न मध्यवर्ग की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक जीवन स्थितियों में कोई व्यापक और महत्त्वपूर्ण बदलाव नहीं आया है। सामंती समाज व्यवस्था और धार्मिक जकड़बंदियों से कई स्तरों पर मुक्ति के बावजूद समकालीन राज-व्यवस्था, संवैधानिक प्रावधानों, आधृनिक शिक्षा और विचारों के

प्रवाह, आर्थिक विकास तथा सांस्कृतिक समावेशन के वर्तमान दौर में भी स्त्रियों, दलितों, आदिवासियों, पीड़ितों और उपेक्षितों के प्रति अवमानना, अत्याचार और शोषण में कमी नहीं आई है। इन समूहों में शताब्दियों से बरती जा रही भेदभाव की नीति, अपने विकास के लिए छटपटाहट और उसके मार्ग में अवरोध उपस्थित करने वाली व्यवस्था के प्रति सतत आक्रोश दृष्टिगोचर होता है। स्त्रियों के प्रति हिंसा, यौन शोषण, बलात्कार और भेदभाव दोनों जगहों में बढ़ा ही है। गांव और कस्बों के समान ही नगरों-महानगरों में भी दलितों को अपमानित किए जाने की प्रवृत्ति का तेजी से विकास हुआ है। कुल मिलाकर परंपरागत



शहर अब उतने सभावनाशील, जीवत और मानवीय नहीं रह गए हैं, जितने पहले कभी थे। गांवों में जीविकोपार्जन के उपायों के निरंतर छीजते जाने और नए किस्म के शहरीकरण ने गांव-शहर के बीच के अंतर को न केवल बढ़ाया, बल्कि दोनों के बीच के संवाद को कमजोर भी किया है।

सामाजिक बंधनों, जातीय और लैंगिक पूर्वाग्रहों, सांस्कृतिक उपनिवेशीकरण, राजनीतिक अस्थिरता, भूमंडलीकरण और बाजारवाद के दुष्परिणामों तथा मीडिया एवं विज्ञापन जगत के अनैतिक लक्ष्यों से प्रभावित परिदृश्य में समाज की मुख्यधारा के किनारे फेंक दिए गए इन अदृश्य लोगों की लड़ाई आज पहले से अधिक तीव्र हो गई है।

आज भी निम्न एवं निम्न मध्यवर्ग की स्थिति गांव और शहर दोनों जगहों पर लगभग एक जैसी है। आधारभूत भौतिक सुविधाओं के लिए निरंतर संघर्ष करते हुए त्रासद स्थितियों में जीने के लिए अभिशप्त है। गांवों में खेत भले ही हरे-भरे दिख जाएं, पर खलिहान खाली हैं। किसान

के पास न तो मान बचा है और न ही अनाज। विगत दो दशकों में दो लाख से अधिक किसानों ने आत्महत्या की है, जिसका मूल कारण कर्ज की समस्या है। फसल खराब होने और बीज खरीदने तक की हैसियत न रह पाने के आगे परिवार की परवरिश और मामूली सपनों को पूरा करने की ख्वाहिशें बेगानी लगने लगती हैं। सरकार के कागजी दावों और रंगीन विज्ञापनों के बावजूद गांव अभी तक शहरों से पिछड़े ही हैं। वहां न काम है, न सड़क, न बिजली, न पर्याप्त स्कूल और न ही अस्पताल। गांवों से बड़े पैमाने पर युवाओं का पलायन हो रहा है और शहर आकर वे दो जून की रोटी कमाने के लिए हाडतोड मेहनत कर रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी में औद्योगिक-तकनीकी विकास की इकहरी-त्रुटिपूर्ण नीति के दुष्परिणामों ने किसानों और आदिवासियों के सामने जल, जंगल और जमीन के नए मसले ला खड़े किए हैं। आज किसान और आदिवासी 'विकास' के नित नए मॉडलों को लेकर परेशान हैं। बीते वर्षों में 'सेज' के नाम पर विकास का जो तथाकथित रोजगारपरक संरचनात्मक विकास का लुभावना मॉडल पेश किया गया, वह भी अपर्याप्त ही साबित हुआ है। भूमि सुधारों और पंचायती राज व्यवस्था का अपेक्षित लाभ निचले स्तर तक नहीं पहुंच सका है। सरकारी तंत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता के अभाव के कारण गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्न पूरी तरह सुलझे नहीं हैं। नतीजतन असंतोष और प्रतिरोध की भावना पहले से बढी है।

वर्तमान में महानगरों और छोटे-बड़े शहरों की संख्या पांच हजार से अधिक है, जिनमें आबादी और घनत्व निरंतर बढ़ा है। इन शहरों में अधिकांश लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हुए रोजी-रोटी की अनिश्चितता से जूझ रहे हैं। नई बनती-बिगड़ती अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास ने गांव से शहर आकर काम करने वालों के सामने भी अवसर की अनुपलब्धता की चुनौतियां पेश करनी शुरू कर दी हैं। शहर अब उतने संभावनाशील, जीवंत और मानवीय नहीं रह गए हैं, जितने पहले कभी थे। गांवों में जीविकोपार्जन के उपायों के निरंतर छीजते जाने और नए किस्म के शहरीकरण ने गांव-शहर के बीच के अंतर को न केवल बढ़ाया, बल्कि दोनों के बीच के संवाद को कमजोर भी किया है। महानगरों की भौतिक संरचना और भव्यता में थोड़ा-बहुत इजाफा जरूर हुआ है, जिसका मूल कारण लाभ कमाने की आकांक्षा में किया गया पूंजी निवेश और बढ़ता बाजार है। अधिकांश गांव जहां धीरे-धीरे अंधेरे के आगोश में सिमट रहे हैं वहीं बड़े शहरों के कुछ हिस्से जगमग रोशनी में नहा रहे हैं। हालांकि गांव की ही तरह अधिकांश छोटे शहरों में भी विकास का रथ थम-सा गया है, जिसके कारण छोटे शहर पराभव की ओर अग्रसर हैं।

गणेशशंकर विद्यार्थी ने पिछली शताब्दी के दूसरे दशक में लिखा था कि 'राष्ट्र महलों में नहीं रहता। प्राकृत राष्ट्र के निवास स्थल वे अगणित झोपड़े हैं, जो गांवों और पुरवों में फैले हुए आकाश के दैदीप्यमान सूर्य और शीतल चंद्र और तारागण से प्रकृति का संदेश लेते हैं और इसीलिए राष्ट्र का मंगल और उसकी जड़ मजबूत उस समय तक नहीं हो सकती, जब तक इन अगणित लहलहाते पौधों की जड़ों में जीवन की मजबूती का जल नहीं सींचा जाता। भारतीय राष्ट्र के निर्माण के लिए उसके गांवों और पुरवों में जीवन की ज्योति की आवश्यकता है। आवश्यकता है कि हम अपने हाथ-पैर और कान-नाक को भी उस मिठास की कल्पना करने का निमंत्रण दें, जिसकी कल्पना हमारे मन में है। करोड़ों साथियों की जागृति के लिए हम आगे बढ़ें और उन्हें आगे बढ़ावें, जिसके बढ़ाने की शक्ति हमारे हाथों में है।'

नई दिल्ली

महाराष्ट्र की नई विधानसभा में भी परिवारों का दबदबा

मुंबई, 26 अक्तूबर (भाषा)।

महाराष्ट्र में चौदहवीं विधानसभा के चुनाव में नामी राजनीतिक परिवारों के रिश्तेदार विधायक के तौर पर चुने जाने में कामयाब रहे।

राकांपा संस्थापक शरद पवार के भतीजे और बारामती से विधायक अजित पवार को भतीजे रोहित पवार का भी साथ मिलेगा। रोहित पवार ने भाजपा के विधायक और मंत्री राम शिंदे को करजात जामखेड़ से हराया। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा के भतीजे रानाजगजीत सिन्हा पाटिल भाजपा के टिकट पर तुलजापुर से चुने गए। पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे अमित और धीरज देशमुख क्रम से लातूर सिटी और लातूर ग्रामीण सीटों से जीते।

राकांपा के बबन शिंदे ने अपनी मढा सीट कायम रखी। उनके छोटे भाई संजय शिंदे राकांपा समर्थित निर्दलीय के तौर पर करमाला से जीते। राकांपा नेता छगन भुजबल नाशिक जिले में येओला सीट से जीते। पर्ली में निवर्तमान विधायक और मंत्री पंकजा मुंडे को उनके चचेरे भाई और वरिष्ठ राकांपा नेता अपूर्वा हिरे को हराया।

निलंगा में भाजपा के मंत्री संभाजी पाटिल निलंगेकर को जीत मिली। बीड में राकांपा के संदीप क्षीरसागर ने चाचा और मंत्री जयदत्त क्षीरसागर को हराया। अहेरी सीट पर राकांपा के धर्मराव अतराम ने अपने भतीजे और भाजपा उम्मीदवार अंबरीश अतराम को हराया।

नई पीढ़ी से पारिवारिक विरासत को आगे ले जाने वाले नेताओं में राकांपा नेता सुनीत तटकरे की बेटी अदिति ने श्रीवर्द्धन से जीत हासिल की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे की बेटी परिणति शिंदे लगातार तीसरी बार सोलापुर सिटी मध्य सीट जीतने में कामयाब रहीं। पुसाड में राकांपा नेता मनोहर नाइक के बेटे इंद्रनील ने भाजपा टिकट पर लड़ रहे निलय को हराया। दपोली में शिवसेना के मंत्री रामदास कदम के बेटे योगेश को जीत मिली। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत के भाई सुनीत राउत मुंबई के विखरोली निर्वाचन क्षेत्र में जीते।

बहुजन विकास अघाड़ी के उम्मीदवार पिता-पुत्र हितेंद्र ठाकुर और क्षितिज ठाकुर क्रम

धनंजय मुंडे ने हराया। नाशिक पश्चिम में से वसई और नालासोपारा से जीते। शिवसेना सीमा हीरे ने राकांपा की अपनी रिश्तेदार नेता और मंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे में पचपकड़ी सीट कायम रखी। उनके बेटे श्रीकांत कल्याण सीट से सांसद हैं। कंकावली में नितेश राणे ने अपनी सीट कायम रखी।

उनके पिता नारायण राणे भाजपा सांसद हैं। संतोष दानवे ने भोकारदन सीट पर फिर जीत हासिल की। उनके पिता केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे जालना से सांसद हैं। राधाकृष्ण विखे पाटिल शिरडी सीट पर टिकी हुई है।

जीतने में कामयाब रहे। उनके पुत्र सुजय विखे पाटिल अहमदनगर से भाजपा सांसद हैं। निर्दलीय उम्मीदवार रवि राणा ने अपनी बदनेरा सीट कायम रखी। उनकी पत्नी नवनीत राणा अमरावती से लोकसभा सदस्य हैं। राज्य से कांग्रेस के इकलौते सांसद सुरेश धानोरकड़ की पत्नी प्रतिभा वरोड़ा से जीतने में सफल रहीं। राहल नरवेकर ने भाजपा के टिकट पर कोलाबा सीट से जीत हासिल की। उनके ससुर रामराजे नाइक निंबालकर विधान परिषद के सभापति और राकांपा नेता हैं। कांग्रेस के दिवंगत नेता पतंगराव कदम के बेटे विश्वजीत कदम पालुस काडेगांव से जीतने में कामयाब रहे।

अर्थव्यवस्था पर हमला कर रहे हैं पाक पोषित आतंकी, हुई पहचान : डीजीपी

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

जम्मू-कश्मीर में ट्रक ड्राइवरों की हत्या को अर्थव्यवस्था पर हमला बताते हुए जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलंबाग सिंह ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ मिलकर आतंकवादी स्थानीय लोगों की आजीविका को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही इन्हें दबोच लिया जाएगा।

दिलबाग सिंह ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था बागवानी और पर्यटन पर

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की मदद से आतंकवादी इन दोनों को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। यह लोगों की आजीविका पर चोट है। ऐसा लोगों की आम जनजीवन को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। हमने दोषियों को पहचान लिया है और जल्द ही इन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।'

उन्होंने यह भी कहा कि ट्रक ड्राइवरों की हत्या की जांच में कुछ अहम सुराग मिले हैं। पुलिस प्रमुख ने कहा कि ट्रक ड्राइवरों पर हमला और बिजली के ट्रांसिमशन टावर्स को नुकसान पहुंचाने का मकसद बागवानी और पर्यटन को बाधित करना है, जो बहुत से कश्मीरियों को रोजी-रोटी देता है।

हरियाणा में अब तक पांच उप मुख्यमंत्री, दुष्यंत होंगे छठे

पेज 1 का बाकी

क्रांति दल के नेता रहे चौधरी देवीलाल को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कर दिया गया था। प्रदेश की 90 सीटों में 75 सीटें जनता पार्टी के खाते में गई। डॉ मंगल सेन पांचवीं बार रोहतक से विधायक बने, वे जनसंघ के बड़े नेता भी थे। देवीलाल ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो मंगल सेन को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। वे प्रदेश के दूसरे डिप्टी सीएम बने। 1979 में चौधरी भजन लाल ने सरकार गिराई और खुद मुख्यमंत्री बन गए। मंगल सेन उनके साथ नहीं गए।

पहले सीएम, फिर डिप्टी सीएम : 1987 में प्रदेश में भाजपा, लोकदल ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा। पूर्ण बहुमत आने पर चौधरी देवीलाल सीएम बने और बनारसीदास गुप्ता को डिप्टी सीएम बनाया गया। चूंकि चुनाव से कुछ समय पहले ही गुप्ता कांग्रेस छोड़कर देवीलाल से जुड़ गए थे, इसलिए उन्हें डिप्टी सीएम का पद इनाम में दिया गया।

इसी तरह, 1989 के लोकसभा चुनाव में केंद्र में गठबंधन की सरकार बनने पर चौधरी देवीलाल देश के उपप्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने अपने बेटे ओमप्रकाश चौटाला को सीएम बनाया,जो उस वक्त विधायक भी नहीं थे। महम से चौटाला को चुनाव लड़वाया गया, लेकिन वहां विवाद हो गया। गोलियां तक चली थी, इस पर चुनाव स्थगित हो गए। केंद्र सरकार पर

दबाव बनने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह सहित गठबंधन के नेताओं ने तत्कालीन उपप्रधानमंत्री देवीलाल से कहा कि चौटाला को पद से हटाएं। चौटाला से इस्तीफा लेने के बाद देवीलाल ने 1991 में विश्वासपात्र तत्कालीन पंचायती राज मंत्री मास्टर हुकम सिंह को सीएम बना दिया। कुछ समय बाद फिर चौटाला सीएम बन गए तो हुकम सिंह को डिप्टी सीएम के पद पर रखा गया।

पांचवें डिप्टी सीएम चंद्रमोहन बने हरियाणा में पांचवें डिप्टी सीएम 2005 में कांग्रेस शासन में चंद्रमोहन बने थे। इस दौरान कांग्रेस ने चौधरी भजन लाल के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पूर्ण बहुमत भी हासिल किया लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने सीएम पद के लिए तत्कालीन सांसद भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नाम की घोषणा कर दी। इस पर चौधरी भजन लाल ने न केवल विरोध किया बल्कि उनके समर्थकों ने कई जगह आगजनी की, रोड जाम किए। ऐसे में कांग्रेस ने भजन लाल को शांत करने के लिए उनके बड़े बेटे चंद्रमोहन को डिप्टी सीएम बनाया गया। इसके बावजूद नाराज भजन नहीं माने और उन्होंने अपनी अलग पार्टी हरियाणा जनहित कांग्रेस बना ली। छोटे बेटे कुलदीप बिश्नोई तो उनके

रेकार्ड साढ़े पांच लाख दीपों से जगमगाई अयोध्या

अयोध्या, २६ अक्तूबर (जनसत्ता)।

अयोध्या के तीन दिवसीय और तीसरे दीपोत्सव में साढ़े पांच लाख दीए जलाने से एक बार फिर विश्व रेकार्ड कायम हो गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, फिजी गणराज्य की उपसभापति सांसद बीना कुमार भटनागर की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित किया गया।

इसके बाद सरज् आरती के भव्य समारोह में तीनों प्रमुख लोगों ने भाग लिया और सरजू की आरती की। उनके साथ उनके कैबिनेट के

दोनों उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, केशव प्रसाद मौर्ये और कई मंत्री भी मौजूद थे। इसके पूर्व साकेत महाविद्यालय में भगवान श्री राम के विभिन्न चरित्रों को प्रदर्शित करते हुए झांकियां

इनको फिजी गणराज्य की उपसभापति बीना कुमार भटनागर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राम कथा का प्रदर्शन भी अद्भुत रहा आतिशबाजी और रामलीला का मंचन भी किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 226 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।।

जम्मू कश्मीर, लद्दाख को समान लाभ मिलेंगे : जितेंद्र

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 26 अक्तूबर।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि अगले सप्ताह अस्तित्व में आने वाले दो नए केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू कश्मीर और लद्दाख को समान लाभ मिलेंगे और ये लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों और क्षेत्रों को प्राप्त होंगे।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले सात दशक तक पूरे राज्य में लगातार यह शिकायत रही कि कुछ क्षेत्र और वर्ग भेदभाव महसूस कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि जम्मू की यह शिकायत थी कि अधिकतर लाभ कश्मीर घाटी को मिले और लद्दाख भी नजरंदाज महसूस करता रहा।

कुल 57 विधायकों के साथ सरकार बनाएंगे खट्टर

24 घंटे के भीतर ही अजय

चौटाला को मिली फरलो

चंडीगढ़, 26 अक्तूबर (जनसत्ता)।

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी अब 57 विधायकों के साथ सरकार बनाएगी। इससे पहले वर्ष 2014 में हए विधानसभा चनाव के दौरान भाजपा को अकेले दम पर 47 सीटों पर जीत मिली थी। उस समय पांच निर्दलीय विधायकों ने भाजपा को समर्थन दिया था. जिसके चलते सरकार के पास 52 विधायकों का आंकडा था।

इस बार के चुनाव में भाजपा को 40 सीटों पर जीत हासिल हुई है। शुक्रवार को भाजपा

निकलेंगे। अजय चौटाला अपने पिता और

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश

चौटाला के साथ जेल में बंद हैं। 2013 में

अजय, उनके पिता, दो आइएएस अधिकारियों

समेत 53 अन्य लोगों को शिक्षक भर्ती घोटाले

ट्रेंड (जेबीटी) टीचर भर्ती घोटाला मामले में

जेल गए। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के अध्यक्ष

ओमप्रकाश चौटाला और उनके बेटे अजय

चौटाला को सीबीआइ की विशेष अदालत ने

अजय चौटाला हरियाणा में जुनियर बेसिक

व अन्य आरोपों में दोषी ठहराया गया था।

को समर्थन का एलान करने वाली जननायक जनता पार्टी के दस विधायकों ने शनिवार को राज्यपाल को अपना समर्थन पत्र सौंप दिया। जजपा के साथ ही सात निर्दलीय विधायकों ने भी भाजपा को समर्थन देने का एलान करते हुए राज्यपाल को पत्र सौंप दिया है।

ऐसे में अब हरियाणा विधानसभा में भाजपा तथा सहयोगी दलों के विधायकों की संख्या बढ़कर 57 हो गई है। विधानसभा में विपक्ष की कुर्सियों पर कांग्रेस के 31, इनेलो का एक विधायक व हरियाणा लोकहित पार्टी का एक विधायक बैठेगा।

था। इस साल जून में तिहाड़ जेल में हुई चेकिंग

के दौरान अजय चौटाला के पास से मोबाइल

फोन बरामद हुआ था। गुप्त सूचना के आधार

पर पुलिस ने छापेमारी कर उनके पास से फोन

बरामद किया। उस वक्त इस खबर ने खासी

वैसा मुजरिम जो आधी से ज्यादा जेल काट

चुका हो, उसे साल में चार हफ्ते के लिए

फरलो दिया जाता है। फरलो मुजरिम को

सामाजिक या पारिवारिक संबंध कायम रखने

के लिए दिया जाता है। उसकी अर्जी डीजी जेल

सर्खियां बटोरी थीं।

क्या होता है फरलो

दिल्ली में प्रदूषण से हालात 'बहुत खराब'

साथ चले गए लेकिन चंद्रमोहन कांग्रेस में ही

पेज 1 का बाकी

अधिकार प्राप्त एजंसी एपीसीए ने पेट्रोलिंग बढ़ा दी है। सभी पड़ोसी राज्यों को पत्र लिख कर प्रदूषणकारी गतिविधियों पर अंकुश लगाने को कहा गया है। कोयले से चलने वाले बिजलीघर बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति अभी तक प्रदुषणकारी सरकारी व गैरसरकारी निकायों पर साढ़े 12 करोड़ रुपए तक का जुर्माना ठोक चुकी है।

दिल्ली सहित आसपास के इलाकों में वायु प्रदुषण का स्तर 'खराब' से 'बहुत खराब' की ओर बढ़ते हुए रविवार को घातक रूप ले सकता है। इसे देखते हुए कई एहतियाती कदम तो उठाए गए हैं लेकिन हालत संभलते नजर नहीं आ रहे। केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के 23 मापक केंद्रों में से 13 जगहों पर प्रदुषण का स्तर काफी ज्यादा है। आनंद विहार में एक्यूआइ 359, अलीपुर में 312, अशोक विहार में 307, बवाना में 342, डीटीयू 318, द्वारका 314, जहांगीरपुरी 319, लोधी रोड 314 और मुंडका में यह 342 तक पहुंच गया है। मुंडका 342, नेहरू नगर 312, ओखला 300, रोहिणी 319, सीरी फोर्ट 369, विवेक विहार 305 और वजीरपुर में एक्युआइ 329 तक पहुंच चुका है।

भले ही औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक अभी 'खराब' दर्जे की ही है लेकिन अभी से इनमें से कई जगहों पर मोटे धूल कणों की मात्रा घातक स्तर तक पहुंच चुकी है। इसमें पीएम 10 की मात्रा बवाना में दिन में कई बार 400 के पार पहुंच गई। एक समय तो यह 500 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर हो गई थी। सीरी फोर्ट में भी पीएम 10 दिन में कई बार 400 से 500 के बीच रहा। सफर का आंकलन यह भी है कि सोमवार को प्रदूषण के साथ कोहरा भी होगा। इससे दिवाली के बाद 28 अक्तूबर को सीरी फोर्ट के पास एक्यूआइ 908 डीटीयू के पास 871 और

आइटीओ पर 803 तक पहुंच सकता है। सफर का अनुमान है कि गाजियाबाद के वसुंधरा में भी हवा सांस लेने के लिहाज से घातक दर्जे की होने का खतरा है। अनुमान है कि वसंधरा में एक्यआइ 792 होगा। द्वारका में यह 724, दिलशाद गार्डन में 707 और मंदिर मार्ग पर 724 होने के आसार हैं। नोएडा में यह 716 व गुरुग्राम में यह 657 तक जा सकता है। जबिक आरके पुरम, शादीपुर में यह 685 व मथुरा रोड में 466 रहने से आसार हैं। लोधी रोड में 481, आयानगर में 472, नार्थ कैंपस में 491, एअरपोर्ट पर 450 और पुसारोड में 430 एक्यआइ के साथ सांस लेने में दिक्कत आ

बताते चलें कि 400 से अधिक एक्युआइ घातक स्तर का माना जाता है जो कि स्वस्थ व्यक्तियों को भी सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है। जबिक इससे कई गुणा अधिक प्रदूषण से लोगों को दो-चार होना पड़ेगा।

में 21 अक्तूबर को 288 सदस्यीय विधानसभा

सकती है।

कश्मीर जाने की अमेरिकी सांसदों ने

निकाली गई।

पेज 1 का बाकी

इजाजत मांगी

को लेकर भारत की तरफ से जो तस्वीर पेश की जा रही है, वह उनके सहयोगियों की बताई स्थिति से अलग है।

अमेरिकी सांसदों ने भारतीय राजदुत को सुझाव दिया है कि कश्मीर में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का रोडमैप तैयार किया जाए। पत्र में सभी राजनीतिक बंदियों को तत्काल रिहा करने की मांग भी की गई है। श्रुंगला ने 16 अक्तूबर को अमेरिकी सांसदों से जम्मू कश्मीर की स्थिति के बारे में बात की थी। लेकिन सांसदों ने उस ब्योरे को अपर्याप्त बताया है। पत्र लिखने वाले सांसदों में डेविड एन

सिसिलिन, डिना टिटस, क्रिसी हॉलाहन, एंडी लेविन, जेम्स पी मैकगॉवर्न और सुसन शामिल हैं। सांसदों ने लिखा है भारत को जम्मू–कश्मीर में घरेलु, विदेशी पत्रकारों और अन्य अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों को जाने की अनुमित देनी चाहिए। यह स्वतंत्र मीडिया के लिए और संवाद बढ़ाने के हित में होगा। अपने पत्र में अमेरिकी सांसदों ने कहा है कि कुछ पत्रकारों ने जम्म कश्मीर के बारे में गहराई से खबरें कवर की है।

उन्होंने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टर

महत्त्वपूर्ण हैं। लेकिन सुरक्षा कारणों से लगे प्रतिबंध के कारण कश्मीर जाने में पत्रकारों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हम मानते हैं कि सही मायने में पारदर्शिता तब होगी. जब पत्रकारों और कांग्रेस सदस्यों को इस क्षेत्र में। स्वतंत्र रूप से जाने दिया जाएगा। अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों ने कहा है कि हमारे सहयोगियों ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करने, इंटरनेट और दूरसंचार सेवाएं पर रोक और स्थानीय राजनेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने पर चिंता जाहिर की है।

328 बार घुसपैठ की कोशिश

हुई कश्मीर में पिछले साल

पेज 1 का बाकी

में कुल 257 आतंकवादी मारे गए, 91

सुरक्षाकर्मी शहीद हुए और 39 लोगों की जान

चली गई। जम्मू-कश्मीर में 2018 में

सुरक्षाकर्मियों की शहादत, आतंकवादियों के

ढेर होने और आतंकी घटनाओं के आंकड़े बीते

पांच साल में सबसे ज्यादा रहे। वहीं 2017 में

342 आतंकी घटनाएं हुईं, जिनमें 213

आतंकवादी मारे गए, 80 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए

और 40 नागरिकों की मौत हुई। इसी तरह वर्ष

2016 में हुई 322 आतंकी घटनाओं में 150

आतंकवादी मारे गए, 82 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए

और 15 आम लोगों की मौत हुई। वर्ष 2015

में 208 आतंकी घटनाएं हुईं, जिनमें 108

आतंकवादी मारे गए, 39 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2014 में जम्मू-

कश्मीर 222 आतंकी घटनाएं हुईं, जिनमें 110

आतंकवादी ढेर हुए, 47 सुरक्षांकर्मी शहीद हुए

और 17 लोगों की जान गई।

कांडा का समर्थन नहीं लेगी भाजपा: रविशंकर

पेज 1 का बाकी

कांडा का समर्थन नहीं लेने जा रही है।' कांडा ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को बिना शर्त समर्थन देने का फैसला किया है। कांडा के द्वारा समर्थन की पेशकश करने के बाद के भाजपा नेता उमा भारती ने विरोध किया। साथ ही, कांग्रेस, आप और माकपा ने भी भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि भाजपा दोमुंही बात करती है।

सुरजेवाला ने कहा, मुझे लगता है कि (प्रधानमंत्री मोदी) नरेंद्र मोदी और (केंद्रीय मंत्री व भाजपा प्रमुख) अमित शाह के उन बयानों को आपको देखना चाहिए जब गोपाल

ग्रेनेड हमले में 6

पेज 1 का बाकी

कांडा हरियाणा में मंत्री थे और उनके खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद हमने उन्हें इस्तीफे के लिए मजबर किया और उन्हें मंत्री पद से भी

सिरसा से विधायक कांडा को एक दिए जाने के बाद ये आरोप हटा लिए गए थे।

एअरहोस्टेस गीतिका शर्मा को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में 2012 में गिरफ्तार किया गया था। यह एअरहोस्टेस उनकी तत्कालीन विमानन कंपनी में काम करती थीं, जो अब बंद हो चुकी है। इससे पहले भी उनके खिलाफ बलात्कार के आरोप में मामला दर्ज किया गया था, लेकिन 2014 में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उन्हें जमानत

के पास भेजी जाती है और इसे गृह विभाग के पास भेजा जाता है और उस पर 12 हफ्ते में 10-10 साल की सजा सुनाई थी। इस घोटाले में कुल 55 लोगों को कोर्ट ने दोषी करार दिया खट्टर आज दूसरी बार लेंगे शपथ

जवान घायल

उसके छह जवान घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सीआरपीएफ का यह दल सरक्षा चौकी संभाल रहा था, उसी बीच आतंकवादियों ने उस पर ग्रेनेड फेंका। इस हमले में छह जवान घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, ग्रेनेड तेज आवाज के साथ फटा और इलाके में दहशत फैल गई।

सुरक्षाबलों ने आतंकियों को खदेड़ने के लिए जवाबी गोलीबारी की। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद हटाए जाने के बाद जारी पाबंदियों के कारण पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी गृट तमाम कोशिशों के बावजूद अभी तक कोई बडा हमला करने में नाकाम रहे हैं।

पेज 1 का बाकी की शपथ निश्चित है और मंत्रिमंडल के बाकी सदस्यों की रविवार को जानकारी दी जाएगी। भाजपा विधायक दल की बैठक के पहले दो मख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलें तेज हो गई थीं। इन अटकलों को केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव बैठक में नहीं आया।

जजपा नेता दुष्यंत चौटाला ने राज्यपाल से अलग से मुलाकात कर उन्हें भाजपा के लिए अपनी पार्टी के समर्थन का पत्र सौंपा। चंडीगढ़ के यूटी गेस्ट हाउस में भाजपा विधायक दल विधायक दल के नेता पद के लिए मनोहर लाल में छोड़ दिया था। दुष्यंत ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा का की बैठक के बाद राज्यपाल सत्यदेव नारायण खट्टर के नाम का प्रस्ताव रखा। इसका नाम लिए बिना उन पर पलटवार किया।

आर्य से मुलाकात के दौरान खट्टर के साथ केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष सुभाष बराला समेत कई भाजपा नेता मौजूद थे। भाजपा विधायक दल की बैठक में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, रविशंकर प्रसाद और भाजपा महासचिव अरुण सिंह पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे। इस बैठक भाजपा को बिना शर्त समर्थन देने वाले कुछ निर्दलीय विधायक भी मौजुद रहे।

बैठक में भाजपा के वरिष्ठ विधायक अनिल विज व कंवरपाल गुर्जर ने संयुक्त रूप से

अनुमोदन घनश्याम सर्राफ, डॉ. बनवारी लाल, महीपाल ढांडा, मूलचंद शर्मा, डॉ. अभय सिंह यादव, विशंभर वाल्मीकि, रामकुमार कश्यप और निर्मला चौधरी ने अनुमोदन किया। सर्वसम्मित से मनोहर लाल को विधायक दल का नेता चून लिया गया। भाजपा को समर्थन देने के मुद्दे पर दुष्यंत चौटाला अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर भी पलटवार किया है। दुष्यंत ने कहा कि क्या हमने कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था? उन्होंने कहा कि कांग्रेस वह पार्टी है, जिसे चौधरी देवीलाल ने 70 के दशक

अब डाक मतपत्र के जिए कर सकेंगे मतदान

पेज 1 का बाकी

के लिए निर्वाचन के संचालन नियम 1961 में संशोधन करते हुए इन्हें 'अनुपस्थित मतदाता' की श्रेणी में शामिल कर दिया है।

मौजूदा व्यवस्था में सिर्फ सैन्य, अर्ध सैन्य बल के जवानों और विदेशों में कार्यरत सरकारी कर्मचारियों के अलावा निर्वाचन इयूटी में तैनात कर्मचारियों को ही डाक मतपत्र से मताधिकार प्राप्त है। आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि इसका मकसद अधिक उम्र या अन्य शारीरिक अक्षमता के कारण मतदान केंद्रों तक पहुंचने में अशक्त मतदाताओं की भी मतदान में भागीदारी सुनिश्चित करना है।

एक अनुमान के मुताबिक ऐसे मतदाताओं की पर्याप्त संख्या को देखते हुए यह सहूलियत मिलने के बाद मतदान का प्रतिशत बढ़ने की संभावना है। सरकार ने अधिसूचना जारी कर अनुपस्थित मतदाता की परिभाषा का दायरा व्यापक करते हुए, इसमें संशोधित नियमों के अंतर्गत एक नोडल अफसर की तैनाती का भी प्रावधान किया है जो 'अनुपस्थित मतदाता' की श्रेणी में शामिल होने के दावों का सत्यापन

करेगा। इसके साथ ही अनुपस्थित मतदाता होने का दावा करने के लिए भरे जाने वाले आवेदन फार्म का प्रारूप तैयार हो गया है, ताकि 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग मतदाता इस श्रेणी में शामिल होने का दावा कर डाक मतपत्र की मांग कर सकें।

भारत में अभी एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर बसने वाले मतदाताओं को अपने मूल निवास स्थान पर ही जाकर मतदान करना होता। अनुपस्थित मतदाता ई-पोस्टल बैलट से मतदान करते हैं।

पिछले लोकसभा चुनाव में अनुपस्थित मतदाताओं में शामिल 60.14 फीसद मतदाताओं ने ई-पोस्टल बैलट से मतदान किया था, जबकि 2014 के आम चुनाव में यह सिर्फ चार फीसद रहा था। इस साल के आंकड़ों के मुताबिक डाक मतपत्र से मतदान करने वाले मतदाताओं में रक्षा मंत्रालय के तहत सैन्य बलों के लगभग 10 लाख, गृह मंत्रालय के अधीन अर्धसैनिक बलों के 7.82 लाख और विदेशी मिशनों में कार्यरत विदेश मंत्रालय के 3539 मतदाता सूचीबद्ध हैं।

आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने की उठी मांग

पेज 1 का बाकी

लिए अधिकृत किया। शिवसेना के लिखित में आश्वासन मांगने को उसकी दबाव बनाने की तरकीब के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल. भाजपा को 2014 की तुलना में इस चुनाव में 17 सीटों का नुकसान हुआ है और उसकी सीटों की संख्या 122 (2014 के) से घट कर 105 पर आ गई है। हालांकि, शिवसेना की सीटों की संख्या भी 2014 के 63 की तुलना में घट कर 56 पर आ गई है।

शिवसेना विधायक प्रताप सरनाइक ने बैठक के बाद ठाकरे के हवाले से कहा, 'लोकसभा और विधानसभा चुनाव में शिवसेना कम सीटों पर चुनाव लड़ी। उद्धव ठाकरे ने कहा है कि भाजपा को सत्ता में साझेदारी के फार्मूले को लागू करने के बारे में लिखित में आश्वासन देना होगा। सीटों और सत्ता में समान हिस्सेदारी के बारे में मेरे आवास पर भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में इसे (फार्मूले को) तैयार किया गया था। शाह ने अप्रैल-मई में हुए लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन पर मुहर लगाने के वास्ते शिवसेना प्रमुख के

आवास पर ठाकरे से मुलाकात की थीं। विधायक ने कहा कि भाजपा द्वारा इस तरह

का आश्वासन दिए जाने पर अगली सरकार के गठन पर चर्चा हो सकती है। सरनाइक ने कहा कि शिवसेना प्रमुख ने हमसे कहा कि उनके पास अन्य विकल्प खुले हुए हैं (संभवतः सरकार गठन के लिए) लेकिन उसमें उनकी रुचि नहीं है। उन्होंने हमसे कहा कि भाजपा और शिवसेना हिंदुत्व की विचारधारा की डोर से एक दूसरे से बंधी हुई हैं। उन्होंने कहा कि नए विधायकों के शपथ ग्रहण करने के बाद शिवसेना के विधायक दल के नेता का चयन किया जाएगा।

महाराष्ट्र में एक 'दिलचस्प संभावना' के बारे में अटकलें उस वक्त शुरू हुई थी, जब चुनाव नतीजे के दिन पूर्व मुख्यमंत्रियों एवं कांग्रेस नेताओं, अशोक चव्हाण और पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा था कि पार्टी को भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रावसाहेब दानवे ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी शिवसेना द्वारा प्रस्तावित सत्ता में बराबर की हिस्सेदारी के किसी सौदे से अवगत नहीं है। उन्होंने कहा कि दिवाली के बाद, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सरकार गठन के मुद्दे पर उद्भव ठाकरे के साथ बातचीत करेंगे। राज्य

नई दिल्ली

के लिए हुए चुनावों में भाजपा ने 105, शिवसेना ने 56 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, राकांपा 54 और कांग्रेस 44 सीटों पर विजयी रही। चुनाव परिणामों से भाजपा को झटका लगा है क्योंकि पार्टी ने पूर्ण बहुमत के साथ अपने बूते सरकार बनाने का लक्ष्य रखा था। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद बदले राजनीतिक परिदृश्य ने शिवसेना का मनोबल बढ़ा दिया है जो बखूबी जानती है कि वह सौदेबाजी करने की स्थिति में है और मुख्यमंत्री पद के लिए आदित्य के नाम पर मुहर लगवा सकती है। आदित्य ठाकरे 1960 के दशक में पार्टी के गठन के बाद से चुनावी राजनीति में उतरने और जीत हासिल करने वाले ठाकरे परिवार के प्रथम व्यक्ति हो गए हैं। वे मुंबई की वर्ली सीट से जीते हैं, जो शिवसेना का गढ़ है। गुरुवार को शिवसेना ने अपने कड़े तेवर दिखाते हुए भाजपा को '50:50 फार्मूले' की याद दिलाई थी, जिस पर भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, ठाकरे और फडणवीस के बीच 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सहमति बनी थी। सूत्रों के मृताबिक इस फार्मूले के मृताबिक शिवसेना और भाजपा के बारी-बारी से मुख्यमंत्री होंगे और दोनों दलों को कैबिनेट में बराबर संख्या में जगह मिलेगी।

और 28 आम लोगों की मौत हुई। गृह मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की शुरुआत (1990 में) के बाद से 31 मार्च 2019 तक 14,024 लोगों की मौत हो चुकी है और 5,273 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं।

(च)

जनसत्ता संवाददाता देहरादून २६ अक्तूबर।

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स उत्तराखंड की हरिद्वार जिला इकाई के तत्वावधान में गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्रेस

आयोजन किया गया।

पत्रकारों ने याद किया गणेश शंकर विद्यार्थी को

क्लब हरिद्वार के सभागार में विचार गोष्ठी का के विचारों पर चलकर ही हम पत्रकारिता के क्षेत्र में सद्भाव के लिए अपनी शहादत दी थी वे महान उच्च मानदंड स्थापित कर सकते हैं। एनयूजीआइ क्रांतिकारी थे। इस मौके पर पत्रकार संगठन के प्रदेश इस अवसर पर एनयूजीआइ उत्तराखंड के प्रदेश - उत्तराखंड के प्रदेश कायर्कारी अध्यक्ष गुलशन नैयर - उपाध्यक्ष महंत शिव शंकर गिरी ने कहा - कि गणेश

अध्यक्ष बुजेंद्र हर्ष ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी ने सांप्रदायिक शंकर विद्यार्थी का जीवन अनुकरणीय है।

(ভ)

(घ)

पालघर में भूकम्प का हल्का झटका पालघर (महाराष्ट्र), 26 अक्तूबर (भाषा)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में शनिवार को भूकम्प का हल्का झटका महसूस किया गया। भूकम्प की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.7 थी। एक

अधिकारी ने यह जानकारी दी।

(B)

(ज)

(য়)

(3)

WITH YOU, RIGHT THROUGH

(क)

हाउसिंग डिवेलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि.

राष्ट्र

द कैपिटल कोर्ट, मुनिरका, आउटर रिंग रोड, ओलोफ पाल्मे मार्ग, नई दिल्ली-67 दूरभाषः 011-41596676/568, CIN L70100MH1977PLC019916, वेबसाइट: www.hdfc.com

ई-नीलामी बिक्री सूचना (केवल ई-बिडिंग के माध्यम से बिक्री)

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभृतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभृति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधानों के साथ पठित प्रतिभृति हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना कॉलम (क) में वर्णित कर्जदार (रों) और गारंटर (रों) और आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि कॉलम (ग) में दर्शाई गई प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक / प्रभारित अचल सम्पत्ति (यों) जिनका हाउसिंग डेवेलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचडीएफसी लि.), प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (घ) में वर्णित अनुसार रचनात्मक / भौतिक कब्जा लिया था, उन्हें नीचे दिये गये विवरणों के अनुसार "जैसा है जहां है", "जो है जैसा है" एवं "जो भी वहां है" आधार पर बेचा जाएगाः प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के अंतर्गत कॉलम (क) में वर्णित कर्जदार / बंधककर्ता (ऑ) / कानूनी उत्तराधिकारी, विधिक प्रतिनिधियों (चाहे ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक (कों), प्रशासक (कों) बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों के लिए कृपया हाउसिंग डेवेलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचडीएफसी लि.) प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट, यानी, www.hdfc.com पर दिये गये लिंक को देखें।

(4)	(4)	(-1)	(4)	(a)	(4)	(8)	(01)	(8)	(31)
कर्जदार (रों) / बंधककर्ता (ओं) / गारंटर (रों) / कानूनी उत्तराधिकारी एवं विधिक प्रतिनिधियों (चाहे ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक (कों), प्रशासक (कों), सबंधित कर्जदा (रों) / बंधककर्ता (ओं) / गारंटर (रों) (अब मृतक) के उत्तराधिकारी और वारिस, जैसा भी मामला हो, का नाम।	(₹.)*	अचल सम्पत्ति / प्रतिभूत परिसम्पत्ति का विवरण वर्ग फीट में	अधिग्रहण का प्रकार	निरीक्षण की तिथ्य एवं समय	आरक्षित मूल्य (रु.)	बोलियों जमा करने की अंतिम तिथ्यि	राशि (रु.)	दर (रु.)	नीलामी की तिथ्यि एवं समय
1) श्री दिनेश गुप्ता (खाता सं0 : 615710724)	30 अप्रैल 2019* को रु. 1,08,82,585/— (केवल एक करोड़ आठ लाख बयासी हज़ार पांच सौ पचासी रुपए)	प्लॉट नं. जीएच—1सी, सैक्टर—168, नोएडा एक्सप्रेसवे, नोएडा—201301, उत्तर प्रदेश में स्थित आवासीय प्रोजेक्ट सनवर्ल्ड अरिस्टा टॉवर—1 में यूनिट / फ्लैट—403, चौथा तल, टॉवर—1, के साथ उससे सम्बद्ध क्षेत्र, सुपर एरिया 2,100 वर्ग फीट (लगभग) के साथ निचली भूमि पर अविभावित आनुपातिक हिस्सा।	C 15 abotto	6-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 82,00,000/- (केवल बयासी लाख रुपए)	2-दिसम्बर-19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल दस हज़ार	4-दिसम्बर-19 प्रातः 10 बजे से 10:30 बजे तक
एवं श्रीमती मनोहर राठौड़ (खाता सं0 : 600634632)	28 फरवरी 2017* को रु. 2,77,39,694 / — (केवल दो करोड़ सतहत्तर लाख उनचालीस हज़ार छह सौ चौरानवे रुपए)		अधिग्रहण	2-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	पंचास लाख रुपए)	2–दिसम्बर–19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	3,327	4—दिसम्बर—19 प्रातः 11 बजे से 11:30 बजे तक
3) श्री गौतम चुघ, श्री गौरव चुघ, श्री यदवंश कुमार चुघ, सुश्री कमलेश चुघ (खाता सं0 : 614687740)	31 जुलाई 2018* को रु. 71,55,044 / — (केवल इकहत्तर लाख पचपन हज़ार चवालीस रुपए)	एरिया 1565 वर्ग फीट (लगभग) के साथ एक कार पार्किंग स्थान का एकल उपयोग।	अधिग्रहण	4-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रुपए)	2–दिसम्बर–19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल बीस हज़ार रुपए)	से 12:30 बजे तक
4) श्री प्रवीण कुमार सक्सेना (ऋण खाता सं0 : 613983579)	31 अक्टूबर 2018* को रु. 28,65,005/— (केवल अड्डाइस लाख पैसठ हज़ार पांच रुपए)	द्वारा विकसित ग्रुप हाउसिंग, एनएच–58, 6 लेन एक्सप्रेसवे, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद के साथ निचली भूमि पर अविभाजित आनुपातिक हिस्सा, 2 बेड रूम, एक ड्राइंग / डायनिंग रूम, 1 किचन, 2 शौचालय एवं 2 बॉलकोनी शामिल, एरिया परिमाप 1144 वर्ग फीट (लगभग)	अधिग्रहण	5—नवम्बर—2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	पंचास हजार रुपए)	पहले	बोली राशि का 10%	(केवल बीस हज़ार रुपए)	1:30 बजे तक
5) श्री शिशिर श्रीवास्तव (सह—ऋणी एवं मृतक ऋणी श्री निशांत श्रीवास्तव के भाई और मृतक सह—ऋणी श्री सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव के पुत्र) एवं श्रीमती अंजु श्रीवास्तव (मृतक ऋणी श्री निशांत श्रीवास्तव की पत्नी) और स्वर्गीय ऋणियों के अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी/ विधिक प्रतिनिधि (खाता सं: 607231359)		साहिबाबाद, गाजियाबाद—201011, उत्तर प्रदेश और उस पर वर्तमान एवं भावी निर्माण, निर्मित क्षेत्र परिमाप 849 वर्ग फीट (लगभग)	अधिग्रहण	5-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	पचहत्तर हजार रुपए)	2-दिसम्बर-19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल दस हज़ार रुपए)	से 2:30 बजे तक
6) श्री विपिन कपूरिया (खाता सं.: 613311439)	30 नवम्बर 2018* को रु. 38,21,545/— (केवल अड़तीस लाख इक्कीस हज़ार पांच सौ पैंतालीस रुपए)			6-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 37,00,000/- (केवल सँतीस लाख रुपए)	2-दिसम्बर-19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	रु. 10,000/- (केवल दस हज़ार रुपए)	4—दिसम्बर—19 अप. 3 बजे से 3:30 बजे तक
7) श्री विवेक गुप्ता (ऋण खाता सं.: 615359822)	31 मार्च 2019* को रु. 1,05,50,770 /— (केवल एक करोड़ पांच लाख पचास हज़ार सात सौ सत्तर रुपए)	र नोएडा, उत्तर प्रदेश के साथ निचली भूमि पर अविभाजित आनुपातिक हिस्सा जिसमें शामिल हैं: 3 बेड रूम, ड्राइंग/डायनिंग रूम, किचन, सर्वेट रूम, 4 शौचालय एवं 4 बालकोनी, एरिया परिमाप 2100 वर्ग फीट (लगभग)	. अधिग्रहण	6-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 82,00,000/– (केवल बयासी लाख रुपए)	2–दिसम्बर–19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल दस हजार	4—दिसम्बर—19 सायं 4 बजे से 4:30 बजे तक
8) श्रीमती नीरज त्यागी एवं श्री पंकज त्यागी (ऋण खाता सं.: 613869358)	28 फरवरी 2019* को रु. 41,32,651/— (केवल इकतालीस लाख बत्तीस हज़ार छह सौ इक्यावन रुपए)			6-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 37,00,000/– (केवल सैंतीस लाख रुपए)	2–दिसम्बर–19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%		4—दिसम्बर—19 सायं 5 बजे से 5:30 बजे तक
9) श्री नारायनन श्रीनिवास बद्री (ऋण खाता सं.: 615046706)	31 जनवरी 2019* को रु. 41,14,773/— (केवल इकतालीस लाख चौदह हज़ार सात सौ तिहत्तर रुपए)	त एक्सप्रेसवे, नोएडा, उत्तर प्रदेश के साथ निचली भूमि पर अविभाजित आनुपातिक हिस्सा और उस पर किया वर्तमान निर्माण, जिसमें शामिल हैं: 1 बेड रूम, ड्राइंग / डायनिंग रूम, किचन, 1 शौचालय एवं 2 बालकोनी, एरिया परिमाप 614 वर्ग फीट (लगभग)	अधिग्रहण	6-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रुपए)	2–दिसम्बर–19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल दस हज़ार रुपए)	से 10:30 बजे तक
10) श्री विजय ग्रोवर एवं सुश्री रीना ग्रोवर (खाता सं: 615187777)	30 नवम्बर 2018* को रु. 53,18,331/— (केंवल तिरपन लाख अठारह हज़ार तीन सौ इकत्तीस रुपए)			7—नवम्बर—2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 39,00,000/- (केंवल उनचालीस लाख रुपए)	2-दिसम्बर-19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल दस हज़ार	बजे से 11:00 बजे तक
11) मोनोजीत गांगुली (ऋण खाता सं.: 610792332)	31 जुलाई 2018* को रु. 21,77,338/- (केवल इक्कीस लाख सतहत्तर हजार तीन सौ अड़तीस रुपए)	लग्जुरिया एस्टेट, आदित्य वर्ल्ड सिटी, सैक्टर—6, प्लॉट जीएच—01, एनएच—24, गाजियाबाद के साथ निचली भूमि पर अविभाजित आनुपातिक हिस्सा और उस पर वर्तमान एवं भावी निर्माण।	अधिग्रहण	8-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 24,60,000/– (केवल चौबीस लाख साठ हजार रुपए)	2—दिसम्बर—19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	रु. 10,000/- (केवल दस हज़ार रुपए)	5—दिसम्बर—19 प्रातः 11 बजे से 11:30 बजे तक
12) हरीश कुमार शर्मा (ऋण खाता सं.: 611230712)	20,99,712 / — (केवल बीस लाख निन्यानवे हज़ार सात सौ बारह रुपए)	प्लैट परिमाप 972.60 वर्ग फीट सुपर एरिया (लगभग), 2 बेडरूम अपार्टमेंट, यूनिट नं. एलई—बी / 1107, 11वां तल, ब्लॉक बी, लग्जुरिया एस्टेट, आदित्य वर्ल्ड सिटी, प्लॉट जीएच—01, एनएच—24, गाजियाबाद के साथ निचली भूमि पर अविभाजित आनुपातिक हिस्सा और उस पर वर्तमान एवं भावी निर्माण।		8-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 24,50,000/- (केवल चौबीस लाख पचास हजार रुपए)	2–दिसम्बर–19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%		5—दिसम्बर—19 दोपहर 12 बजे से 12:30 बजे तक
13) श्री विवेक रस्तोगी एवं सुश्री सुनीता रस्तोगी (ऋण खाता सं.: 615679234)	30 नवम्बर 2018* को रु. 9,27,349/— (केवल नौ लाख सत्ताईस हज़ार तीन सौ उनचास रुपए)	टॉवर—सी, आदित्य अरबन होम्स, प्लॉट 2243 और अन्य, क्रम सं. 2243, 2244, 2246, 2247, 2375, बामहेटा, एनएच—24, गाजियाबाद के साथ निचली भूमि पर अविभाजित आनुपातिक हिस्सा।	भौतिक अधिग्रहण	8-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	नब्बे हजार रुपए)	2—दिसम्बर—19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल दस हजार रुपए)	1:30 बजे तक
14) श्री मधुसूदन शर्मा (खाता सं.: 608446948 एवं 589887046)	31 जुलाई 2018* को रु. 24,17,018/— (केवल चौबीस लाख सत्रह हज़ार अठारह रुपए)	परिमाप सुपर एरिया 76.67 वर्ग मीटर या 824.96 वर्ग फीट एवं उस पर वर्तमान एवं भावी निर्माण।	भौतिक अधिग्रहण	अप. 3 बजे तक	रु. 20,50,000/- (केवल बीस लाख पचास हजार रुपए)	सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल दस हज़ार रुपए)	2:30 बजे तक
15) श्री हिमाद्री चटर्जी (ऋण खाता सं: 609196623)	30 अप्रैल 2018* को रु. 91,93,677/— (केवल इक्यानबे लाख तिरानवे हज़ार छह सौ सतहत्तर रुपए)	बेडरूम प्लस सर्वेंट रूम, 4 शौचालय एवं 3 बालकोनी, परिमाप सुपर एरिया 1835 वर्ग फीट (लगभग) के साथ निचली भूमि पर अविभाजित आनुपातिक हिस्सा और उस पर वर्तमान एवं भावी निर्माण।	अधिग्रहण	11-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	आरक्षित मूल्य : रु. 64,50,000/– (केवल चौंसठ लाख पचास हजार रुपए)	2-दिसम्बर-19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल दस हजार रुपए)	5—दिसम्बर—19 अप. 3 बजे से 3:30 बजे तक
16) श्रीमती रंजना भारती एवं श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव (खाता सं.: 621152389)	31 अगस्त 2018* को रु. 24,96,449/— (केवल चौबीस लाख छियानबे हज़ार चार सौ उनचास रुपए)	सेन्ट्रल, प्लॉट नं. जीएच-02/ई, सैक्टर-12, ग्रेटर नोएडा के साथ निचली भूमि पर अविभाजित आनुपातिक हिस्सा	अधिग्रहण	12-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 24,00,000/– (केवल चौबीस लाख रुपए)	2—दिसम्बर—19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%		5—दिसम्बर—19 सायं ४ बजे से 4:30 बजे तक
17) श्री अतुल कुमार (खाता सं.: 614793492)	31 जनवरी 2019* को रु. 15,38,504/— (केंवल पन्द्रह लाख अड़तीस हज़ार पांच सौ चार रुपए)	अर्बन होम्स, शाहेपुर बामहेट्टा, एनएच—24, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के साथ निचली भूमि पर अविभाजित आनुपातिक हिस्सा और उस पर वर्तमान एवं भावी निर्माण।	अधिग्रहण	8-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 18,40,000/– (केवल अठारह लाख चालीस हजार रुपए)	2—दिसम्बर—19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	रु. 10,000/- (केवल दस हज़ार रुपए)	5-दिसम्बर-19 सायं 5 बजे से 5:30 बजे तक
18) श्री प्रवीण कुमार गोयल एवं सुश्री मोना गोयल (खाता सं: 623751443)	31 जनवरी 2019* को रु. 32,40,380/— (केवल बत्तीस लाख चालीस हज़ार तीन सौ अस्सी रुपए)		, भौतिक अधिग्रहण	13—नवम्बर—2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 27,50,000/– (केवल सत्ताईस लाख पचास हजार रुपए)	2–दिसम्बर–19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	रुपए)	सं ६ बज तक
19) श्री आबिद कुरैशी (खाता सं: 626870625 एवं 625906317)	30 नवम्बर 2018* को रु. 14,43,611/— (केवल चौदह लाख तैंतालीस हज़ार छह सौ ग्यारह रुपए)	उत्तर प्रदेश के साथ निचली भूमि पर अविभाजित आनुपातिक हिस्सा	अधिग्रहण	13-नवम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप, 3 बजे तक	रु. 7,00,000 / – (केवल सात लाख रुपए)	2-दिसम्बर-19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल दस हज़ार रुपए)	से 6 बजे तक
20) सुश्री नीतू (मृतक कर्जदार स्वर्गीय श्री गुडविन लाल की पत्नी) एवं सभी अन्य ज्ञात (खाता सं: 602307974)	31 अक्टूबर 2018* को रु. 25,04,952/— (केवल पच्चीस लाख चार हज़ार नौ सौ बावन रुपए)	प्लॉट नं. 151, विक्रम एनक्लेव, शालीमार गार्डन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में फ्लैट नं. जी—1 (एमआईजी), भूतल, कवर्ड एरिया 800 वर्ग फीट (लगभग), 2 बेडरूम के साथ		14—नवम्बर—2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 20,00,000/— (केवल बीस लाख रुपए)	2—दिसम्बर—19 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	(केवल दस	4-दिसम्बर-19 सायं ६ बजे से ६:30 बजे तक

(खाता सं.: 602307974) *साथ में आगे उसमें भुगतान और / या वसूली की तिथि तक जैसा भी लागू हो उसके अनुसार ब्याज / 18% प्रति वर्ष, प्रासंगिक व्यय, लागत, प्रभार आदि के साथ।

एचडीएफसी लि. के प्राधिकृत अधिकारी के ज्ञान एवं जानकारी के अनुसार, निम्नलिखित को छोड़कर उपरोक्त अचल सम्पत्तियों / प्रतिभृत परिसम्पत्तियों के संबंध में कोई अधिभार नहीं है:-

सम्पत्ति क्रम सं.	मुकदमा/वाद सं.	वाद का शीर्षक
1	3839 का 2017	माननीय सिविल जज, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली में दिनेश गुप्ता बनाम एचडीएफसी लि. एवं अन्य
2	563 / 2017	माननीय राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, दिल्ली में जयदीप राठौर बनाम यूनिटेक लिमिटेड एवं एचडीएफसी लि.
6	349 का 2019	माननीय सिविल जज, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली में विपिन कपूरिया बनाम एचडीएफसी लि. एवं अन्य
7	142 का 2018	माननीय सिविल जज, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली में विवेक गुप्ता बनाम एचडीएफसी लि. एवं अन्य
7	184 可 2019	माननीय डीआरटी—1, दिल्ली में विवेक गुप्ता बनाम एचडीएफसी लि. एवं अन्य

उपरोक्त अभियोगों / कार्यवाही में समय-समय पर माननीय डीआरटी / माननीय एनसीडीआरसी द्वारा पारित और / या आदेशों, निर्देशों आदि अंतिम परिणाम के अधीन बिक्री की जाएगी। सफल बोलीदाता / खरीददारों को माननीय डीआरटी / माननीय एनसीडीआरसी के आदेशों / निर्देशों का अनुपालन करते हुए उपरोक्त ऋणभारों सहित उपरोक्त अचल सम्पत्तियों / प्रतिभूत परिसम्पत्तियों से जुड़ें सभी ऋणभारों को चुकाना होगा।

एचडीएफसी ने उपरोक्त अभियोग में आवेदकों के दावें को शामिल नहीं किया है और वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्निनर्माण और प्रतिभूति किए गए अनुसार प्रस्तावित बिक्री एचडीएफसी के पास उपलब्ध अधिकारों और उपायों से किसी पूर्वाग्रह के बिना की जाएगी।

जैसा कि इस तिथि को एचडीएफसी / एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारी को उपरोक्त अचल संपत्तियों / प्रतिभूत परिसंपत्तियों की बिक्री करने, हस्तांतरण करने तथा / या निपटान करने से रोकने तथा / या बाधित करने वाला कोई आदेश नहीं है। एचडीएफसी दस्तावेजों, जिन पर उपरोक्त कार्यवाहियों (न्यायिक निर्णय में लंबित) में विश्वास किया गया है या संबंधित आवेदक द्वारा बहस में या अन्यथा आरोपित किन्हीं तथ्यों या किए गए प्रतिवेदनों में निहित जानकारी की सत्यता या पूर्णता का आश्वासन नहीं देता।

संभावित बोलीदाता / प्रस्तावक और इच्छुक पार्टियां एचडीएफसी के पास उपलब्ध मालिकाना हक के दस्तावेजों तक ही सीमित न रहकर उपरोक्त कार्यवाहियों में प्रस्तुत बहसों, पारित आदेशों इत्यादि का स्वतंत्र तौर पर निरीक्षण कर सकती हैं और बोली जमा करने या प्रस्ताव करने से पूर्व सभी प्रकार से स्वयं को संतुष्ट कर सकती हैं। एचडीएफसी / एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारी सफल बोलीदाताओं / क्रेताओं को बाद में जानकारी के उपलब्ध न होने के कारण या अन्य किसी प्रकार से हुए नुकसान के लिए किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी या देयता को स्वीकार नहीं करते हैं।

सफल बोलीदाताओं / क्रेताओं को उपरोक्त जैसा भी हो सहित किंतु इतने तक सीमित नहीं, किसी भी आधार पर एचडीएफसी के विरुद्ध कोई अधिकार नहीं होगा । फिर भी, यह संभावित बोलीदाताओं / क्रेताओं के हित में होगा कि वे बोली जमा करने और / या प्रस्ताव देने से पूर्व स्वयं सभी तथ्यों से अवगत रहें जो उनके निर्णय को प्रभावित कर सकता है ।

ख. क्र. सं. 1, 2, 6, 7, 8, 9, 11, 12, 13, 15, 16, 17 एवं 18 की सम्पत्तियों के संबंध में संभावित खरीददारों / बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अपनी बोली जमा करने से पूर्व सम्पत्ति के संबंध में बिल्डर / सोसाइटी या किसी अन्य सांविधिक / अन्य बकाया आदि के बारे में अपनी स्वतंत्र जांच करा लें।

सम्पत्ति क्रम सं.	बकाये का विवरण
3	श्री गौतम चुघ की सम्पत्ति के संबंध में 18 सितम्बर, 2019 को बिल्डर एआईपीएल की बकाया राशि रु. 20,68,248/— (बीस लाख अड़सठ हजार दो सौ अड़तालीस रुपए) है। कथित बकाया और अन्य बकाया, यदि कोई हो का भुगतान सफल खरीददार द्वारा किया जाएगा।
10	श्री विजय ग्रोवर एवं सुश्री रीना ग्रोवर की सम्पत्ति के संबंध में 30 जून, 2019 को बकाया बिल्डर राशि रु. 11,37,831 /— (ग्यारह लाख सैतीस हजार आठ सौ इकत्तीस रुपए) है। कथित बकाया और अन्य बकाया, यदि कोई हो का भुगतान सफल बोलीदाता / खरीददार द्वारा किया जाएगा।

एचडीएफसी लि. के प्राधिकृत अधिकारी के ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार उपरोक्त अचल सम्पत्तियों / प्रतिभूत परिसम्पत्तियों पर उपरोक्त प्रकटित किये गये तथ्यों को छोड़कर कोई अधिभार / दावा नहीं है। मैसर्स श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड ई-बोली प्रक्रिया के माध्यम से नीलामी के आयोजन में प्राधिकृत अधिकारी की सहायता करेंगे। सम्पत्ति का निरीक्षण या बोली दस्तावेज प्राप्त करने और किसी भी प्रकार की पृष्ठताछ के लिए श्री शादाब अख्तर (मोबाईल नं. 9910453434) मैसर्स श्रीराम ऑटोमाल इंडिया लिमिटेड या श्री अज् अशोक, प्राधिकृत अधिकारी, एचडीएफसी लि. (011-41596568, मोबाईल नं. 9971380421) या श्री सचिन कपूर, प्राधिकृत अधिकारी, एचडीएफसी लि. (011-41596568, मोबाईल नं. 8968570037) या श्री नीलभ मिश्रा (08527464627) से संपर्क कर सकते हैं। प्रतिभूत परिसम्पत्ति को "जैसा है जहां है" एवं "जो है जैसा है" आधार पर बेचा जा रहा है।

दिनांक : 25 अक्टूबर 2019

स्थान : नई दिल्ली

epaper.jansatta.com

पंजीकृत कार्यालयः रेमन हाउस, एच टी पारेख मार्ग, 169, बैकबे रिक्लेमेशन, चर्चगेट, मुंबई-400 020

प्राधिकृत अधिकारी

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 440 अरब डॉलर के पार

मुंबई, 26 अवतूबर (भाषा)।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि का सिलसिला बरकरार है। इस माह की 18 तारीख को समाप्त सप्ताह में यह भंडार 1.039 अरब डॉलर बढ़कर 440.751 अरब डॉलर के बराबर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पिछले सप्ताहांत विदेशी मुद्रा भंडार 1.879 अरब डॉलर बढ़कर 439.712 अरब डॉलर के स्तर पर था। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 93.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 408.881 अरब डॉलर हो गई। विदेशी मुद्रा

परिसंपत्तियां विदेशी मुद्रा भंडार का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैँ।

डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां यूरो, पौंड और जापानी येन जैसी मुद्राओं की विनिमय दर में घट-बढ़ से भी प्रभावित होती हैं। रिजर्व बैंक की रपट के अनुसार इस दौरान स्वर्ण के आरक्षित भंडार का मूल्य 8.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 26.861 अरब डॉलर रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से विशेष आहरण अधिकार भी 90 लाख डॉलर बढ़कर 1.440 अरब डॉलर हो गया। अंतराष्ट्रीय मुद्राकोष के पास देश के मुद्रा भंडार की स्थिति भी 1.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 3.640 अरब डॉलर हो गई।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल, धनबाद

शुद्धि पत्र

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित निविदा आमंत्रण सूचना सं0-RCD/DHANBAD/1695 का जिसका पी0आर0 नं0 220354 (Road) 19-20*D में अपरिहार्य कारणों से कार्य पूर्ण करने की अवधि दो (2) माह को संशोधित करते हुए पचहत्तर (75) दिन किया जाता है। जिसे http:// jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है। विशेष जानकारी हेतु पथ प्रमण्डल, धनबाद से सम्पर्क किया जा सकता है। कार्यपालक अभियंता

P.R.221104 Road(19-20)-D

पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल, धनबाद।

AXIS BANK नियंत्रण कार्यालयः एक्सिस हाउस, बाम्बे डाइंग कम्पाउण्ड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली मम्बई-400025

अचल सम्पत्ति की बिक्री के लिये बिक्री सूचना [प्रांतभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली के नियम 8(6) के प्रावधानी के साथ पठित सरफंस अधिनियम के अंतर्गत] अचल संपत्तियों की बिक्री/नीलामी के लिये सार्वजनिक सूचना एतद्द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारक(कों) तथा गारन्टर(रों) को सूचित किया जाता है कि प्रतिभूत क्रेडीटर के पास गिरवी/चार्ज्ड नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जिसका प्रतिभूत क्रेडीटर के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा भौतिक कब्जा किया गया है, की श्री प्रदीप कुमार से प्रतिभूत क्रेडीटर के बकाये वास्तविक भुगतान एवं/अथवा उगाही की तिथि तक लागू होने वाले आगे के ब्याज, अनुषांगिक खर्चे, लागतों तथा वहन की गई प्रभारों आदि के साथ 31.03.2019 तक लम्बित रु. 2,42,50,067/- की वसली के लिये एक्सिस हाउस, टावर-2, 2रा तल, आई-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्स्प्रैसवे, जयपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (उ.प्र.)–201301 में 28.11.2019 को 12.00 बजे दोपहर में ''जैसा है जहां है'', ''जो भी जैसा है'' तथा ''जो कुछ भी वहां है'' आधार पर बिक्री की जाएगी। आरक्षित मुल्य रु. 1,89,89,680/ तथा धरोहर राशि भुगतान रु. 18,98,968/- होगी। मुहरबंद प्रस्ताव के साथ बोली/ईएमडी के साथ निविदा जमा करने

बिकी के लिये प्रस्तावित तथा रखी गई अचल सम्पत्ति/प्रतिभृत बैंक की जानकारी में ओवरडाफ्ट सम्पत्ति के पर, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित उक्त सम्पत्ति के नीचे भिम में आनुपातिक अधिकारों के साथ भूमि क्षेत्रफल माप 333.4 वर्ग यार्ड्स पर (915030013928298) निर्मित फ्रीहोल्ड सम्पत्ति सं. एच-123 में टैरेस तथा छत के अधिकारे के साथ आवासीय सम्पत्ति अर्थात् प्रथम तल एवं दूसरे तल के पूर्वी दिशा

की अंतिम तिथि, समय तथा स्थानः 27.11.2019 को उपरोक्त पते पर है।

https://www.axisbank.com/auction-notices में दी गई लिंक देखें। हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी

एक्सिस बैंक लि

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये कृपया प्रतिभूत क्रेडीटर की वेबसाईट अर्थाव स्थानः नोएडा, उ. प्र. उ.प्र. पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड ई-निविदा सुचना अनुभवी फर्मों/ठेकेदारों/अधिकृत विक्रेताओं/निर्माताओं से निम्नलिखित कार्य/ आपूर्ति हेतु ई-निविदा दो भागों में, निविदा खुलने की दिनांक के 14:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जो उसी दिन क्रमशः 15:00 बजे भाग-1 एवं 16:00 बजे भाग-2 सार्वजनिक रूप से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदादाता/उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष, अधोहस्ताक्षरी/उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने की तिथि पर अवकाश पड़ता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर निर्धारित समय तक स्वीकार की जायेगी एवं निर्धारित समय पर खोली जायेगी। भाग-1 में निविदा प्रपत्र मूल्य (नान रिफन्डेबिल) एवं धरोहर धनराशि आर.टी.जी.एस. के रूप में अधिशाषी अभियन्ता, विद्युत ४०० के.वी. उपकेन्द्र खण्ड, उन्नाव के पक्ष में हो, निविदा प्रपत्र, पैनकार्ड, जी.एस.टी. पंजीकरण, ई.पी.एफ. ई.एस.आई. एवं लेबर पंजीकरण की स्व प्रमाणित छायाप्रति एवं निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि के जमा कराये जाने का साक्ष्य/रसीद की छायाप्रति तथा तकनीकी बिड यदि कोई हो, संलग्न करना अनिवार्य है। भाग-2 में दरें एवं वाणिज्य के नियम व शर्तें होनी चाहिये। निविदा प्रपत्र मूल्य एवं धरोहर धनराशि का भुगतान आर.टी.जी.एस. के माध्यम से अधिशाषी अभियन्ता, विद्युत 400 के.वी. उपकेन्द्र खण्ड, दही चौकी, उन्नाव के चालू खाता संख्या-1457012215, बैंक का नाम-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, शाखा-मोती नगर, उन्नाव तथा आई.एफ.एस.सी. कोड- CBIN0280150 में कराना अनिवार्य है। 1. ई-निविदा संख्या-11/ई.एस.डी.यू./2019-20 (निविदा खुलने की तिथि 27-11-2019) विद्युत 400 के.वी. उपकेन्द्र, दही चौकी, उन्नाव पर निविदा प्रपत्र के अनुसार नियंत्रण कक्ष में स्थित गेटों के हाइड्रोलिक क्लोजर की मरम्मत एवं गैसकेट (रबर बीडिंग) बदलने तथा टी. एण्ड सी. केबिन हटाकर नियंत्रण कक्ष के किनारे स्थापित करने का कार्य। धरोहर धनराशि रु. 1,000/- निविदा प्रपत्र मूल्य रु. 296.00/- (18 प्रतिशत जी.एस.टी. सहित) 2. ई-निविदा संख्या-12/ई.एस.डी.यू./2019-20 (निविदा खुलने की तिथि 27-11-2019) विद्युत 400 के.वी. उपकेन्द्र, दही चौकी, उन्नाव पर निविदा प्रपत्र के अनुसार स्थापित मल्सीफायर सिस्टम, फायर हाइड्रैंट सिस्टम एवं डी.जी. सेट के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य। धरोहर धनराशि रु. 2,000/- निविदा प्रपत्र मूल्य रु. 590.00/- (18 प्रतिशत जी.एस.टी. सहित)। निविदा का भाग-1 (निविदा प्रपत्र मृल्य, धरोहर धनराशि, तकनीकी बिड मूल रूप में एवं पैनकार्ड, जी.एस.टी. पंजीकरण, ई.पी.एफ., ई.एस.आई. एवं लेबर पंजीकरण की स्व प्रमाणित छायाप्रति) निविदा खुलने की तिथि के 14:00 बजे तक स्वीकार किये जायेंगे। धरोहर राशि, निविदा प्रपत्र मूल्य न होने अथवा किसी प्रकार की त्रुटि/पात्रता पूर्ण न होने पर निविदा का भाग-2 जिसमें दर दी जानी है नहीं खोली जायेगी। भाग-2:-प्राइसबिड (दरें एवं शर्तें) निविदा खुलने की तिथि के www.etender.up.nic.in पर भरी जायेंगी। निविदा के भाग-1 उसी दिन 15:00 बजे एवं भाग-2 16:00 बजे सार्वजनिक रूप से खोला जायेगा। कृपया वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर विस्तृत जानकारी, विवरण/डाउनलोड तथा अन्य किसी प्रकार

के संशोधन/विस्तार हेतू निविदा खुलने की तिथि तक

लॉग ऑन करें। अधोहस्ताक्षरकर्ता को बिना कोई

कारण बताये निविदा को अस्वीकार/विभाजित करने का

अधिकार सुरक्षित होगा। **हस्ता**./- **अधिशाषी**

अभियन्ता विद्युत 400 के.वी. उपकेन्द्र खण्ड दही

चौकी, उन्नाव ''राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें'' पत्रांक

834/ वि.उ.खं.(उ.)/ विज्ञापन दिनांक:-

26.10.2019

बुनियादी ढांचा विकास पर पांच साल में 1,400 अरब डॉलर खर्च करेगा भारत : प्रधान

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

याँत्रिक प्रमण्डल मण्डल(लातेहा२) श्रिविर मेदिनीनगर

अति-अल्पकालीन ई0-प्रोक्योरमेंट सूचना

(PR 218381) (द्वितीय आमंत्रण)

अति-अल्पकालीन ई-निविदा प्रसंग सं0-डब्लू० आर० डी० / एम० डी०

मण्डल / 02 / 2019-20 दिनांक-25 / 10 / 19

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

भारत रेल परियोजनाओं, हवाई अड्डों, बिजली संयंत्रों, सड़कों और पुलों सहित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास पर अगले पांच साल में करीब 1,400 अरब डॉलर की राशि खर्च करेगा।

पेट्रोलियम, कें द्रीय प्राकृतिक गैस व इस्पात मंत्री धर्में द्र प्रधान ने शनिवार को इस्पात क्षेत्र पर बने वैश्विक मंच 'ग्लोबल फोरम ऑन स्टील एक्सेस कैपिसिटी' (जीएफएसईसी) के सम्मेलन है। में यह बात कही। इसमें कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रधान ने फोरम में कहा कि देश में इस्पात की मांग में काफी वृद्धि हुई है।

भविष्य में इसके और बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि भारत 2024 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की

कार्य का नाम

प्राक्कलित राशि (रुपये में)

कार्य समाप्ति की अवधि

अग्रधन की राशि (रुपये में)

बिड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं

निविदा खोलने की तिथि एवं

वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित

होने की तिथी एवं समय

परिमाण विपन्न का मुल्य एवं

अग्रधन की राशि को प्रमण्डलीय

कार्यालय में जमा करने की तिथि

एवं समय

निविदा आमंत्रित करने वाले का

पदनाम एवं पता

ई-प्रोक्योरमेंट सेल का

हेल्पलाईन नं0

नोट :- 1. केवल ई- निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।

2. विशेष जानकरी के लिए http://jharkhandtenders.gov.inमें देखा जा सकता

3. निविदा बिना कारण बताएं कभी भी संशोधित या रदद की जा सकती है।

पंजाब एंड सिंध बैंक

कौशाम्बी शाखा, गाजियाबाद, उ.प्र.- 201010

10 प्रोक्योरमेंट अधिकारी का सम्पर्क नम्बर

P.R. 221063 District(19-20)-D

नियम [8 (1)] कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभृतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभृति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गर

प्राधिकत अधिकार के रूप में तथा प्रतिभृति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सुचना नीचे तालिका में वर्णित तिथि को धारा 13 (2) के अंतर्गत जारी कर ऋणधारकों को सुचना की

क्योंकि, ऋणधारक, गारंटर्स इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतदद्वारा ऋणधारक, गारन्टर्स तथा आम जनता को सचित किया

जाता है कि नीचे तालिका में वर्णित तिथि को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) वे

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतदुद्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित संपत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन

संपत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय उस राशि तथा उस पर आगे के ब्याज, लागतों तथा अन्य खर्चे के साथ नीचे वर्णित राशि के लिये पंजाब

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभृत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिये उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8

कार्यालय, उप निदेशक (निर्माण) राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, शाहजहॉपुर।

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

मण्डी परिषद निर्माण खण्ड, शाहजहॉपुर के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित कार्यों हेतु मण्डी परिषद में पंजीकृत तथा

वित्तीय रूप से सुदृढ़ ठेकेदारों/फर्मों से दिनांक:- 13.11.2019 को ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जा सकती है। उक्त निविदाओं के सम्बन्ध में किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ई-

टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन निविदादाता https://etender.up.nic.in वेबसाईट पर दिनांक:- 12.11.2019 को

अपरान्ह 5.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड कर सकते हैं। इन कार्यों की टेक्निकल विड दिनांक:- 13.11.2019 को

प्रातः 12.30 बजे से उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी, जो निविदादाता टेक्निकल विड

में पात्र पाये जायेंगे उन्हीं निविदादाताओं की फाइनेंशियल विड खोली जायेगी। किसी अन्य प्रकार की निविदा पर विचार किया

29.19

शासनादेश सं.-415/78-2-2018-42 आई.टी./20147/टी.सी.-49 दिनांक:- 22.06.2018 के क्रम में निविदा शुल्क उप

निदेशक (निर्माण) मण्डी परिषद, शाहजहाँपुर के अधिष्ठान खाता सं.-30394487422 तथा जमानत धनराशि खाता सं.

आनलाइन भुगतान किया जायेगा। अन्यरूप से प्राप्त किसी भी निविदा पर बिचार नहीं किया जायेगा।

30394487614 जो कि स्टेट बैंक आफ इंडिया, रोजा मण्डी शाहजहॉपुर, आई.एफ.एस.सी. कोड-SBIN0014452 में

न्यूनतम निविदादाता को फाइनेंसियल विड खुलने के पश्चात मूल प्रपत्र कार्यालय में मूलरूप में प्रस्तुत करना

. शासनादेश सं.-8/2017/836/23.07.17-176(सा.)/06 दिनांकः- 08.06.2017 के अनुसार कार्यों की विभागीय दरों से

ठेकेदार द्वारा 10 प्रतिशत बिलो तक 0.50 प्रतिशत प्रति 1 प्रतिशत कम दर पर तथा 10 प्रतिशत से अधिक कम दर डालने

निविदा की वित्तीय विड खोलने के पश्चात सम्बन्धित सर्बनिम्न निविदादाता को 10 प्रतिशत जमानत धनराशि एवं अतिरिक्त

परफार्मेंस की जमानत धनराशि तीन दिन के अन्दर कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा. अन्यथा निविदा के साथ जमा

जमानत धनराशि जब्त कर ली जायेगी तथा फर्म को काली सूची में अंकित किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

कार्य को अनुबन्धित अवधि में पूर्ण कराना सम्बन्धित फर्म/ठेकेदार की जिम्मेदारी होगी। बिना पर्याप्त कारण के कार्य पूर्ण

कोषागार, शाहजहाँपुर द्वारा निर्गत स्टाम्पपेपर ही मान्य होंगे, अन्य माध्यम से प्राप्त स्टाम्प पेपर पर विचार किया जाना

उ.प्र. शासन द्वारा समय–समय पर जारी किये गये शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित करना फर्म/ठेकेदार की व्यक्तिगत

करने में विलम्ब होने की स्थिति में क्रमशः रू. 1,000.00 प्रतिदिन की दर से अर्थदण्ड लगाया जा सकता है।

2.15

पंजाब एण्ड सिंध बैंक

Punjab & Sind Bank ਪੰਜਾਬ ਐਂਡ ਸਿੰਧ ਬੌਂਕ

राय, निवासीः II−आरएच/ 48, सेक्टर-2, गाजियाबाद (उ.प्र.)

पत्रांकः नि.-शाह. (निविदा प.)/19-1075

कार्य का विवरण

आदर्श ग्राम-सरसवां का विकास कार्य (सरसवां मुख्य मार्ग से ग्राम

के अन्दर होते हुए संजय सिंह के घर तक) की मरम्मत (0.65

तक (कनेंग नवादा रोड से बेहटी तक) की मरम्मत (1.40

कनेंग से साहबदादपुर रोड से बादशाहनगर से कहेलिया वाली रोड 21.22

. शेष नियम एवं शर्तें किसी भी कार्यालय दिवस में देखी एवं पढ़ी जा सकती हैं।

(अ) मण्डी समिति शाहजहाँपुर के क्षेत्रान्तर्गत सम्पर्क मार्ग मरम्मत

. किसी भी कार्य की एकल निविदा मान्य नहीं होगी।

पर प्रतिशत (निविदा लागत पर) अतिरिक्त धनराशि देय होगी।

तिथि: 26.10.2019

जाना सम्भव नहीं होगा।

मुख्य शर्तै:-

सम्भव नहीं होगा।

जिम्मेदारी होगी।

प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सुचना में वर्णित राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

श्रीमती रैनक परवीण, पुत्र श्री नसीम अख्तर, तिथि 26.8.2015 के माध्यम से सब रजिस्ट्रार-III, गाजियाबाद के

दोनों निवासीः फ्लैट नं. ए-6, यूजीएफ, पास पंजीकृत श्री कलीम हैदर, पुत्र श्री कमरूल होदा के पक्ष मं

एलआईजी, प्लाट नं. 48, शालीमार गार्डन, 26.8.2015 को निष्पादित बिक्री प्रलेख के अनुसार आवासीय फ्लैट नं.

गाजियाबाद, उ.प्र.-201101,- ऋणधारक ए-6, यूजीएफ बैक साईड, एरिया माप 41.80 वर्ग मी.. टाइप

राजिन्दर नगर, गाजियाबाद- 201101.- सम्पत्ति की चौहद्दीः पूर्वः प्लॉट नं. ४९, पश्चिमः प्लॉट नं. ४७, उत्तरः

. श्री अमित कुमार राय, पुत्र श्री शिव मुनि एलआईजी, प्लॉट नं. 48, विक्रम एन्क्लेव, ग्राम शालीमार गार्डन,

रोड 40 फीट चौड़ा, दक्षिणः सर्विस लेन।

अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा कर लिया है।

श्री कलीम हैदर, पुत्र श्री कमरूल होदा एवं दस्तावेज सं. 6647, बुक नं. 1, वॉल नं. 11333, पेज 97 से 154 10.6.2019 24.10.20

तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक विकास पर अगले पांच साल में करीब 1,400 अरब डॉलर (99,40,000 करोड़ रुपए) का खर्च करने को प्रतिबद्ध है।

प्रधान ने कहा कि यह सब देश में इस्पात की मांग के लिए अच्छा है। उन्होंने बताया कि भारत इस्पात की प्रति व्यक्ति खपत को 72 किलो प्रति व्यक्ति के मौजूदा स्तर से बढ़ाकर 2030 तक 160 किलो प्रति व्यक्ति करने के लिए प्रतिबद्ध

प्रधान दो दिन की जापान यात्रा पर हैं। मंत्री ने इस दौरान शुक्रवार को जापान की दिग्गज इस्पात कंपनियों जेएफई स्टील कॉरपोरेशन, निप्पॉन स्टील और दायदो स्टील के शीर्ष प्रबंधन से मुलाकात की और तेल से बढ़ते भारतीय इस्पात क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

बत्तरे वीयर योजना के नहर के

गेटों का निर्माण एवं अधिश्ठापन

इत्यादि का कार्य।

14,48,800.00 (चौदह लाख अढ़तालीस

हजार आठ सौ) मात्र।

05(पाँच माह)।

रू० ३०,०००.०० (तीस हजार) मात्र।

दिनांक 07.11.2019 (5:00 बजे

अपराहन तक)।

दिनांक 09.11.2019 (03:00 बजे

अपराहन)।

30.10.2019 (05:00 बजे अपराहन्)।

08.11.2019 तक (05:00 बजे

अपराहन तक)।

कार्यपालक अभियंता. याँत्रिक प्रमण्डल

मण्डल(लातेहार) शिविर मेदिनीनगर।

0651-249232

कार्यपालक अभियंता

शिविर मेदिनीनगर।

(2) के अनुसार

बकाया राशि

14,09,618.5

जिसमें 31.5.20

तक ब्याज शामिल

तथा 1.6.2019

लागू दर पर आगे क

ब्याज, लागत, खर्न

एवं उस पर अ

चार्जेज आदि।

पंजाब एंड सिंध बैंक

दिनांक:- 26.10.19

निविदा का कार्य पूर्ण पंजीकृत

31.12.19

31.12.19

अवधि की श्रेणी

हस्ता./-

(खेन्द्र सिंह)

उप निदेशक (निर्माण)

लागत रु. | धनराशि (रु. | मूल्य GST | करने की | ठेकेदार

1,180.00

1,180.00

हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी,

शीर्ष सात कंपनियों की पूंजी 76,998 करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

सूचकांक की शीर्ष दस कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में कुल मिलाकर 76,998.4 करोड़ रुपए बढ़ गया।

इसमें टाटा समृह की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बाजार पूंजीकरण में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआइएल), हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल), एचडीएफसी, आइटीसी, आइसीआइसीआइ बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) के बाजार पूंजीकरण में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है जबिक एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण घट गया।

टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 25,403.64 करोड़ बढ़कर 7,97,400.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आइसीआइसीआइ बैंक का पूर्जीकरण 20,271.2 करोड़ चढ़कर 3,03,054.59 करोड़ रुपए जबिक एसबीआइ का 10,664.91 करोड़ बढ़कर 2,51,317.06 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण सप्ताह के दौरान 9,762.29 करोड़ की बढ़त के साथ 9,06,941.76 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 7,934.03 करोड़ बढ़कर 4,63,886.75 करोड़ रुपए जबकि आइटीसी का पूंजीकरण 1,658.68 करोड़ चढ़कर 3,04,520.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी का पूंजीकरण 1,303.65 करोड़ बढ़कर 3,63,105.62 करोड़ रुपए हो गया।

उधर, करोड़ लुढ़क कर 2,73,830.43 करोड़ रुपए रह गया। इन्फोसिस के शीर्ष प्रबंधन पर कदाचार के आरोपों के बाद कंपनी के शेयर मूल्य में बड़ी गिरावट आई है। कोटक महिंद्रा का बाजार पूंजीकरण 5,262.13 करोड़ गिरकर 3,03,293.39 करोड़ रुपए जबिक एचडीएफसी बैंक का पूंजीकरण 273.54 करोड़ घटकर 6,72,192.76 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष दस कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले पायदान पर रही। इसके बाद टीसीएस एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, एचडीएफसी, आइटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक, इन्फोसिस और एसबीआइ का स्थान रहा है।

याँत्रिक प्रमण्डल, मण्डल(लातेहार) RAJASTHAN RENEWABLE ENERGY CORPORATION LIMITED (A Government of Rajasthan Undertaking) E-166, Yudhisthir Marg, C-Scheme, Jaipur CIN No. U40101RJ1995SGC009847 Tel: 0141-2225859, 2229341, 2223966 & 2223965 Fax: 0141-2226028

> Notice Inviting Tender (TN: 09/2019-20) Online Tenders are invited for the work of Design, Supply, Installation, Testing Commissioning of Grid Connected Rooftop Solar Photovoltaic Power Projects under "Roof Top Solar Power Generation Scheme 2019-20" for aggregate

Website -energy.rajasthan.gov.in/rred

capacity of 45 MW with comprehensive maintenance of 5 years in Rajasthar against UBN No.REC1920GLRC00010. For more details, visit http://eproc.rajsathan.gov.in, http://energy.rajasthan.gov.in/rrecl and http://sppp.rajasthan.gov.in. The Tender document may be downloaded from 5.10.2019. NIB Code: REC1920A0010 Managing Director Raj.Samwad/C/19/3395

ई - प्रोक्योरमेन्ट सेल मुख्य अभियंता का कार्यालय कम्बाईन्ड ऑफिस बिटिडंग भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, रांची ई—प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

Renovation of New Ladies Ward in Itki

टेन्डर रेफरेन्स न0-BCD/CE/38/Ranchi Div-02 /2019-20 दिनांक— 25-10-2019

कार्य का नाम

	1	काय का नाम	Sanitorium Campus Itki Ranchi.
S	2	प्राक्कलित राशि (रू०)	रू० 1,32,87,600.00 (रुपये एक करोड़ बत्तीस लाख सतासी हजार छः सौ) मात्र ।
eta.	3	कार्य पूर्ण करने की अवधि	9 महीने
	4	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	11-11-2019
	5	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय	18-11-2019 के 11.00 AM तक
	6	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	ई — प्रोक्योरमेन्ट सेल मुख्य अभियंता का कार्यालय , कम्बाईन्ड ऑफिस बिल्डिंग, भवन निर्माण विभाग, लाईन टैंक रोड, रांची।
	7	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	0651—2206238
	0	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का	0054 000000

0651-2206238 हेल्पलाईन संख्या • किसी भी प्रकार का बदलाव http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा

Note: UCAN Registration is mandatory for the Bidders

नोडल पदाधिकारी, ई – प्रोक्योरमेन्ट सेल,

मुख्य अभियंता का कार्यालय, कम्बाईन्ड ऑफिस बिल्डिंग, भवन निर्माण विभाग, लाईन टैंक रोड, रांची।

• अन्य किसी भी प्रकार की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा

झारखंड सरकार ग्रामीण विकास विभाग(ग्रा०का०मा०) मुख्य अभियंता का कार्यालय 102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी रोड, रांची

ई-निविदा संख्या:- 156/RI/2019-20/RDD(RWA)/CKP दिनांक : 25.10.2019 मुख्य अभियंता, ग्रामीण विकास विभाग(ग्रा०का०मा०), झारखंड, राँची द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से

ई—निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:— 11.11.2019 अपराहन 5.00 बजे।

एक प्रति जमा करने की तिथि:-13.11.2019 पूर्वाहन 10.00 बजे से अपराहन 3.30 बजे तक।

5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 14.11.2019 पूर्वाहन 11.30 बजे ।

7. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरमाष सं0:- 0651-2207818

नोडल पदाधिकारी विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है। ई-प्रोक्युर्मन्ट सेल PR 221039 (Rural Work Department)19-20*D

रेलवे की माल ढुलाई से आमदनी 3,900 करोड़ रुपए घटी, यात्री राजस्व भी घटा

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

आर्थिक सुस्ती का असर दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्कों में से एक भारतीय रेल के राजस्व पर भी दिखने लगा है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में रेलवे की यात्री किराए से आमदनी वर्ष की पहली तिमाही के मुकाबले 155 करोड़ रुपए और माल ढुलाई से आय 3,901 करोड़ रुपए कम रही। सूचना के अधिकार (आरटीआइ) के तहत मांगी गई जानकारी से यह खुलासा हुआ।

कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ की ओर से दायर आरटीआइ आवेदन से खुलासा हुआ है कि 2019-20 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में यात्री किराए से 13,398.92 करोड़ रुपए की

आय हुई थी। यह आय जुलाई-सितंबर तिमाही में गिरकर 13,243.81 करोड़ रुपए रह गई। इसी तरह भारतीय रेल को माल ढुलाई से पहली तिमाही में 29,066.92 करोड़ रुपए की कमाई हुई जो दूसरी तिमाही में काफी कम कदम उठाए हैं। होकर 25,165 करोड़ रुपए रह गई।

आर्थिक सुस्ती की वजह से टिकट की बुकिंग भी प्रभावित हुई। पिछले साल अप्रैल-सितंबर के मुकाबले 2019-20 की इसी अवधि में बुकिंग में 1.27 फीसद की गिरावट आई है। रेलवे ने आर्थिक नरमी से निपटने के लिए कई उपाय किए हैं। उसने हाल में व्यस्त समय में माल ढुलाई पर अधिभार हटा लिया है और एसी चेयर कार व एग्जिक्यूटिव क्लास सिटिंग वाली ट्रेनों के किराए में 25 फीसद छूट की पेशकश की है। इसके अलावा 30 साल से

पुराने डीजल इंजन को हटाने की पहल शुरू करना, ईंधन बिल में कटौती, किराए के अतिरिक्त राजस्व के विकल्प सृजित करना और भूमि को किराए पर देने या बेचने जैसे

रेलवे बार्ड ने पिछले महीने सभी 17 मंडलों को सुस्ती से निपटने के लिए उपाय करने को कहा है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि माल ढुलाई में गिरावट चिंता का कारण है। कोयला खदानों में पानी भरने से कोयला लदान प्रभावित हुआ है जबिक इस्पात और सीमेंट क्षेत्र आर्थिक सुस्ती की मार झेल रहे हैं। हालांकि, हमने इन नुकसानों को कम करने के लिए उपाय किए हैं और उम्मीद है कि इस समस्या से मजबूत होकर बाहर निकलेंगे।

अगस्त में 13.08 लाख नए रोजगार बढे

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

देश में अगस्त माह में जुलाई की तुलना में रोजगार के कम अवसरों का सृजन हुआ है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआइसी) के पेरोल आंकड़ों के अनुसार अगस्त में 13.08 लाख नए रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ। जुलाई में यह आंकड़ा 14.49 लाख रहा था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ईएसआइसी के पास 2018-19 के दौरान कुल मिलाकर 1.49 करोड नए अंशधारक जुड़े। आंकड़ों के अनुसार सितंबर, 2017 से अगस्त, 2019 के दौरान करीब 2.97 करोड़ नए अंशधारक ईएसआइसी योजना से जुड़े। एनएसओ की यह रिपोर्ट ईएसआइसी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और पेंशन कोष नियामक व विकास प्राधिकरण

(पीएफआरडीए) द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ने वाले नए अंशधारकों पर आधारित होती है।

एनएसओ अप्रैल, 2018 से ये आंकड़े जारी कर रहा है। लेकिन इसमें सितंबर, 2017 की अवधि से आंकड़े लिए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार सितंबर, 2017 से मार्च, 2018 के दौरान ईएसआइसी से 83.35 लाख नए अंशधारक जुड़े। अगस्त में ईपीएफओ के साथ 10.86 लाख नए अंशधारक जुड़े। जुलाई में यह आंकड़ा 11.71 लाख का था। 2018–19 के दौरान ईपीएफओ संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से शुद्ध रूप से 61.12 लाख नए अंशधारक जुड़े। इसी तरह सितंबर, 2017 से मार्च, 2018 के दौरान इन योजनाओं से 15.52 लाख नए अंशधारक जुड़े। सितंबर, 2017 से अगस्त, 2019 के दौरान ईपीएफ योजना से 2.75 करोड़ नए अंशधारक जोड़े गए।

रीयल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी निवेश 19 फीसद बढ़ा

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

घरेल रीयल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी (पीई) निवेश इस साल जनवरी-सितंबर अवधि में 19 फीसद बढ़कर 3.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया। संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली फर्म एनारॉक ने यह जानकारी दी। फर्म ने बताया कि यह निवेश मुख्य तौर पर वाणिज्यिक संपत्तियों में हुआ है। एनारॉक के अनुसार एक साल पहले की इसी अवधि में रीयल एस्टेट क्षेत्र में निजी

इक्विटी निवेश 3.2 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्यिक रीयल एस्टेट क्षेत्र में 2019 में निजी इक्विटी निवेश पहली तीन तिमाहियों में करीब 3 अरब डॉलर रहा। एक साल पहले 2018 की जनवरी से सितंबर की इसी अवधि में 2.1 अरब डॉलर का निवेश हुआ था। इस दौरान आवासीय क्षेत्र में 29.5 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ। एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 21 करोड़ डॉलर था। इस दौरान 40 फीसद की वृद्धि देखी गई। एनारॉक के आंकड़ों के मुताबिक

नोवा आयरन एण्ड स्टील लि.

पंजी, कार्या: गांच-डागीरी, तहसील बेल्हा,

जिला- बिलासपुर, छत्तीसगढ़

सीआइएन: L02710CT1989PLC010052

इ-मेल: rai_nisl2007@yahoo.com

www.novaironsteel.com

दिनांक 30.09.2019 को समाप्त तिमाही और छमाही के

लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों पर परस्पर विचार

के लिए निदेशकों के बोर्ड की बैठक 14,11,2019 को

होगी। सुचना कम्पनी की वेबसाइट तथा शेयर बाजार

वेबसाइट www.bseindia.com पर उपलब्ध है।

नई दिल्ली

स्वानः नई दिल्ली

दिनांक: 26.10.2019

कृते नोवा आयरन एण्ड स्टील लि

ह./- धीरज कुमार

कम्पनी सचिव

फोन: 077-52285217, फैक्स: 077-52285213

जनवरी-सितंबर 2019 के दौरान खुदरा संपत्ति क्षेत्र को 26 करोड़ डॉलर का निवेश मिला। एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 35.5 करोड़ डॉलर था। लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग (गोदाम) क्षेत्र में कुल निजी इक्विटी निवेश 27 फीसद गिरकर 20 करोड़ डॉलर रहा। एक साल पहले इसी अवधि में 27.5 करोड़ डॉलर था।

शहरों के लिहाज से मुंबई महानगर क्षेत्र में इस साल सितंबर तक सबसे ज्यादा 1.59 अरब डॉलर का निवेश दर्ज किया गया। यह 2018 की इसी तिमाही की तुलना में तीन फीसद अधिक है। बंगलुरु में पीई निवेश 17 फीसद बढ़कर 42 करोड़ डॉलर से 49 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। पुणे में निवेश 2018 में 12.5 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2019 में करीब 39 करोड़ डॉलर हो गया। दिल्ली-एनसीआर में पीई निवेश जनवरी-सितंबर 2018 में 15 करोड़ डॉलर से गिरकर 2019 की इसी अवधि में 11.5 करोड़ डॉलर रह गया। विदेशी निजी इक्विटी कोषों का रीयल एस्टेट निवेश में दबदबा बना हुआ है।

आइसीआइसीआइ बैंक ने जीएसटीएन की पूरी हिस्सेदारी राज्य सरकारों को बेची

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)। निजी क्षेत्र के आइसीआइसीआइ

बैंक ने जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) में अपनी पुरी 10 फीसद हिस्सेदारी 13 राज्य सरकारों को बेच दी है। बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह कंपनी (जीएसटीएन) जीएसटी कर संग्रह की सुविधा देती है।

आइसीआइसीआइ बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि यह हिस्सेदारी बिक्री एक करोड़ नकद में हुई है। बैंक ने कहा कि विभिन्न राज्य सरकारों को हिस्सेदारी हस्तांतरित करने का काम मार्च 2020 अंत तक पूरा हो जाएगा। बैंक असम सरकार को 0.14 फीसद और

तेलंगाना सरकार को 0.81 फीसद हिस्सेदारी हस्तांतरित करेगा। इसके अलावा गोवा, केरल, मणिपुर, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, झारखंड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश सरकारों में से हरेक को 0.82 फीसद हिस्सेदारी का स्थानांतरण किया जाएगा। सरकार ने पिछले साल जीएसटी नेटवर्क को सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई बनाने का फैसला किया था, जिसके बाद

आइसीआइसीआइ बैंक कंपनी से बाहर हो गया है। फैसले के मृताबिक जीएसटी नेटवर्क में केंद्र की 50 फीसद हिस्सेदारी और बाकी हिस्सेदारी राज्य सरकारों के पास होगी। वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों की कंपनी में कुल मिलाकर 49 फीसद हिस्सेदारी है जबिक बाकी 51 फीसद हिस्सेदारी एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक, एनएसई स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट कंपनी और एलआइसी हाउसिंग फाइनेंस के पास है।

मध्य प्रदेश में नीमच के आरटीआइ

P.R.221042 Building(19-20):D

ई-अल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन	कार्य का नाम	की जाती है। प्राक्कलित रा	कार्य	टेण्डर	
	संख्या/पैकेज संख्या		अंक में	अक्षर में	समाप्ति की तिथि	कॉल नं0
1.	RDD(RWA)/ CKP/14/2019-20	आनन्दपुर हाट से समीज भाया गुड़गाँव बागचट्टा तक पथ का सुद्दीकरण (ल-13.400 कि0मी0)	3,69,19,606.00	तीन करोड़ उनहत्तर लाख उन्नीस हजार छः सी छः रू० मात्र	18 माह	द्वितीय

4. जिला नियंत्रण कक्ष, रांची में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, शपथ पत्र के मूल प्रति एवं अपलोड किये गये तकनीकी योग्यता दस्तावेज की

6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:— मुख्य अभियंता, ग्रामीण विकास विभाग(ग्रा०का०मा०), झारखंड, रांची, 102 द्वितीय तल्ला अभियंत्रण भवन, रांची

 निविदा शुल्क भारतीय स्टेट बँक द्वारा निर्गत बँक ड्राफ्ट के रूप में कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विभाग(ग्रा०का०मा०), कार्य प्रमंडल, चक्रधरपुर के पक्ष में भूगतेय होगा जो लौटाया नहीं जायेगा।

से रहने वाले भारतीय नागरिकों की

संख्या आठ लाख के आंकड़े को

पार कर गई है। इनमें से लगभग

24,000 भारतीय कुवैत सरकार के

लिए काम कर रहें हैं, जिनमें नर्स,

इंजीनियर और कुछ वैज्ञानिक

कहा, 'बहरीन के विदेश मंत्री

खालिद अल खलीफा से मुलाकात

कर बहुत अच्छा लगा। हमेशा की तरह

गर्मजोशी भरा।' भारत और बहरीन के बीच

राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में

सौहार्दपूर्ण आदान-प्रदान के साथ दोनों देशों

के बीच उत्कृष्ट द्विपक्षीय संबंध हैं। बहरीन

स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, इस देश

में लगभग साढ़े तीन लाख भारतीय नागरिक

जयशंकर ने एक अन्य ट्वीट में

शामिल हैं।



उत्साह

सऊदी अरब में शनिवार को रियाद उत्सव के दौरान कलर रन में हिस्सा लेतीं महिलाएं।

हांगकांग में पुलिस के निजी ब्योरे प्रकाशित करने पर रोक

हांगकांग, २६ अक्तूबर (एएफपी)।

हांगकांग की अदालत ने लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों द्वारा डॉक्सिंग रोकने के लिए पुलिस अधिकारियों और उनके परिवार के बारे में व्यक्तिगत विवरण प्रकाशित करने पर रोक

अर्ध-स्वायत्त चीनी शहर में पिछले पांच महीने से लोकतंत्र समर्थकों का विरोध-प्रदर्शन जारी है। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई बार हिंसात्मक झड़पे देखने मिली। पुलिस बल ने बताया कि उनके कई अधिकारियों की निजी जानकारी इंटरनेट पर जारी कर दी गई, जिसके बाद उनके परिवार के सदस्यों को प्रताड़ित किया जा रहा है।

किसी की भी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन जारी कर उसे प्रताड़ित किए जाने को 'डॉक्सिंग' कहा जाता है। पुलिस बल के

नाघे अन (वियतनाम), २६ अक्तूबर (एएफपी)।

वियतनाम के एक और परिवार ने ब्रिटेन में

इस सप्ताह एक ट्रक में मिले 39 लोगों के शवों में

अपने बेटे के होने का अंदेशा जताया है। एक

व्यक्ति ने शनिवार को बताया कि उसे एक फोन

आया था जिसमें बताया गया था कि ब्रिटेन जाने

ब्रिटिश पुलिस ने शुरू में बताया था कि एक

प्रशीतित ट्रक में जिन 31 पुरुषों और आठ

महिलाओं के शव मिले हैं, समझा जाता है कि वे

सभी चीनी नागरिक हैं। यह ट्रक पूर्वी लंदन के

अमेरिकी सांसदों ने मनाई दिवाली

भारतीय मूल की सांसद कमला हैरिस, प्रमिला जयपाल, राजा

कृष्णमूर्ति, रो खन्ना और अमी बेरा सहित शीर्ष अमेरिकी सांसदों ने

शुक्रवार को दीवाली मना कर जीवन में सकारात्मक होने का संदेश दिया।

भारत में दिवाली रविवार को मनाई जाएगी। गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप ने भी ओवल कार्यालय में एक छोटे भारतीय-अमेरिकी समृह

पर्व हमें अपने लोगों को अंधेरे से ऊपर उठाने, निराशा की बजाय आशा

के साथ जीने और जो सही है उसके लिए खड़े होने के लिए प्रेरित करता

है। मुझे उम्मीद है कि त्योहार मना रहे सभी लोगों को इस तरह के खुशी

भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि यह त्योहार

अंधकार पर प्रकाश की विजय और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक

है। भारतीय मूल की कानूनविद् प्रमिला जयपाल ने कहा, 'दीवाली हमें

याद दिलाती है कि समाज में धर्म, अच्छाई, कर्तव्य और धार्मिकता हमेशा

बनी रहेगी। हम प्रकाशोत्सव मनाते हुए संकल्प लेते हैं कि हम अपने काम

के मौके पर अपने प्रियजनों के साथ समय बिताने का मौका मिले।

भारतीय-अमेरिकी महिला सांसद कमला हैरिस ने कहा, यह प्रकाश

ग्रेज में एक औद्योगिक पार्क में मिला था।

वाशिंगटन, २६ अक्तबर (भाषा)

के साथ दिवाली मनाई।

के मार्ग में उसके बेटे की मौत हो गई।

वकीलों ने शुक्रवार को हांगकांग उच्च न्यायालय से लोगों का नाम, पता, जन्मतिथि और पहचान पत्र संख्या सहित अन्य व्यक्तिगत जानकारी प्रकाशित करने पर रोक लगाने की इजाजत मांगी।

फेसबुक और इंस्टाग्राम आइडी, उनके वाहनी की नंबर प्लेट और किसी अधिकारी या उनके परिवार की किसी भी तस्वीर को सहमित के बिना प्रकाशित करने पर भी प्रतिबंध लगाने की

अदालत ने सुनवाई पुरी होने तक 14 दिन की निषेधाज्ञा प्रदान कर दी है। इस निषेधाज्ञा में यह स्पष्ट नहीं है कि इसे कैसे लागू किया जाएगा और यह पत्रकारों के काम को बाधित करेगी या नहीं। इस बीच, पुलिस ने कहा कि वे जनता के गुस्से और दुर्व्यवहार का सामना कर रही है, जिससे वे अपनों को बचाना चाहते हैं।

वियतनाम के एक और परिवार को ट्रक में

मिले 39 शवों में बेटे के होने का अंदेशा

हालांकि अब तक दो वियतनामी परिवार यह

आशंका जता चुके हैं कि शवों में उनके संबंधी भी

हो सकते हैं, जिनके पास संभवतः फर्जी चीनी

पासपोर्ट हों इस हादसे से समुचा ब्रिटेन सदमे में

है और इससे यह सामने आया है कि बिना किसी

सही कागजात के लोग कैसे युरोप पहुंचने के लिए

खतरनाक मार्ग अपनाते हैं। इस मामले में चार

लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अंगुएन दिन्ह

गिया ने बताया कि उन्हें एक सप्ताह पहले बेटे ने

फोन कर बताया था कि उसकी ब्रिटेन जाने की

योजना है जहां उसे किसी नेल सैलून में काम

उन्होंने बताया कि उनका 20 साल का बेटा

मिलने की उम्मीद है।

दुबई में दिवाली पर पटाखे बेचने वाले को जेल या जुर्माना

दुबई, 26 अक्तूबर (भाषा)।

दुबई में पटाखों की अवैध बिक्री पर रोक लगाने की पहल के तहत दिवाली के दौरान किसी भी व्यक्ति को पटाखा बेचते हुए पकड़े जाने पर उसे तीन महीने की कैद या जुर्माना हो साथ ही उन्होंने पुलिस अधिकारियों के सकता है। खलीज टाइम्स ने खबर दी है कि जुर्माने की राशि 5000 दिरहम (1361 डॉलर) तय की गई है।

> पिछले कुछ सालों से दुबई नगरपालिका इस त्योहार के दौरान पटाखों की अवैध बिक्री पर सख्ती कर रही है। अखबार के मुताबिक दुबई पुलिस ने कहा है कि लोगों के बीच जागरूकता अभियान के फलस्वरूप इस चलन पर काफी हद तक रोक लगी है। वैसे कोई कार्यक्रम करने वालों को पटाखों का इस्तेमाल करने से पहले दुबई पुलिस और दुबई नगरपालिका से मंजूरी लेनी होती है। अतीत में ऐसे मामले आए जब पटाखों का ढेर रखने वालों को गिरफ्तार किया गया।

> अंगुएन दिन्ह लुओंग फ्रांस में रह रहा था। उन्होंने

कहा कि ब्रिटेन में यात्रा पर 11,000 पाउंड

(14,000 डॉलर) का खर्च आएगा। हालांकि

गिया को कुछ दिन पहले एक वियतनामी व्यक्ति

का फोन आया था जिसने कहा था, 'कृपया धीरज

बनाए रखें क्योंकि कुछ अनहोनी हो सकती है।'

गिया ने कहा, 'यह सुन कर मैं जमीन पर गिर

गया।' उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि मेरा बेटा

भी उसी ट्रक में था जिसमें सभी लोग मृत पाए गए

थे। 26 वर्षीय वियतनामी महिला फाम थी त्रा

माई के भी मृतकों में शामिल होने का अंदेशा है

क्योंकि शवों के मिलने से पहले उनके परिवार को

चिली के राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग पर सड़कों पर उतरे लाखों प्रदर्शनकारी

बाकू (अजरबैजान), 26 अक्तूबर (भाषा)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को

यहां गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) शिखर

सम्मेलन से इतर कुवैत और बहरीन के

अपने समकक्षों के साथ मुलाकात की और

दोनों देशों के साथ भारत के मजबूत द्विपक्षीय

शिखर सम्मेलन के मौके पर इसके 120

सदस्य देशों के प्रमुख यहां आए हुए हैं।

भारत एनएएम का संस्थापक सदस्य है, जो

विश्व नेताओं के सबसे बड़े मंचों में से एक

विदेश मंत्री शेख सबाह खालिद अल-हमद

अल-सबाह के साथ सौहार्दपूर्ण मुलाकात

की। हमारी ऐतिहासिक दोस्ती और मजबूत

जयशंकर ने ट्वीट किया, 'कुवैत के

शुक्रवार को शुरू हुए 18 वें एनएएम

संबंधों पर चर्चा की।

चिली के राष्ट्रपति सेबेस्टियन पिनेरा के इस्तीफे और आर्थिक सुधारों की मांग के साथ शुक्रवार को दस लाख से अधिक लोग सड़कों पर उतर आए। इसे अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन कहा जा रहा है। यहां पिछले एक सप्ताह से हिंसक प्रदर्शन जारी हैं।

लिया है।' साथ ही उन्होंने इन प्रदर्शनों को सकारात्मक और बदलाव का जरिया बताया है। सैंटियागो के गवर्नर कार्ला रुबिलर ने ट्विटर पर इसे 'एक ऐतिहासिक दिन' करार देते हुए 'नए चिली के सपने को दर्शाने

किया, जबकि सैंटियागों के टाउन हॉल ने पुलिस के आंकड़ों का हवाला देते हुए राजधानी में मार्च करने वालों लोगों की संख्या 8.20 लाख बताई। चिली में लोग पिछले एक सप्ताह से बढ़ती सामाजिक-आर्थिक असमानता को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। ये लोग कम मजदुरी और पेंशन, मंहगी स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा तथा अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

जल संसाधन विभाग कार्यपालक अभियंता का कार्यालय सुवर्णरेखा बाँध प्रमंडल संख्या -2, चांडिल

दिनांक 23-10-2019 र्ट् गोकारमेंट यसना

नोट:-- 1. निविदा की मात्रा एवं राशि घट -- बढ़ सकती है।

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल का हेल्प लाईन

कार्यपालक अभियंता PR 221064 Water

झारखण्ड सरकार जल संसाधन विभाग कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

ई0निविदा रिफरेन्स नं0- WRD/SMP/SDD-2CHNADIL/F2-12/2019-20 दिनांक — 23-10-2019

क्र.	सूची	विवरणी		
		Strengthening and widening of		
1	कार्य का नाम	road form Mukhiya Hotal to near		
		Chandil SDM Office.		
2	प्राक्कलित राशि	क्त0 21739549.00 (रूपये दो करोड़ सत्रह		
	AIGHTA THA	लाख उन्चालीस हजार पांच सौ उन्चास मार्		
3	अग्रधन की राशि	रू० ४३४८००.०० (रूपये चार लाख चौंतीस		
		हजार आठ सौ मात्र))		
4	परिमाण विपत्र की राशि	रू० 10000.00 (रूपये दस हजार मात्र)		
5	कार्य पूर्ण करने का समय	180 दिन		
6	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	06.11.2019 अपराह्न 02.00 बजे		
7	निविदा अभिलेख डाउनलोड	06.11.2019 अपराह्न 02.00 बजे से 22.11.		
_ ′	एवं अपलोड करने की अवधि	2019 को शाम 5.00 बजे तक		
8	कार्यालय में निविदा अग्रधन	25.11.2019 शाम 5.00 बजे तक		
0	राशि जमा करने की तिथि	25.11.2019 (111 5.00 9 01 (14)		
9	निविदा खोलने की तिथि	28.11.2019 02.00 बजे अपराह्न		
-4		ई० संजीव कुमार		
	निविदा प्रकाषित करने वाले	कार्यपालक अभियंता,		
10	पदाधिकारी का नाम एवं पता	सुवर्णरेखा बाँध प्रमंडल संख्या –2, चांडिल		
	पदााधकारा का नाम एवं पता	मो० नं0-8210828520		
		ई.मेल–eesdd2chandil@gmail.com		
11	ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल का हेल्प लाईन नं0	0657-2371765		

2. ज्यादा जानकारी के लिए हमारे वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in.

ई-मेल :-eesdd2chandil@gmail.com ईo निविदा रिफरेन्स नंo- WRD/SMP/SDD-2 CHANDIL/SBD-02 /2019-20

सुवर्णरेखा बाँघ प्रमंडल संख्या -2, चांडिल। Resource(19-20)D

सुवर्णरेखा बाँध प्रमंडल संख्या –2, चांडिल

ई0 प्रोक्यूरमेंट सूचना

क्र.	सूची	विवरणी
1	कार्य का नाम	Strengthening and widening of road form Mukhiya Hotal to nea
'	प्राप प्रा भाग	Chandil SDM Office.
2	प्राक्कलित राशि	रू० २१७७४५९.०० (रूपये दो करोड़ सत्रह लाख उन्चालीस हजार पांच सौ उन्चास मा
3	अग्रधन की राशि	रू० 434800.00 (रूपये चार लाख चौंतीर हजार आठ सौ मात्र))
4	परिमाण विपत्र की राशि	रू० 10000.00 (रूपये दस हजार मात्र)
5	कार्य पूर्ण करने का समय	180 दिन
6	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	06.11.2019 अपराह्न 02.00 बजे
7	निविदा अभिलेख डाउनलोड एवं अपलोड करने की अवधि	06.11.2019 अपराह्न 02.00 बजे से 22.1 2019 को शाम 5.00 बजे तक
8	कार्यालय में निविदा अग्रधन राशि जमा करने की तिथि	25.11.2019 शाम 5.00 बजे तक
9	निविदा खोलने की तिथि	28.11.2019 02.00 बजे अपराह्न
10	निविदा प्रकाषित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	ई0 संजीव कुमार कार्यपालक अभियंता, सुवर्णरेखा बाँध प्रमंडल संख्या –2, चांडिल मो० नं0–8210828520 ई.मेल–eesdd2chandil@gmail.com
11	ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल का हेल्प लाईन नं0	0657-2371765

1. निविदा की मात्रा एवं राशि घट — बढ़ सकती है।

कार्यपालक अभियंता

सैंटियागो, २६ अक्तूबर (एएफपी)।

राष्ट्रपति ने ट्वीट कर प्रदर्शनकारियों से कहा कि उन्होंने 'संदेश सुन वाले... एक शांतिपर्ण मार्च' के तौर पर इसकी सराहना की।

रुबिलर ने कहाँ कि देश भर में एक लाख से अधिक लोगों ने प्रदर्शन

豖.	सुची	विवरणी
1	कार्य का नाम	Boulder Pitching with cut off at upstream portion of Chandil Dam Near Nouka Vihar.
2	प्राक्कलित राशि	रू0 39768833.00 (रूपये तीन करोड़ सन्तानवे लाख अड़सठ हजार आठ सी तैतीस मात्र)
3	अग्रधन की राशि	रू० 397700.00 (रूपये तीन लाख सन्तान्वे हजार सात सौ मात्र))
4	परिमाण विपन्न की राशि	रू० 10000.00 (रूपये दस हजार मात्र)
5	कार्य पूर्ण करने का समय	730 दिन
6	वेबसाईट पर निविदा प्रकाषन की तिथि	08.11.2019 अपराह्न 02.00 बजे
7	निविदा अभिलेख डाउनलोड एवं अपलोड करने की अवधि	08.11.2019 अपराहन 02.00 बजे से 26 11.2019 को शाम 5.00 बजे तक
8	कार्यालय में निविदा अग्रधन राशि जमा करने की तिथि	29.11.2019 शाम 5.00 बजे तक
9	तकनिकी बीड खोलने की तिथि	3.12.2019 02.00 बजे अपराहन
10	निविदा प्रकाषित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	ई0 संजीव कुमार कार्यपालक अभियंता, सुवर्णरेखा बाँध प्रमंडल संख्या –2, चांडिल। मों0 नं0–8210828520

2. सिर्फ ई-निविदा स्वीकार होगा

ज्यादा जानकारी के लिए हमारे वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in देखें।

ई.मेल-eesdd2chandil@gmail.com

0657-2371765

		77.10 17.11
क्र.	सूची	विवरणी
1	कार्य का नाम	Strengthening and widening of road form Mukhiya Hotal to near Chandil SDM Office.
2	प्राक्कलित राशि	रू० 21739549.00 (रूपये दो करोड़ सत्रह लाख उन्चालीस हजार पांच सौ उन्चास मात्र
3	अग्रधन की राशि	रू० 434800.00 (रूपये चार लाख चौंतीस हजार आठ सौ मात्र))
4	परिमाण विपत्र की राशि	रू० 10000.00 (रूपये दस हजार मात्र)
5	कार्य पूर्ण करने का समय	180 दिन
6	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	06.11.2019 अपराह्न 02.00 बजे
7	निविदा अभिलेख डाउनलोड एवं अपलोड करने की अवधि	06.11.2019 अपराह्न 02.00 बजे से 22.11. 2019 को शाम 5.00 बजे तक
8	कार्यालय में निविदा अग्रधन राशि जमा करने की तिथि	25.11.2019 शाम 5.00 बजे तक
9	निविदा खोलने की तिथि	28.11.2019 02.00 बजे अपराह्न
10	निविदा प्रकाषित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	ई0 संजीव कुमार कार्यपालक अभियंता, सुवर्णरेखा बाँध प्रमंडल संख्या –2, चांडिल। मो0 नं0–8210828520 ई.मेल–eesdd2chandil@gmail.com
11	ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल का हेल्प लाईन नं0	0657-2371765

सुवर्णरेखा बाँध प्रमंडल संख्या –2, चांडिल। P.R.221066 Water Resource(19-20):D

भारतीय सेना प्रमुख गैर जिम्मेदाराना बयानों से युद्ध भड़का रहे : पाक सेना

रहते हैं।

इस्लामाबाद, २६ अक्तूबर (भाषा)।

जयशंकर ने कुवेत, बहरीन के

अपने समकक्षों से की मुलाकात

द्विपक्षीय संबंधों का गहरा महत्त्व है।' कुवैत

भारत का एक महत्त्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार

है। 2017-18 में, कुँवैत भारत का नौवां

सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता था और यह

भारत की ऊर्जा जरूरतों का लगभग 4.63

अनुसार, इस तेल समृद्ध देश में कानूनी रूप

कुवैत में स्थित भारतीय दूतावास के

• दोनों देशों के

साथ भारत के

मजबूत द्विपक्षीय

संबंधों पर विदेश

मंत्री जयशंकर ने

फीसद पूरा करता है।

की चर्चा।

पाकिस्तानी सेना ने आरोप लगाया है कि भारतीय सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत बार-बार गैर जिम्मेदाराना बयान देकर 'युद्ध भड़का' रहे हैं और क्षेत्रीय शांति को खतरे में डाल रहे हैं। इससे पहले, जनरल रावत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को 'आतंकवादियों के नियंत्रण' वाला क्षेत्र करार दिया था।

फील्ड मार्शल केएम करिअप्पा स्मृति व्याख्यान में अपनी समापन टिप्पणियों में जनरल रावत ने शुक्रवार को यह भी कहा था कि गिलगित-बाल्तिस्तान तथा पीओके पाकिस्तान के अवैध कब्जे में रहे हैं।

इण्डियन ओवरसीज बैंक 1/52, नार्थ एवैन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110026 फोन: 011-25223019, 25223958, ईमेल: iob687@iob.in कब्जा सचना (अचल सम्पत्ति के लिए) [नियम 8 (1)] जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभृतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभृति हित प्रवर्तन

अधिनियम, 2002 के अंतर्गत इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथ प्रतिभृति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 20.08.2019 जारी कर ऋणधारक/मार्टगैजरों/गारन्टरों श्रीमती मंजुला चौहान, श्री दया लाल चौहान, श्री बिपिन चौहान (यहाँ के बाद ऋणधारक के रूप में वर्णित), सभी निवासी एफ-668, ब्लॉक-एफ, जे.जे| कॉलोनी, मादीपुर, नई दिल्ली–110063 को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सुचना में वर्णित राशि 20.08.2019 को रु. 21,96,434/-(रुपये इक्कीस लाख छियानवे हजा चार सौ चौंतीस मात्र) तथा अनुबंधित दरों एवं रेट्स पर उसकी वसूली की तिथि तक आगे के ब्याज, चार्जेज आदि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

(1) ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतदुद्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, दिनांक 22 अक्टूबर, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) वे अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

(2) विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यह नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय मांग सूचना जारी करने के बाद वसूली यदि कोई की गई हो, को घटाकर मांग सूचना वर्णित उपरोक्त तिथि से भुगतान की तिथि तक अनुबंधित दरों एवं स्वीकृत रेट्स पर उस पर आगे के ब्याज के साथ 20.08.2019 को रु. 21,96,434/-(रुपये इक्कीस लाख छियानवे हजार चार सौ चौंतीस मात्र) के लिये इंडियन ओवरसीज बैंक के चार्ज के अधीन होगा। कब्जा लेने की तिथि को बकाया राशि भुगतान की तिथि तक अनुबंधित दरों एव रेट्स पर आगे के ब्याज, चार्जेज आदि के साथ रु. 22,18,158/- (रुपये बाइस लाख अठारह हजार एक सौ अन्ठावन मात्र) है।

3) ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट

अचल सम्पत्ति का विवरण

मंजुला, पत्नी दया लाल चौहान के स्वामित्व में आवासीय सम्पत्ति, सम्पूर्ण प्रथम, तल, बिना छत के अधिकार के, क्षेत्रफल माप 31.69 वर्ग मी. (प्रथम तल का कुल प्लिन्थ एरिया 440 वर्ग फीट वास्तविक तथा 307 वर्ग फीट स्वीकार्य है) जो फ्रीहोल्ड सम्पत्ति सं. 70, ब्लॉक ए, पॉकेट-2, सेक्टर-8, रोहिणी, नई दिल्ली-110085 का भाग है। चौहद्दीः (मूल्यांकन रिपोर्ट तिथि 2.2.2016 के अनुसार) उत्तरः सम्पत्ति सं. 69, दक्षिणः 13.5 एम चौड़ा रोड, पूर्वः 6 फीट चौड़ा पथ पश्चिमः खुला।

तिथि: 22.10.2019 स्थानः नई दिल्ली

(प्राधिकृत अधिकारी इंडियन ओवरसीज बैंक

FORM A PUBLIC ANNOUNCEMENT (Under Regulation 6 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2016)

M/S AFTEK INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED RELEVANT PARTICULARS M/s AFTEK INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED Name of corporate debtor Date of incorporation of corporate debtor Authority under which corporate debtor is tegistrar of Companies, Kanpur, Uttar Pradesh U70102UP2013PTC059884 Corporate Identity No. / Limited Liability Identification No. of corporate debtor M-57, SANJAY GANDHI PURAM FAIZABAD ROAD,

FOR THE ATTENTION OF THE CREDITORS OF

office (if any) of corporate debtor LUCKNOW UP 226016 Insolvency commencement date in respect of 23rd October 2019 (Order known to IRP on 24th October, 2019) Estimated date of dosure of insolvency 20th April 2020 resolution process. 8 Name and registration number of the Sanjay Kumar Jha insolvency professional acting as interim BBI/IPA-002/IP-N00684/2018-19/12031 23/8, Gali No. -15, T- Point, Main Market Sant Nagar, Address and e-mail of the interim resolution professional, as registered with the Board. Burari, New Delhi-110084 Gmail : Sanjay/hafcs@gmail.com 308-309, VARDHMAN FORTUNE MALL, G. T. Kamal Road, O Address and e-mail to be used for correspondence with the interim resolution Opp. Hans Cinema, Azadpur, New Delhi-110033. professional Gmail: Sanjayjhafcs@gmail.com th November 2019 (fourteen days from the date of Last date for submission of claims timation of order to insolvency professional) Name the class/es/: Real Estate Investors 2 Classes of creditors, if any, under clause (b) of sub-section (6A) of section 21, Names of Insolvency Professionals identified to 1. Anil Tayal | IBBI/IPA-001/IP-P01118/2018-19/11818 act as Authorised Representative of creditors in Address: 201, Sagar Plaza, District Centre, Laxmi Nagar Delhi-110092, a dass (Three names for each dass) Email id- caaniltayal@gmail.com. Pankaj Tyagee | IBBI/IPA-001/IP-P-01829/2019-2020/1276 G-13, Lower Ground Floor, Jangpura Extension, New Delhi -110014 Email Id - pankajtyagee@gmail.com . Sanjeev Gupta IBBI/IPA-001/IP-P-01575/2018-2019/12408 307, Laxmideep Building , Plot No. -9, District Centre Laxmi Nagar, Delhi-110092. Email Id-fcasanjeev@gmail.com 14 (a) Relevant Forms and Neb link; http://www.ibbi.gov.in/downloadform.html B. PHYSICAL ADDRESS: Details of AR are available at the (b) Details of authorized representatives are ddress mentioned under item -13 above Notice is hereby given that the National Company Law Tribunal Delhi has ordered the commencement of a corporate insolvency resolution process of the M/S AFTEK INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED on 23rd October 2019 The creditors of M/S AFTEK INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED are hereby called upon to submit their claims with proof on or before 7th November 2019 to the interim resolution professional at the address mentioned against entry No. 10.

The financial creditors shall submit their claims with proof by electronic means only. All other creditors may submit the claims with proof in person, by post or by electronic means.

A Financial Creditor belong to a class, as listed against the entry No.12, shall indicates its choice of authorized representative from among the three insolvency Professional listed against entry No.13 to act as authorized representative of the class specify class in Form CA.

Submission of false or misleading proofs of claim shall attract penalties Name and Signature of Interim Resolution Professional: SANJAY KUMAR JHA

IBBI/IPA-002/IP-N00684/2018-19/12031

Date: 25th October 2019

नई दिल्ली

epaper.jansatta.com

और समाज में आशा और प्रकाश ले आने का प्रयास करेंगे । क्यूबा के शहरों के लिए अमेरिकी उड़ान पर लगेगी पाबंदी

हवाना, 26 अक्तूबर (एपी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन हवाना को छोड़ कर क्यूबा के सभी शहरों के लिए अमेरिकी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों ने यह जानकारी दी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने क्युबा के साथ रिश्तों को आसान बनाने की पहल की थी, ऐसे में यह फैसला पीछे हटने जैसा कदम होगा। उन्होंने बताया कि कि परिवहन विभाग मध्य क्यूबा में सेंटा क्लारा के साथ पूर्वी हिस्सों के कुछ शहरों में दिसंबर से उड़ानों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करेगा। हवाना के लिए अमेरिकी उड़ानें जारी रहेंगी। अमेरिकी कानून के तहत क्यूबा में पर्यटन पर रोक के कारण यह प्रतिबंध लगाया जा रहा है।

धंसने से सात लोगों की मौत तोक्यो, 26 अक्तूबर (एपी)

जमीन धंसने की घटनाओं में करीब सात लोगों की मौत हो गई। शिबा प्रांत

तोक्यों के पूर्वी शहरों में मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ और के मिदोरी जिले में जमीन धंसने से मलबे में दब कर तीन लोगों की मौत

भी एक संदेश मिला था।

जापान में बाढ़ और जमीन

नराता और चोनान शहर

हो गयी। निकटवर्ती इचिहारा शहर में भी जमीन धंसने से एक महिला की जान

चली गयी। वहीं नराता और चोनान शहर में दो गोताखोरों की मौत उनके वाहन

में दो गोताखोरों की मौत उनके वाहन डूबने से

डूबने से हो गई। शिबा प्रांत में बचावकर्मी दो लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। वहीं

फुकुशिमा में भी दो लोगों का पता नहीं चल पा रहा है। जापान में करीब दों हफ्ते पहले 'हगिबिस' तूफान के कारण आई बाढ़ ने भी तबाही मचाई थी, जिसमें करीब 80 लोगों की जान चली गई थी। प्रधानमंत्री शिजो अबे ने शनिवार सुबह आपातकालीन कार्य बल की एक बैठक की और बिजली, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने का निर्देश दिया।

अफगानिस्तान में शांति के लिए केवल वार्ता ही एकमात्र रास्ता

इस्लामाबाद, २६ अक्तूबर (एपी)

रूस, चीन, अमेरिका और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को इस बात पर सहमति जताई कि अफगानिस्तान में शांति स्थापित करने के लिए केवल वार्ता ही एकमात्र रास्ता है। साथ ही इन प्रतिनिधियों ने तालिबान के साथ अमेरिका की सीधी बातचीत जल्द शुरू किए जाने की भी वकालत की।

मॉस्को में दिन भर चली यह वार्ता चीन की तरफ से आयोजित अंतर अफगान संवाद से पहले हुई। अगले हफ्ते बेजिंग में होने जा रही वार्ता को टाल दिया गया है। वार्ता की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने यह बात बताई है। पहचान उजागर न करने की शर्त पर इन अधिकारियों ने कहा कि यह स्थगन कुछ समय

का ही होगा लेकिन कोई नई तारीख नहीं बताई

चीन में होने जा रही यह वार्ता जब कभी होगी तब अफगान के परस्पर विरोधी पक्षों के बीच जुलाई के बाद से पहली आमने-सामने की बातचीत होगी। यहां तक कि अपनी सरकार की अगुआई में नहीं होने वाली किसी भी वार्ता का विरोध करने वाले राष्ट्रपति अशरफ गनी ने भी शुक्रवार देर रात को कहा कि वह प्रतिनिधियों को भेजेंगे।

स्थगन की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है लेकिन पिछली अंतर अफगान वार्ता में प्रतिभागियों को लेकर दोनों पक्ष में हुए झगड़े की वजह से देरी हुई थी। पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई समेत काबुल से कई प्रमुख अफगान अधिकारी चीन बैठक में शामिल हो सकते हैं।

भारत-बांग्लादेश मैच पर प्रदूषण का साया

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (भाषा)।

भारत और बांग्लादेश के बीच तीन नवंबर को फिरोजशाह कोटला में होने वाले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ता वायु प्रदूषण चिंता का विषय बन गया है। दिसंबर 2017 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम को कोटला में टैस्ट मैच के दौरान परेशानी हुई थी जिसके कारण उसके अधिकतर खिलाड़ियों को मास्क पहनने पड़े थे। इसके बावजूद उसके कुछ खिलाड़ी बीमार हो गए थे।

बीसीसीआइ की रोटेशन नीति और मेहमान टीम के यात्रा कार्यक्रम को देखते हुए उसने पहला मैच दिल्ली में आयोजित करने का फैसला किया था। उसे उम्मीद थी कि दिन रात मैच में शहर की खराब हवा मसला नहीं बनेगा। लेकिन दिवाली से दो दिन पहले ही वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) बेहद खराब दिखाया गया है।

एक्यूआइ के मानकों के अनुसार 0-50 अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम स्तर का, 201 से 300 खराब, 300 से 400 बेहद खराब और 400 से अधिक गंभीर माना जाता है जिससे स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। अभी की जानकारी के अनुसार गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय का एक्यूआइ 357 था जो कि बहुत खराब माना जाएगा।

बीसीसीआइ और डीडीसीए के अधिकारियों ने कहा कि खराब वायु प्रदूषण उनके नियंत्रण से बाहर है और वे यही उम्मीद कर सकते हैं कि मैच दिवाली के एक सप्ताह बाद होगा तो तब तक स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी। बीसीसीआइ के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि हम दिवाली के बाद दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति से अवगत हैं, लेकिन मैच एक सप्ताह बाद होना है, इसलिए उम्मीद है कि खिलाड़ियों को स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत नहीं होगी।

श्रीलंका मैच के बाद गलत प्रचार और बुरे अनुभव के बाद सवाल पैदा होता है कि बीसीसीआइ दिल्ली के संदर्भ में अपनी रोटेशन नीति पर क्यों अड़ा रहा। अधिकारी ने कहा कि यात्रा कार्यक्रम इस तरह से तैयार किया गया कि बांग्लादेश की टीम सीधे दिल्ली पहुंचे और कोलकाता से स्वदेश रवाना होगा। हम उनकी

मुकाबले से पहले दिल्ली में स्थिति चिंताजनक



दिसंबर 2017 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कई खिलाडियों को कोटला में टैस्ट मैच के दौरान प्रदूषण के कारण मास्क पहनने पड़े थे।

यात्रा सहज बनाना चाहते थे जो उत्तर से शुरू

होकर पश्चिम (नागपुर, राजकोट और इंदौर)

से होते हुए पूर्व (कोलकाता) में खत्म हो।

अगर जरूरत पड़ी तो बांग्लादेश की टीम को

अपने साथ मास्क रखने की हिदायत दी जा

सकती है। इस बीच अतिरिक्त सालिसिटर

जनरल और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ

एडवोकेट मनिंदर सिंह दिल्ली एवं जिला

क्रिकेट समिति (डीडीसीए) कार्यकारिणी में

पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर की जगह

सरकार से नामांकित सदस्य की जगह लेंगे।

गंभीर ने हाल में त्यागपत्र दे दिया था क्योंकि

अभी वह सांसद हैं और यह लोढ़ा समिति की

सिफारिशों के खिलाफ है।

बीसीसीआइ अधिकारी ने कहा

बीसीसीआइ और डीडीसीए के अधिकारियों ने कहा कि खराब वायु प्रदूषण उनके नियंत्रण से बाहर है और वे यही उम्मीद कर सकते हैं कि मैच दिवाली के एक सप्ताह बाद होगा तो तब तक स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी।

अधिकारी ने कहा कि यात्रा कार्यक्रम इस तरह से तैयार किया गया कि बाग्लादेश की टीम सीधे दिल्ली पहुंचे और कोलकाता से स्वदेश रवाना होगा। हम उनकी यात्रा सहज बनाना चाहते थे जो उत्तर से शुरू होकर पश्चिम (नागपुर, राजकोट और इंदौर) से होते हुए पूर्व (कोलकाता) में खत्म हो। अगर जरूरत पड़ी तो बांग्लादेश की टीम को अपने साथ मास्क रखने की हिदायत दी जा सकती है।

भारत दौरे से हटे तमीम इकबाल इमरूल को टीम में जगह

ढाका, २६ अक्तूबर (भाषा)।

बांग्लादेश के सीनियर सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल ने बच्चे के जन्म के लिए पत्नी के साथ रहने के कारण भारत के आगामी दौरे से हटने का फैसला किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने तीन नवंबर से दिल्ली में शुरू होने वाली तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला के लिए इकबाल की जगह बांए हाथ के इमरूल कायेस को शामिल किया। बांग्लादेश को इस दौरे पर दो टैस्ट मैच भी खेलने हैं जो इंदौर में 14 से 18 नवंबर और कोलकाता में 22 से 26 नवंबर तक होंगे।

ईएसपीएन क्रिकइंफो के अनुसार, 'तमीम पसली की चोट से भी उबर रहे हैं, उन्हें टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की टीम में भी शामिल किया गया था लेकिन उन्होंने बीसीबी को सचित किया था कि वह पत्नी के साथ रहने के लिए कोलकाता

टी-20 टीम

साकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, इमरूल कायेस, सौम्य सरकार, मोहम्मद नईम, मुश्फिकुर रहीम, महमूदुल्लाह, अफीफ हुसैन, मोसादेक हुसैन, अमीनुल इस्लाम, अराफात सन्नी, अल अमीन हुसैन, मुस्तिफजुर रहमान, शफीउल इस्लाम।

में 22 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टैस्ट से भी बाहर हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने बच्चे के जन्म तक पत्नी के साथ रहने का फैसला किया। मुख्य चयनकर्ता मिन्हाजुल अबेडिन ने कहा कि तमीम ने हमें पहले सूचित किया था कि वह कोलकाता में दूसरे टैस्ट में नहीं खेल पाएंगे। अब वह आगामी हफ्तों के लिए पत्नी के साथ रहेंगे।

OSB

नियम-8 (1) प्रतिभृति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के अन्तर्गत कब्जा सूचना जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभृतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभृतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (2002 का नं. 3) के अधीन **भारतीय स्टेट बैंक,** का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभृति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के साथ पठित धारा 13(12) के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत **कर्जदार और गारंटर मैसर्स गोपीश** फार्मा लिमिटेड, एच-1455, सैक्टर-एच, डीएसआईआईडीसी, नरेला इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, दिल्ली–110040 और निम्नलिखित निदेशक / गारंटर्स : मैसर्स गोपीश फार्मा लिमिटेड, एच—1465, सैक्टर—एच, डीएसआईआईडीसी, नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली -।10040 <u>और:</u> रोपड़ रोड, धेरोवाल बैरियर के पास, गाँव बेहरामपुर, तहसील नालागढ़, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश — 174101, 1. श्री रतीश गोयल पुत्र श्री रवि प्रकाश गोयल (निदेशक एवं गारंटर्स) ए—96, सरस्वती विहार, पीतमपुरा, दिल्ली—110034, <u>और:</u> 1—50, —ब्लॉक, अशोक विहार, दिल्ली—110052, 2. श्री रवि प्रकाश गोयल पुत्र श्री हिर देव गोयल, (गारंटर), ए-96, सरस्वती विहार, पीतमपुरा, दिल्ली-110034 और: 1-50, 1-ब्लॉक, अशोक विहार, दिल्ली-110052, 3. श्रीमती संतोष गोयल पम्नी श्री रवि प्रकाश गोयल, 1-50, 1- ब्लॉक, अशोक विहार, दिल्ली-110052 और: ए-96, सरस्वती विहार, पीतमपुरा, दिल्ली—110034 (कर्जदार और गारंटर को संयुक्त रूप से कर्जदार कहा गया है) को मांग नोटिस दिनांक 13.02.2019 को जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि रु. 1,48,34,435.73 (रु. ग्यारह करांड अंडतालांस लाख चाजांस हजार चार सा पतांस आर पैसे तिहत्तर मात्र) दिनांक 30.03.2017 तक साथ में उरोक्तानुसार संविदात्मक दर पर ब्याज, आकिस्मक खर्चे, लागत, प्रभार, इत्यादि सहित उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि र 60 दिनों के अंदर भगतान करने को कहा गया था

कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये है, इसलिए एतदद्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सुर्चित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने निम्नवर्णित **संपत्ति का सांकेतिक कब्जा उक्त अधिनियम की धारा 13(4)** के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अंतर्गत दिनांक 24.10.2019 को ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतदद्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्तियों के साथ कोई भी लेन देन भारतीय स्टेट बैंक, के प्रभार वास्ते रु. 11,48,34,435.73 (रु. ग्यारह करोड अडतालीस लाख चौजीस हजार चार सौ पैतीस और पैसे तिहत्तर मात्र) दिनांक 30.03.2017 तक साथ में उरोक्तानुसार संविदात्मक दर पर ब्याज, आकिस्मक खर्चे, लागत, प्रभार, इत्यादि सहित के

कर्जदारों का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8) के प्रावधानों के संशोधित प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है जिसके अंतर्गत सार्वजनिक नीलामी द्वारा, जनता से कोटेशन, निविदा आर्मत्रण द्वारा, निजी संघि द्वारा प्रतिभृत परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये सूचना के प्रकाशन की तिथि तक ही आप बैंक द्वारा वहन की गई सभी लागतों, चार्जेज तथा खर्चे के साथ अपनी सम्पूर्ण बकाया राशि का भुगतान कर सकते हैं। कृप्या ध्यान रहे कि यदि आप सार्वजनिक सूचना द्वारा जनता से कोटेशन, निविदा आमंत्रण द्वारा अथवा निजी संघि द्वारा प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की बेक़ी के लिये बैंक द्वारा वहन की गई सभी लागतों, चार्जेंज तथा खर्चें के साथ अपनी सम्पूण बकाया राशि का भुगतान नहीं करते है तो आप प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिये

अचल संपत्तियों का विवरण

प्लॉट नं. 1455, ब्लॉक–एच डीएसआईआईडीसी, नेरला, नई दिल्ली में स्थित, यह सम्पत्ति श्री रवि प्रकाश गोयल के नाम पर है। क्षेत्रफल 418.6 वर्ग गज

दिनांक : 24-10-2019, स्थान : नई दिल्ली हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक

फॉर्म-जी अभिरूचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण (दिवाला और शोधन अक्षमता (कारपोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमों, 2016 की विनियम 36ए (1) के अधीन)

	सवाव	त ।ववरण
1.	फारपोरेट ऋणी का नाम	फेड्डर्स इलैप्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड
2.	कारपोरंट ऋणी की संस्थापना की तिथि	16.01.1957
3.	प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कारपोरेट ऋणी दर्ज-पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कंपनील-कानपुर
4.	कारपेरेट ऋणी का निगमित पहचान संख्या/सीमित दायित्य पहचान संख्या	U29299UP1957PLC021118
5.	कारपेरेट ऋणी के पंजीकृत कार्यालय और प्रधान कार्यालय (यदि कोई है) का पता	षेजी. कार्याः ६ व ६/1, वृपीएसआईडीसी ईडस्ट्रियल एरिया, सिकंदरायाद, बुलन्दशहर यूपी-203205 कॉर्स्येस्ट कार्यः सी- 4, नीएडा, फेड-II, गीतमबुद्ध नगर, नीएडा, यूपी-201305
6.	कारपोरंट ऋगी के संबंध में इंसॉलवेसी शुरुआती तिथि	14.08.2019 (आदेश 16.08.2019 को एनसीएलटी की चेबसड़ट पर अपलोड किया था)
7.	अधिरुचि की अधिज्यक्ति के आमंत्रण की तिथि	27.10.2019
8.	कोड की धारा 25(2)(एच) के अधीन प्रस्ताव आवेदकों के लिए पात्रता उपलब्ध है	आइपीड की वेबसाइट अर्थात www.rbsa.in जिसके साथ प्रस्ताव पेशेवर जुड़ा हुआ है।
9.	धारा २९ए के अंतर्गत लागू अपात्रता के निषम उपलब्ध है	जानकारी वैकल्पिक रूप से प्रस्ताव पेशेवर से निम्नलिखित इमेल आइडी ip.fedders@rbsa.in य ashok.gulla@rbsa.in से ची प्राप्त की जा सकती है।
10.	वर्गिसचि को विचयन्ति की प्राप्ति की अंतिम तिथि	25.11.2019
11.	प्रत्यात्रित प्रस्ताच आवेदकों की अनंतिम सूची जारी करने की तिथि	28.11.2019
12.	अर्नेतम सुची पर आपत्तियों के प्रस्तुतिकरण की अंतिम तिथि	03.12.2019
13.	प्रत्यांत्रित प्रस्ताय आर्येदकों की ऑतम सूची जारी करने की तिथि	06.12.2019
14.	प्रत्वरित प्रस्ताय आवेदकों के लिए प्रस्ताय योजना के लिए अनुरोध तथा सुचना जापन, मूल्यांकन सारणी जारी करने की लिथि	28.11.2019 को या उसके बाद
15.	प्रस्ताव योजना, मृल्यांकन सारणी, सूचना ज्ञापन तथा आगामी जानकारी हेतु अनुरोध प्राप्त करने की विधि	
16.	प्रस्ताव योजना प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	06.01.2020
17.	प्रस्ताव पेशेवर की प्रस्ताव पीजना प्रस्तुत करने का त्तरीका	प्रस्ताव योजना निम्नालिखन यते पर सीलबंद लिक्क्ये में प्रस्तुत किए जा सकते हैं: श्री अशोक कुम्बर गुह्म, प्रस्ताव पेशेवर, कृते केद्दर्श इलैक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग लिबिटेड, मार्चन आर्थ्यएसए रीस्ट्रक्वरिंग एडबाइजर्स एलएलपी, दूसरा तल, आइएबिएल हाकस, 23. साडथ पटेल नगर, नई दिल्ली-110008
18.	अनुमोदन हेतु निर्णायक प्राधिकरम को प्रस्ताय योजना की प्रस्तुति हेतु अनुमानित तिथि	25.01.2020
19.	प्रस्ताव पेशेवर का नाम तथा पंजीकरण सं	आशोक कुमार गुख IBBI/IPA-003/IP-N00024/2017-18/10174
20,	प्रस्ताय पेशेवर का नाम, पता य इ-मेल जैसा कि खेडे के साथ पेतीकृत है।	अशोक कुमार गुळ, आरबीएसए रीस्ट्रक्चरिंग एडवाइजर्स एलएलवे, दूसरा तल, आइएबिएल शास्त्रस, 23, साध्य पटेल नगर, नई रिल्लें-110008 इ-मेल ashok.gulla@rbsa.in
1.00		

फॉर्म जी के प्रकाशन की तिथि 27.10.2019 कड्डररं इलैक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग लिम्टिंड (कारपोरेट ऋगी) रेलवे को आपूर्ति के लिए एसो∕एचवीएसी विजनेस के तर्माणः विजनेस और अन्य क्षेत्र; स्टील स्ट्रक्रचरिंग एंड फेब्रिकेशन; वाइंड मिल टॉवल; ट्रांसमिशन और डिस्ट्रब्यूशन के लिए पॉवर प्रीजेक्ट्स की डिजाइनिंग, इरैक्सन और उसे चालु करना; रेलचे के लिए ओवरहैड इलैक्ट्रिल ट्रांसम्प्रशन ताइन्स में नियुक्त है। उपरोक्त विजनेस गतिविधियों के लिए विभिन्न स्थानों पर सात फैक्टरी लगाई हुई है। इसलिए, अभिरूचि भी अभिव्यक्ति (क) सभी विजनेस के लिए; (ख) अन्य विजनेस हिवीजन के साथ एसी/एचवीएसी हिवीजन जलग-अलग या संयुक्त; और (ग) कारपोरेट ऋणी की परिसंपत्तियों की अधिकतम राशियों के लिए एसी.एचवीएसी देवीजन से अन्य दिवीजन याद्रज स्लम्प विक्री या तो अलग-अलग या अन्य दिवीजन के साथ संयुक्त रूप से करने के लिए प्रत्याशित प्रस्ताय पेशेवरों से आमंत्रित की जाती है। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.rbsa.in के 'सीआइआरपी असाइनमेंट" सैक्शन पर जाएं।

प्रस्ताव पेशेवर से पत्रचार के लिए प्रयोग की जाने आरबीएसए रीस्ट्रक्चरिंग एडवाइजर्स एलएलपी, ट्रसरा कल

कते फेइडमं इलैक्टिक एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड हस्ता./-अशोक कुमार गुह्म,

आइएपीएल शक्ता, 23, साउच पटेल नगर, नई दिल्ली-

ip.fedders@rbsa.in 🗵 ashok.gulla@rbsa.in 🕸

1000s 1-199: ip.fedders@rbsa.in

मध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

साथ आगावे जानकारी को प्रस्ताय पेत्रेयर से निज्नतिक्षित इमेल आइडीक

भारतीय र-टेट बेंक प्रथम तल, स्थानीय मुख्यालय, आरएसीपीसी, मोती महल मार्ग, लखनऊ-226 001 **भारतीय स्टेट बैंक, तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखा—।।,** 11वां तल, जवाहर व्यापार भवन, एसटीसी बिल्डिंग, 1 टॉल्स्टॉय मार्ग, जनपथ, नई दिल्ली-110001, ईमेल : sbi.50950@sbi.co.in

कब्जा नोटिस (नियम ८(1) के अन्तर्गत अचल सम्पत्ति)

यद्यपि प्राधिकृत अधिकारी भारतीय स्टेट बँक, आरएसीपीसी, (विपुल खण्ड-2), लखनऊ शाखा द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण व पुनः संरचना तथा प्रतिभूति हित का प्रभावीकरण अधिनियम 2002 (अधिनियम नं. 54) के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा-13(2) एवं 13(12) सहपठित नियम 9 के अन्तर्गत निम्नलिखित खातेदार को उनके सम्मुख अंकित तिथि को नोटिस जारी कर उनसे 60 दिनों के अन्दर नोटिस में वर्णित राशि अदा करने की मांग की थी। ऋणि / जमानतदारों और जनसाधरण को सूचना दी जाती है कि प्राधिकृत अधिकारी द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13(4) एवं सहपठित नियम 9 के अन्तर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न वर्णित खातों में बन्धक सम्पत्ति का उनके सम्मुख अंकित तिथि को कब्जा प्राप्त कर लिया है। अतः इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार का सौदा/व्यवहार **भारतीय स्टेट बैंक**, आरएसीपीसी (विपुल खण्ड-2), लखनऊ शाखा के अतिरिक्त किसी अन्य से न करें। ऐसा कोई भी सौदा ∕ व्यवहार भारतीय स्टेट बैंक को देय राशि व तत्सम्बन्धित ब्याज, जैसा कि खाते में उल्लिखित किया गया है, के अधीन हो। सम्पतियों का विवरण जिसका कब्जा लिया गया है :

क्र. सं.	ऋण-ग्रहिता का नाम एवं पता/ शाखा/खाता संख्या	अचल सम्पत्ति का विवरण	बकाया धनराशि 13(2) के अनुसार	मांग सूचना / कब्जे की तिथि
1	ऋणीः श्री मोहित याग्निक एवं	सम्पत्ति से संबंधित सभी हिस्सा और पार्सल मकान	₹ 23,92,200/-	01.02.2018
3		सं0 27 और 28 खसरा नंबर 573 का भाग, आदर्श		24.10.2019
3	मकान सं0 27 एवं 28 खसरा सं0 573, आदर्श विहार कालोनी, भपटामऊ, लखनऊ। खाता सं.: 61207611751	200 HO	अन्य खर्चे	

दिनांक : 27.10.2019, स्थान : लखनऊ

प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बँक

कार्यालय वसूली अधिकारी-॥ ऋण वसूली अधिकरण-।।।, दिल्ली बौथी मॅजिल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, पटेल बौक, गई दिल्ली - 110 001

दिनांकित : 21.09.2019 आर. सी. सं. 208/2015 बिक्री की उदघोषणा आयकर अधिनियम 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 38, 52(2) के अन्तर्गत को बैंक और वित्तीय संस्थान

अधिनियम 1993 की ऋण वसूली के साथ पढ़ा जाये। भारतीय स्टेट बैंक बनाम श्री अजय नेहरा

सीडी —1 श्री अजय नेहरा, मैसर्स शान फूड्स के एकल प्रोपराईटर, 106—107, अशोक पैलेस, 877, ईस्ट पार्क रोड, नई दिल्ली —110005 और: मकान नं. 181, वी.पी.ओ. गुधा जिला झज्जर (हरियाणा-124103)

सीडी —2 श्रीमती महेन्दर सिंह पुत्र स्वं. श्री दाराओ सिंह निवासी : मकान नं. 181, वी.पी.ओ. गुधा जिला झज्जर (हरियाणा—124103) जहाँ पर पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण-।।। द्वारा ओए सं 203/2012/डीआरटी-।।।/दिल्ली दिनांकित 26.06.2015 के द्वारा

प्रतिवादी से वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार वाद के शुरुआत से रु. 1,26,62,413 /— (रु. एक करोड लाख छब्बीस लाख बासठ हजार चार सौ तेरह मात्र) साथ में ब्याज एवं खर्च लागत प्रामाणपत्र देनदार से वाद दायर की से वसूल किया जाएगा।

और जैसा कि अधोहस्ताक्षरी ने इस प्रमाणपत्र की संतुष्टी हेतु निम्नानुसार अनुसूची में वर्णित सम्पत्ति की बिक्री का आदेश दिया है और जबकि **रु. 1,26,62,413/— (रु. एक करोड लाख छब्बीस लाख बासठ हजार चार सी तेरह मात्र)** साथ में आकरिमक खर्चे और ओ ए की काईलिंग की तिथि से @12% की दर से साघारण ब्याज, चुकौती की तिथि तक का **भुगतान प्रतिवादी द्वारा संयुक्त रुप/व्यक्तिगत रुप से देय होगा।** एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि कोई स्थमन के किसी आदेश के अभाव में उक्त सम्पत्ति को सार्वजनिक नीलामी द्वारा 20.11.2019 को अपी. 03.00

बजे से अर्पा. 04.00 बजे के बीच (स्वतः विस्तार खण्ड के साथ यदि बंद होने से पहले अंतिम 5 मिनट में बोली अपेक्षित होती है) ई—नीलामी तथा बोली प्रक्रिया होगी जो मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लि., उद्योग विहार, फेज—2, गल्फ पैट्रो कैम बिल्डिंग, बिल्डिंग नं. 301, गुड़गाँव, प्रथम तल, हरियाणा—122015, फोन : +91-124-4302020/21/22/23/24 मो. +91 9813887931, ई-मेल : support@bankeauctions.com के माध्यम से सार्वजनिक नीलामी

संपत्ति से संबंधित किसी भी जानकारी और निरीक्षण के मामले में, इच्छुक बोलीदाता डीआरटी—।।।, दिल्ली से संपर्क कर सकता है उपरोक्त नाम के प्रतिवादी की सम्पत्ति की बिक्री उपरोक्तानुसार सम्पत्ति के लिए संलग्न देनदारियों एवं दावें को जैसा अभी तक निंधारित किया गया है प्रत्येक लॉट के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।

सम्पत्ति बिक्री के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट लॉट पर की जाएगी, यदि सम्पत्ति के भाग की बिक्री की राशि सम्पूर्ण देय राशि के संतुष्टि लायक होगी नो शेष के संबंध में बिक्री को तुरन्त रोक दी जायेगी। बिक्री तब भी रोक दी जायेगी यदि इससे पहले किसी लॉट की बोली छुट जाती है, कथित प्रमाणपत्र में अंकित बकायों, ब्याज लागत (जिसमें बिक्री की लागत शामिल है) बिक्री संचालित करने वाले अधिकारी को देय दी जाती है 🗸 प्रस्तुत की जाती है या इस आशय का प्रमाण दिया जाता है कि ब्याज वा लागत के साथ ऐसे प्रमाणपत्र की राशि का भुगतान अधोहस्ताक्षरी को कर दिया गया है।

बिक्री से संबंधित कोई अधिकारी या अन्य व्यक्ति निविदा के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सम्पत्ति की बिक्री के लिए बोली, अधिग्रहण अथवा प्रयास नहीं करेगा। आयकर अधिनियम 1961 के द्वितीय अनुसूची के शर्तों एवं उसके नियमों के तहत तथा निम्न शर्तों के अनुरूप ही बिक्री की जाएगी। बिक्री उदघोषणा की अनुसूची में उल्लेखित विवरण को अधोहस्ताक्षरी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार दर्शाया गया है, परन्तु अघोहरताक्षरी किसी

त्रुटि, गलत बयान बाजी अथवा उदघोषणा में चूक होने पर जिम्मेदारी नहीं होगी। सम्पत्ति धरोहर राशि से कम पर नहीं बेची जाएगी

	\$100 to \$100 t	1	6.1 2000000000 Upraci 19096 U
1	खेतीहर सम्पत्ति किला नं. 1–3, माहरी गाँव, गुद्धा, जिला झज्ज़र, हरियाणा में स्थित	ক, 46.35 লাম্ভ	रु. 4.64 लाख
	सम्पत्ति का विवरण जमाबंदी के अनुसार कुल भूमि क्षेत्रफल 10K — 0M + 2K - 5M + 5K-14.06M =	= 17K-19.6M और 2.2	475 एकड़ लगभग
	1) 10K 0M 100/424 Share of Land measuring 10K 0M out of Total land measuring	A2M 2M Comprise	of In Khowat Me

 1). 10K-0M — 100/431 Share of Land measuring 10K-0M out of Total land measuring 43K-2M Comprised In Khewat No. 351/298, खतौनी नं. 421, रैक्ट, नं. 12, किला नं. 13/2(3-8), किला नं. 17/2 (5-3), किला नं. 18/1(3-8), किला नं. 18/2(3.8), किला नं. 23(5-9), किला नं. 24/1 (3-8), रैक्ट. नं. 16, किला नं. 3(1-3), किला नं. 4(7-15), किला नं. 5/1(3-81), किला नं. 6/2 (4-6), किला नं. 7/1(2-6), किटा 2). 2K-5M - 9/10 Share of Land measuring 2K-5M out of total land measuring 2K — 10M Comprised in Knewat No. 349/297

खतीनी नं. 418, रैक्ट. नं. 73, किला नं. 15/11(0.6), रैक्ट. नं. 72, किला नं. 22/1 (2-4), किटा - 23).5K-14.6M-573/730 Share of Land measuring 5K - 14.6M Out of Total land measuring 7K-6M Comprised in Khewat No. 354/300, खतौनी नं. 425, रैक्ट. नं. 72, किला नं. 20(7-6), रैक्ट, नं. 72, Kona No. 22/1 (2.4), किटा-1

बोली, कम से कम रू. 1,00,000/- (रु. एक लाख मात्र) बढ़ाई जा सकेगी। बोली अथवा बोलीदाता के संबंध में कोई विवाद उत्पन्न होने की रिथति में लॉट की नीलामी दोबारा की जाएगी। यदि उपलब्ध कोई भी बोलीदाता अपनी बोली नहीं बढाता है, तब सर्वप्रथम प्राप्त ईएमडी अधोहस्ताक्षरी द्वारा आगे विचार

किसी लॉट के उच्चतम बोलीदाता को क्रेता घोषित किया जाएगा। उच्चतम बोली को अस्वीकार करना अघोहस्ताक्षरी का विवेकाधिकार होगा, यदि पेश की गई ऑफर उसको स्वीकार किए जाने हेतु स्पष्ट रूप से अपर्याप्त प्रतीत होती है।

इच्छक बोलीदाताओं को धरोहर राशि पे आर्डर / डिमांड झापट के रूप में जो कि "Recovery Officer-II, DRT-III, Delhi के पक्ष में दिल्ली में देययोग्य हो को **क्सूली अधिकारी - । ।, डीआरटी- । । ।, दिल्ली को दिनांक 18.11.2019 तक देनी होगी ।** धरोहर राशि इसके पश्चात नीलामी के लिए खीकार नहीं की

पैन कार्ड की प्रति, पते का प्रमाण तथा पहचान प्रमाण, ई-मेल आई डी, मोबाईल नम्बर और इस आशय की उदधोषणा कि वे स्वंय की ओर से या अपने स्वामी की और से बोली लगा रहे हैं, जमा करनी होगी। स्वामी की और से बोली लगाने वाले मामलों में बोली लगाने वालें को अपना प्राधिकार पत्र जमा करना होगा वरना बोली अस्वीकार कर दी जाएगी। कम्पनी के मामले में कम्पनी के बोर्ड सदस्यों द्वारा पारित प्रस्ताव की कम्पनी प्रति या कम्पनी के अटानीं / प्रतिनिधित्व को पृष्ट करने वाले अन्य कोई आलेख्य तथा ऐसी जमा रशिद / काउन्टर फाईल कथित तिथि तक ई—मेल या अन्यथा द्वारा कथित सेवा

6. असफल बोलीदाताओं को उनकी धरोहर राशि डी आर टी - 111, दिल्ली से उपयुक्त आवेदन के पश्चात ई-नीलामी की तिथि के अगले दिन

प्रदाता या सी एच बैंक तक पहुंच जानी चाहिए और इसकी हार्ड कॉपी (स्थूलप्रति) वसूली अधिकारी—।।, ढीआरटी—।।।, दिल्ली के कार्यालय में जमा कराना

7. सफल बोलीदाता को अपनी अंतिम बोली का 25 प्रतिशत राशि, ईएमडी समायोजन के बाद, अगले बैंक कार्य दिवस को अर्थात अप. 03.00 बजे

तक ऊपर पैरा 4 में निर्धारित विधि में जमा करनी होगी। क्रेता को अंतिम बोली की 75 प्रतिशत राशि सम्पत्ति की बिक्री की तिथि से 15 वें दिन को अथवा पूर्व जमा करनी होगी। यदि 15वां दिन रविवार या अवकाश

है, तब 15वें दिन के बाद पहले बैंक कार्य दिवस को ऊपर पैरा 4 में निर्धारित विधि में जमा करनी होगी। इसके अतिरिक्त क्रेता को रू. 1,000/- तक बिक्री मूल्य के 2 प्रतिशत की दर पर तथा रू. 1,000 / – से अधिक पर बिक्री मूल्य के 1 प्रतिशत की दर पर पाउण्डेज फीस रजिस्ट्रार, डीआरटी–।।।, दिल्ली के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट के द्वारा वसूली अधिकारी—।।, डीआरटी—।।।, दिल्ली के पास जमा करना होगा। 9. निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान में चूक की रिथति में, सम्पत्ति की बिक्री नए सिरे से की जाएगी। ऐसी बिक्री से पहले उसकी नई उद्घोषणा जारी की

जाएगी। बोलीदाता द्वारा पहले जमा की गई राशि, यदि अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपयुक्त समझा जाता है, बिक्री के व्यय काटने के बाद, सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जाएगी और चुककर्ता क्रेता के, सम्पत्ति अथवा उसके किसी अंश अथवा सम्पत्ति की पुनरबिक्री से प्राप्त होने वाली राशि के किसी अंश के संबंध में, सभी दाये

सम्पत्ति की बिक्री "जैसा है जहां है तथा जो है जैसा है आधार" पर की जा रही है।

11. अधोहरताक्षरी के पास, किसी भी या सभी बोलियों को, अनुपयुक्त पाए जाने पर, स्वीकार या अस्वीकार करने अथवा किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, नीलामी प्रास्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।

क्र. सं	अन्य सह मालिकों के नाम के सहित, बेची जाने वाली सम्पत्ति का विवरण, जहाँ सम्बन्धित सम्पत्ति ढिफाल्टर या जो किसी अन्य व्यक्ति के सह—स्वामित्व में है।	सम्पत्ति या उसके किसी भाग पर राजस्व जिसका मूल्यांकन किया गया है	किसी भी प्रकार के भार का विवरण जिसके लिए सम्पत्ति उत्तरदायी है	विवाद अगर कोई है जो कि सम्पत्ति के सम्बंध में आगे आया है एवं अन्य कोई ज्ञात विशिष्टियां जोकि इसके मूल्य एवं प्रकृति प्रभाव रखता है।
	खेतीहर सम्पत्ति किला नं. 1—3, माहरी गाँव, गुद्धा, जिला झज्ज़र, हरियाणा में स्थित	ज्ञात नही	ज्ञात नही	ज्ञात नही

सम्पत्ति का विवरण जमाबंदी के अनुसार कुल भूमि क्षेत्रफल 10K — 0M + 2K - 5M + 5K-14.06M = 17K-19.6M और 2.2475 एकड़ लगभग 1). 10K-0M — 100/431 Share of Land measuring 10K-0M out of Total land measuring 43K-2M Comprised in Knewat No. 351/298, खतौनी नं. 421, रैक्ट. नं. 12, किला नं. 13/2(3-8), किला नं. 17/2 (5-3), किला नं. 18/1(3-8), किला नं. 18/2(3.8), किला नं. 23(5-9), किला नं. 24/1 (3-8), रैक्ट. नं. 16, किला नं. 3(1-3), किला नं. 4(7-15), किला नं. 5/1(3-81), किला नं. 6/2 (4-6), किला नं. 7/1(2-6), किटा - 11. 2). 2K-5M - 9/10 Share of Land measuring 2K-5M out of total land measuring 2K — 10M Comprised in Khewat No. 349/297, खतौनी नं. 418, रैक्ट. नं. 73, किला नं. 15/11(0.6), रैक्ट. नं. 72, किला नं. 22/1 (2-4), किटा - 23).5K-14.6M-573/730 Share of Land measuring 5K - 14.6M Out of Total land measuring 7K-6M Comprised in Khewat No. 354/300, खतौनी नं. 425, रैक्ट. नं. 72, किला नं, 20(7-6), रैक्ट, नं, 72, Kona No. 22/1 (2.4), किटा-1

मेरे हस्ताक्षर तथा मोहर के साथ आज दिनांक 21 सितम्बर, 2019 को दिया गया। (विकास जेटली) वसूली अधिकारी-।।, ऋणवसूली अधिकरण-।।।, दिल्ली

कर सकता है बोसीबी नज्मुल हसन ने कहा कि अगर वह संतोषजनक ढाका, २६ अक्तूबर (भाषा)

बांग्लादेश के घरेलू क्रिकेटरों को भले ही खिलाड़ियों के विरोध से फायदा मिल रहा हो लेकिन उनके राष्ट्रीय कप्तान साकिब अल हसन को एक दूरसंचार कंपनी से करार भारी पड़ सकता

कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। बांग्लादेश की टीम अगले कुछ दिनों में भारत शृंखला के लिए रवाना होगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का यह कदम निश्चित रूप से टीम के

अनुसार साकिब ने दूरसंचार कंपनी 'ग्रामिणफोन' के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं जो

'क्रिकबज' की रिपोर्ट के अनुसार, 'बीसीबी अध्यक्ष

हैं। केंद्रीय अनुबंध के उल्लंघन के कारण बोर्ड उन पर कानूनी मनोबल को प्रभावित कर सकता है। 'क्रिकबज' की एक रिपोर्ट के

केंद्रीय अनुबंध नियम का

उल्लंघन है।

जवाब नहीं दे पाते हैं तो वे कड़ा कदम उठाएंगे। स्थानीय टेलीकाम कंपनी 'ग्रामीणफोन' ने 22 अक्तूबर को घोषणा की कि देश का शीर्ष हरफनमौला उनका ब्रांड दृत बना है।' बीसीबी अध्यक्ष नज्मुल हसन ने शनिवार को बंगाली दैनिक 'कालेर कांठो' से कहा कि वह

ऐसा करार नहीं कर सकते जो हमारे अनुबंध में स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि रोबी (टेलीकॉम) हमारा

टाइटल प्रायोजक था और ग्रामिणफोन ने बोली नहीं लगाई और इसके बजाय उसने कुछ क्रिकेटरों को पैसे देकर करार कर लिया। लेकिन इससे बोर्ड को नुकसान

हुआ। हसन ने कहा कि हम कानूनी कार्रवाई के बारे में विचार कर रहे हैं। इस संबंध में हम किसी को भी नहीं छोड़ सकते। हम मुआवजे की मांग करेंगे। हम कंपनी के साथ-साथ खिलाड़ी से भी मुआवजे की मांग करेंगे।

सीए ने भी आइसीसी के एफटीपी कैलेंडर पर चिंता जताई

मेलबर्न, 26 अक्तूबर (भाषा)।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने आइसीसी के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) को लेकर बीसीसीआइ की चिंताओं पर सहमति जताते हुए कहा है कि इससे द्वपक्षीय मुकाबले प्रभावित हो सकते हैं। इस भविष्य दौरा कार्यक्रम (2023–2031) में हर साल आइसीसी का एक टूर्नामेंट प्रस्तावित है लेकिन सीए द्विपक्षीय टैस्ट शृंखलाओं पर समझौता नहीं करना चाहता है।

इस महीने दुबई में हुई आइसीसी की बैठक में यह कहा गया था कि कार्यकारी परिषद के सदस्य सैद्धांतिक रूप से मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मनु साहनी के उस विचार से सहमत हैं जो आठ साल के के सीईओ राहुल जौहरी ने आइसीसी के इस फैसले पर 🛮 बीच सामांजस्य बिठाना होगा।

चिंता जताते हुए कहा था कि भारतीय बोर्ड इससे सहमत नहीं है। सीए के मुख्य कार्यकारी केविन रोबर्ट्स ने भी माना कि आइसीसी की इस योजना का बीसीसीआइ समर्थन नहीं करेगा। रोबर्ट्स ने एसईएन रेडियो से कहा कि आइसीसी के टूर्नामेंटों का कार्यक्रम ऐसा है जिस पर अभी और आने वाले महीने में निश्चित तौर पर चर्चा होगी। अगले आठ साल के कार्यक्रम में चार टी-20 विश्व कप के अलावा दो एक दिवसीय विश्व कप का आयोजन शामिल है और रोबर्ट्स का मानना है कि अगर इस में चैंपियंस ट्रॉफी की तरह का टूर्नामेंट जोड़ा जाता है तो इसका असर आइसीसी टैस्ट चैंपियनशिप पर पड़ेगा।

रोबर्ट्स ने कहा कि हमें विश्व कप के साथ दो विश्व लिए प्रसारण अधिकार बेचने के बारे में है। बीसीसीआइ कप के बीच खेले जाने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के

जु यिंग से हारकर सिंधू फ्रेंच ओपन से बाहर

पेरिस, 26 अक्तूबर (भाषा)।

मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष भारतीय बैडमिंटन

खिलाड़ी पीवी सिंधू फ्रेंच ओपन के तीन गेम तक चले क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय ताई जु यिंग से हारकर बाहर हो गईं। पांचवीं वरीय भारतीय को शुक्रवार रात दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी से एक घंटा 15 मिनट तक चले मुकाबले में 16-21, 26-24, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। यह दसवीं दफा है जब सिंधू को चीनी ताइपे

की जु यिंग से पराजय मिली हो जिनका

epaper.jansatta.com

इस भारतीय के खिलाफ जीत का रेकार्ड 10-5 है। सिंधू ने अंतिम बार अगस्त में विश्व चैंपियनशिप खिताब हासिल करने के लिए एशियाई खेलों की स्वर्ण

पदकधारी को हराया था। 24 साल की भारतीय ने 2016 ओलंपिक के दौरान भी जु यिंग को मात दी थी और पिछले साल विश्व दूर फाइनल्स में महिलाओं की नंबर एक एकल खिलाड़ी को मात दी थी। दुनिया

की छठे नंबर की खिलाड़ी सिंधू की बासेल में विश्व चैंपियनशिप खिताबी जीत के बाद यह टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में लगातार चौथी हार है।

शुक्रवार को साइना नेहवाल भी बाहर हो गई थीं। हालांकि सत्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने सेमी फाइनल में पहुंचकर चुनौती बरकरार

रखी। भारत की इस 11वें नंबर की जोड़ी का सामना जापान के हिरोयुकी एंडो और युता वाटान्बे की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा।

दिनांक: 27.10.2019 स्थानः नई दिल्ली प्रस्ताव पेशेवर

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 343, *हवाई शुल्क :* **इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।** दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120)

2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज*,** *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमित लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।